नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 45

सोमवार, 22 से 28 दिसम्बर 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री की 'मन की बात'... 03

ट्रंप-जेलेंस्की शाति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला... 08

NCR समाचार

ब्रेट ली ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल 10

सर्दियों में कुछ ही दिन मिलती है ये सब्जी... 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

पेपराजी के सवाल से असहज हुई ईशा देओल 12

कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस, खरगे और राहुल ने दी शुभकामनाएं

जल, जंगल और जमीन खतरे में : खड़गे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा भवन में अपना 140वां स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो साझा करते हुए लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में 'कांग्रेस स्थापना दिवस' पर झंडा फहराया। हमें मिलकर कांग्रेस के विजन और विचारधारा को हर व्यक्ति तक पहुंचाना है। हमें सभी के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है और एक समृद्ध भारत बनाना है। जय हिंद, जय कांग्रेस।

झंडा फहराने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस सदस्यों को स्थापना दिवस की बधाई दी और नए साल की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। पार्टी की शुरूआत दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को मुंबई में हुई थी और भारत की आजादी हासिल करने के लिए स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाखों कांग्रेस कार्यकताओं ने बलिदान दिया, जेल गए और कठिनाइयों का सामना किया।

खड़गे ने कांग्रेस के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में पार्टी ने महिलाओं, गरीबों और समाज के सभी वर्गों के लोगों को राष्ट्रीय आंदोलन में एक साथ लाया। कांग्रेस का 1931 का कराची प्रस्ताव बाद में भारत के संविधान की नींव बना, लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि देश में लोकतंत्र अभी खतरे में है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ग्रीन रिवॉल्यूशन, व्हाइट रिवॉल्यूशन, ऑटोमोबाइल और आईटी सेक्टर के विस्तार और कम्युनिकेशन क्रांति जैसी पहलों के जरिए देश को बदलने का श्रेय कांग्रेस सरकारों को दिया। उन्होंने यूपीए सरकार की भी तारीफ करते हुए कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में नागरिकों के अधिकार मजबूत हुए और प्रधानमंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लिए गए ऐतिहासिक फैसलों को दुनियाभर में पहचान मिली।

कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज है : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के रविवार को 140वें स्थापना दिवस पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी रही है। उन्होंने यहां पार्टी के मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित 140वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। गांधी ने एक्स पर कहा, संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मजबूती से लड़ेंगे। उन्होंने कहा, आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं। हम उस ऐतिहासिक विरासत और उन महान बलिदानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय व समानता के मूल्यों को मजबूत किया।

भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए खड़गे ने आरोप लगाया, पिछले 11 साल में भाजपा सरकार ने कांग्रेस द्वारा बनाए गए संस्थानों को कमजोर किया है ह्व उन्होंने चेतावनी दी कि जल, जंगल और जमीन खतरे में हैं। खड़गे ने आरएसएस पर संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया, यह दावा करते हुए कि उसके नेताओं ने एक बार तिरंगे और वंदे मातरम को मानने से इनकार कर दिया था।

खड़गे ने इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पार्टी कार्यकताओं का आह्वान किया। साथ ही विरोधियों को सभ्य और गरिमापूर्ण तरीके से जवाब देने का आग्रह किया। उन्होंने महात्मा गांधी के इस विश्वास का हवाला देते हुए कहा कि लोकप्रिय समर्थन के बिना भी सच की आखिरकार जीत होती है।

भारत के लिए 2025 गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। उन्होंने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया है और इसने दुनिया को दिखाया है कि देश अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करता है।

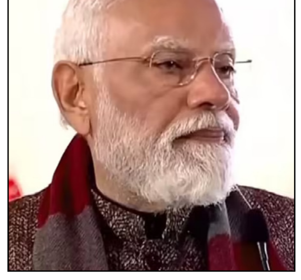

मोदी ने अपने मासिक ह्यमन की बात' संबोधन में कहा कि कुछ ही दिनों में साल 2026 दस्तक देने वाला है और इस गुजरते साल में देश का प्रभाव हर जगह दिखाई दिया। प्रधानमंत्री का इस बार का 'मन की बात' कार्यक्रम 2025 का आखिरी संबोधन था।

उन्होंने कहा, ह्यह्य2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ। देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक। भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। इस साल ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आई। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किये।

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में छह और सात मई की दरम्यानी रात को ह्यऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकी ढांचे पर सटीक हमले किए थे। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सैन्य टकराव समाप्त करने को लेकर एक सहमति बनी थी।

मोदी ने कहा कि यही जज्बा तब भी देखने को मिला, जब ह्यवंदे मातरम्ह्न के 150 वर्ष पूरे हुए। उन्होंने कहा, मैंने आपसे आग्रह किया था कि ह्यहैशटैग वंदे मातरम् 150 के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। देशवासियों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 खेल के लिहाज से भी एक यादगार साल रहा। हमारी पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) चैंपियंस ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत की बेटियों ने महिला दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने कहा कि एशिया कप टी20 में भी तिरंगा शान से लहराया। उन्होंने कहा कि पैरा एथलीट ने विश्व चैंपियनशिप में कई पदक जीतकर ये साबित किया कि कोई बाधा हौंसलों को नहीं रोक सकती। मोदी ने कहा कि विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी भारत ने बड़ी छलांग लगाई और शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय बने, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति। उन्होंने कहा, ह्यह्यविज्ञान के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां, नए-नए नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी का विस्तार इनसे दुनियाभर के देश बहुत प्रभावित हैं।

नौसैनिक पनडुब्बी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ऐतिहासिक यात्रा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को भारतीय नौसेना की स्वदेशी रूप से निर्मित कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर सवार हुईं। भारत की सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर पहुंची थीं। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा भारतीय नौसेना की क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के रक्षा निर्माण कार्यक्रम का सशक्त प्रतीक मानी जा रही है।

इस विशेष अभियान में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी मौजूद रहे। पनडुब्बी पर उच्च नौसैनिक अधिकारियों और पनडुब्बी के कमांडिंग ऑफिसर ने राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू को नौसेना की इस पनडुब्बी की परिचालन क्षमता, स्टील्थ फीचर्स व हथियार प्रणालियों से अवगत कराया गया। साथ ही, उन्हें भारतीय नौसेना के अंडरवॉटर वॉरफेयर नेटवर्क के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। यह सॉर्टी कई मायनों में ऐतिहासिक है।

यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कलवरी क्लास की पनडुब्बी पर यह पहला दौरा था। भारतीय इतिहास में ऐसा करने वाली वह दूसरी राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने एक पनडुब्बी पर सॉर्टी की थी। भारतीय नौसेना के इतिहास में वह एक विशेष क्षण माना जाता है।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक कारवार स्थित आईएनएस वाघशीर और अन्य नौसैनिक प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रपति की यह यात्रा न केवल नौसेना के मनोबल को बढ़ाने वाली है, बल्कि यह दशार्ती है कि देश की सर्वोच्च नेतृत्व व्यवस्था सैन्य तैयारियों का प्रत्यक्ष अनुभव और मूल्यांकन करने में कितना सक्रिय है। राष्ट्रपति मुर्मू को समुद्र में तैनाती के दौरान पनडुब्बी कर्मियों की चुनौतियों, उनके प्रशिक्षण और मिशन प्रोफाइल के बारे में भी जानकारी दी गई। स्वदेशी डिजाइन और निर्माण वाली कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां भारतीय नौसेना की अंडरवॉटर क्षमता का मजबूत स्तंभ हैं। आईएनएस वाघशीर, प्रोजेक्ट 75 के तहत निर्मित, अत्याधुनिक सेंसर, हथियारों और ध्वनि-रहित संचालन क्षमता से लैस है, जो इसे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति का एक महत्वपूर्ण साधन बनाता है। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा पश्चिमी समुद्री तट पर नौसेना के परिचालन क्षेत्रों के व्यापक मूल्यांकन का हिस्सा मानी जा रही है। रक्षा विशेषज्ञों ने इसे नौसेना के लिए प्रेरणादायक क्षण बताया, जो सैन्य बलों के प्रति राष्ट्रीय नेतृत्व के समर्थन और संवेदनशीलता को दशार्ता है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीते दिनों भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरी थी। लड़ाकू विमान में उड़ान भरने के बाद अब उन्होंने पनडुब्बी की यात्रा की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरी थी।

उन्नाव पीड़िता के समर्थकों और सेंगर का समर्थन करने वालों के बीच झड़प

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले की पीड़िता का समर्थन करने वाले लोग और दोषी कुलदीप सिंह सेंगर का समर्थन करने वाले 'पुरुष आयोग एनजीओ' के सदस्यों के बीच झड़प हो गई।

उन्नाव बलात्कार मामले की पीड़िता का समर्थन करने वाले लोग दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ जंतर-मंतर के बाहर आज विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जिसमें दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर दी गई थी। इस बीच सेंगर का समर्थन करने वाले 'पुरुष आयोग एनजीओ' के सदस्यों के बीच झड़प हो गई।

झड़प के बाद महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सिर्फ एक महिला सामने आई है। मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप से ठीक नहीं है। उसे दवा की जरूरत है। वह पहली और आखिरी महिला होगी जो सेंगर का समर्थन कर रही हैं।

दिल्ली/एनसीआर में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' के करीब

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रविवार को हवा की गुणवत्ता एक बार फिर खराब हो गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दैनिक राष्ट्रीय बुलेटिन के अनुसार ग्रेटर नोएडा, नोएडा और गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता का स्तर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि दिल्ली की गुणवत्ता इसी श्रेणी के करीब रही।

ग्रेटर नोएडा देश का सबसे प्रभावित शहर रहा जहाँ वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 434 दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले 395 था। नोएडा और गाजियाबाद में भी वायु गुणवत्ता 'गंभीर' रही और यहाँ एक्यूआई 414 दर्ज किया गया, जो शनिवार की तुलना में थोड़ा अधिक है।

इस बीच दिल्ली में एक्यूआई 390 दर्ज किया गया, जो सुबह के 385 के स्तर से थोड़ा अधिक है। यह 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है और 'गंभीर' श्रेणी में पहुँचने के करीब है। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार 51 से 100 के बीच एक्यूआई को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 400 से ऊपर के स्तर को 'गंभीर' माना जाता है।

मौसम विभाग ने सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने दिल्ली में सुबह के समय कुछ स्थानों पर घने से बहुत घने कोहरे और अधिकांश स्थानों पर मध्यम कोहरे की चेतावनी दी है। वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) के पूवार्नुमान के अनुसार राजधानी की वायु गुणवत्ता सोमवार से बुधवार तक 'बहुत खराब' श्रेणी में रहने की संभावना है और गुरुवार से इसके 'बहुत खराब' और 'गंभीर' के बीच रहने के आसार हैं। फिलहाल ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत प्रतिबंधों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रथम से तृतीय चरण के प्रतिबंध लागू रहेंगे। पिछले बुधवार को तेज हवाओं के कारण वायु गुणवत्ता में सुधार होने पर चौथे चरण के प्रतिबंध हटा दिए गए थे।

राष्ट्रीय राजधानी में ठंड का प्रकोप भी जारी रहा। यहाँ न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के करीब 22.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

कोहरे का कहर: वंदे भारत-दरभंगा हमसफर सहित 60 से ज्यादा ट्रेनों के पहिए थमे

नई दिल्ली। सर्दी और कोहरे से लगभग पूरा उत्तर भारत परेशान है। खासकर कोहरे के कहर ने जहां जनजीवन प्रभावित किया है वहीं ट्रेनों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। कोहरे के कारण रविवार को भी रेल यात्रियों की परेशानी बनी रही। दिल्ली आने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, हमसफर सहित लंबी दूरी की 60 से अधिक ट्रेनें दो से 13 घंटे के विलंब से चल रही हैं। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस 13.15 घंटे की देरी से चल रही है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में जाने वाली कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा है। लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे की देरी से चल रही हैं। देरी से चल रही प्रमुख ट्रेनें नई दिल्ली-सोगरिया (कोटा) सुपरफास्ट एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष, नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-गया महाबोधि एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ गोमती एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-हुबली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-पुरी नीलांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी सीमांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस।

अमित शाह ने भारतीय चिकित्सा संघ के शताब्दी सम्मेलन में चिकित्सकों की भूमिका को बताया निर्णायक

स्वास्थ्य को रोग से कुशलक्षेम की ओर ले जाने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद में भारतीय चिकित्सा संघ के 100वें राष्ट्रीय सम्मेलन भारतीय चिकित्सा संघ राष्ट्रीय सम्मेलन में मोदी सरकार की विकसित भारत के लिए मजबूत स्वास्थ्य पारितंत्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि इसमें चिकित्सकों की भूमिका निर्णायक होगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, शाह ने भारतीय चिकित्सा संघ की 100वीं वर्षगांठ पर सेवा, विज्ञान और सहयोग की एक शताब्दी थीम पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय चिकित्सा संघ की शताब्दी यात्रा को सेवा और समर्पण का प्रमाण बताते हुए चिकित्सा नैतिकता को नए युग की आवश्यकताओं के अनुसार पुनर्परिभाषित करने के लिए एक समिति गठित करने का आह्वान किया। साल 100 वर्ष पुराने नैतिक मानक आज की आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त नहीं हैं और इन्हें समयानुकूल बनाना आवश्यक है। नैतिकता कानून से नहीं थोपी जा सकती, लेकिन इसे चिकित्सा शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाना भारतीय चिकित्सा संघ की जिम्मेदारी है।

गृह मंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र का ध्यान रोग के उपचार से कुशलक्षेम की ओर ले जाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय चिकित्सा संघ से अनुसंधान, दूरचिकित्सा और स्वास्थ्य अवसंरचना मजबूती में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सकों की निस्वार्थ सेवा को सराहते हुए शाह ने कहा कि उस दौर में एक भी चिकित्सक कर्तव्य से पीछे नहीं हटा और निजी प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सकों ने भी सरकारी निर्देशों का पूरी तरह पालन किया। इसे उन्होंने देश की सबसे बड़ी मानव पूंजी बताया।

अमित शाह ने 2014 से 2025 तक मोदी सरकार की स्वास्थ्य संबंधी पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत मिशन, फिट इंडिया, खेलो इंडिया, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, आयुष्मान भारत और मिशन इंद्रधनुष जैसी योजनाओं ने देश के स्वास्थ्य परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। आयुष्मान भारत से गरीबों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त उपचार मिल रहा है। वस्तु एवं सेवा कर हटने से स्वास्थ्य बीमा सस्ता हुआ है। 1.81 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर और स्वास्थ्य केंद्रों से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नेटवर्क मजबूत करने में 1.65 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। चिकित्सा सीटें 51 हजार से बढ़कर 1 लाख 30 हजार हो गई हैं। शीघ्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को दूरचिकित्सा से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से जोड़ा जाएगा।

रोग नियंत्रण में भारत की प्रगति पर शाह ने कहा कि मलेरिया में 97 प्रतिशत गिरावट, काला-आजार में 90 प्रतिशत से अधिक सुधार, डेंगू मृत्यु दर 1 प्रतिशत, मातृ मृत्यु दर में 25 प्रतिशत कमी, संस्थागत प्रसव में 20 प्रतिशत वृद्धि और शिशु मृत्यु दर में लगभग 50 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने इन उपलब्धियों को जमीनी क्रियान्वयन का परिणाम बताया।

सम्मेलन में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित 27 राज्यों से 5000 से अधिक भारतीय चिकित्सा संघ प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ह्न नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

संक्षिप्त खबरें

पोषण ट्रैकर एप के नवीन सुविधाओं से कराया अवगत

रुद्रपुर। विकास भवन सभागार में एक दिवसीय पोषण ट्रैकर एप प्रशिक्षण बुधवार को संपन्न हो गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी व्योमा जैन की अध्यक्षता और बाल विकास परियोजना अधिकारी मोहिन बिष्ट के निर्देशन में काशीपुर में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकताओं को पोषण ट्रैकर एप के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण सत्र में जिले से राष्ट्रीय पोषण मिशन से जिला समन्वयक पारुल शाह और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से अंकित कुमार ने एप के उपयोगी बिंदुओं के बारे में बताया। परियोजना से ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मनीष कुमार ने एप की नवीन सुविधाओं, लाभार्थी पंजीकरण, डेटा प्रविष्टि, रिपोर्टिंग, मॉनिटरिंग और एप के सही उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी।

मजदूर के बेटे का अग्निवीर के लिए चयन, घर में खुशी का माहौल

दिनेशपुर। गांव खटोला नंबर दो निवासी एक मजदूर परिवार के बेटे शिवम मंडल का सेना में बतौर अग्निवीर चयन हुआ है। इससे साधारण और निर्धन परिवार में खुखुशी का माहौल है। बताया कि शिवम के पिता भागनाथ मंडल मजदूर और मां ऊषा मंडल गृहिणी हैं। तीन भाइयों में शिवम बड़ा है। नगर के राजकीय इंटर कॉलेज में कक्षा नौ की पढ़ाई के दौरान उसने एनसीसी की ट्रेनिंग ली। मां के प्रोत्साहन से उसने देश सेवा में जाने की तैयारी शुरू कर दी। सितंबर में उसने रानीखेत में ट्रायल दिया। 20 दिसंबर को उसे हैदराबाद के आर्टिलरी में छह माह की ट्रेनिंग ज्वाइन करने का लेटर मिला। वह 28 को हैदराबाद के लिए रवाना होगा। शिवम ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, प्रधानाचार्य शिवशंकर लाल को दिया है।

शहर के चार एसटीपी प्लांट ने गंदे पानी का ट्रीटमेंट किया शुरू

काशीपुर। नगर निगम क्षेत्र में चार नालों पर बनाए गए एसटीपी प्लांट ने अपना काम शुरू कर दिया है। एसटीपी प्लांट से नाले के गंदे पानी को ट्रीटमेंट करके साफ पानी को आगे निकासी की जा रही है। नगर निगम के सफाई निरीक्षण मनोज बिष्ट ने बताया कि अल्ली खां में 10 एमएलडी, कविनगर में 18 एमएलडी, हेमपुर इस्माइल में 2 एमएलडी व देवलोक कॉलोनी जसपुर खुर्द में 2 एमएलडी के प्लांट ने अपना काम शुरू कर दिया है। आरके इंजीनियर्स संस्था सभी एमएलडी प्लांट की देखरेख व संचालन कर रही है। उन्होंने बताया कि फीकल स्लज (सीवर-गाड़ी) सितंबर में 26 ,अक्तूबर में 6, नवंबर में 27 और दिसंबर में नौ वाहन सीवर गाड़ी लाकर ट्रीटमेंट करा चुके हैं। बिष्ट ने बताया कि अल्ली खां में 10 एमएलडी प्लांट में गेबिया नाले का पानी का ट्रीटमेंट किया जा रहा है और फिर ट्रीटमेंट के बाद पानी को ढेला नदी में छोड़ा जा रहा है। कवि नगर स्थित 18 एमलडी प्लांट में लक्ष्मीपुर माइनल नाले व कलश मंडप नाले-नालियों के गंदे का पानी का ट्रीटमेंट करके छोड़ा जा रहा है। हेमपुर इस्माइल में बने दो एमएलडी प्लांट में हेमपुर इस्माइल क्षेत्र के नाले-नालियों के पानी की ट्रीटमेंट किया जा रहा है जबकि बीती जुलाई महीने में देवलोक कॉलोनी जसपुर में स्थापित 2 एमएलडी प्लांट में जसपुर खुर्द क्षेत्र की नालियों के पानी की ट्रीटमेंट किया जा रहा है। वर्तमान में 650 मीट्रिक-क्यूविक वाटर का ट्रीटमेंट हो रहा है।

आरोप लगाने वाली उर्मिला की कुंडली खंगालेगी दून पुलिस, ब्लैकमेलिंग के आरोपों की भी होगी जांच

देहरादून : पूर्व विधायक सुरेश राठौर को अपना पति बताने वाली उर्मिला सनावर पर अंकिता भंडारी हत्याकांड की आड़ में ब्लैकमेलिंग और अश्लीलता परोसने के आरोपों की दून पुलिस ने गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार इस मामले में सोशल मीडिया पर आम लोगों को भड़काने, एआई के आपराधिक इस्तेमाल और ब्लैकमेलिंग जैसे संगीन आरोप लग रहे हैं, इसलिए हर पहलू की जांच जरूरी है।

एसएसपी अजय सिंह

एसएसपी अजय सिंह ने जांच अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उर्मिला के सभी पिछले सोशल मीडिया वीडियो और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों की बारीकी से जांच की जाए।

सभी संबंधित पक्षों से पूछताछ के बाद जल्द ही अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। नेहरू कॉलोनी पुलिस की ओर से इस मामले में सहारनपुर पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है, जहां उर्मिला पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ ने पहले से एक मुकदमा दर्ज कराया हुआ है।

आरती ने बुधवार को नेहरू कॉलोनी थाने में दर्ज दूसरे मुकदमे में कहा है कि उर्मिला पिछले मुकदमे की वजह से उनके खिलाफ अनाप-शनाप वीडियो बना रही है। आरोप है कि उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी जा रही है। उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रयास किया जा रहा है।

वायरल ऑडियो-वीडियो को जांच के लिए एफएसएल लैब भेजेगी पुलिस : सोशल मीडिया पर अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले को लेकर वायरल ऑडियो-वीडियो के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। वायरल वीडियो-ऑडियो को भी जांच में शामिल करते हुए एफएसएल लैब भेजने की भी तैयारी शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा का कहना है कि जांच चल रही है। ऑडियो-वीडियो की भी जांच कराई जाएगी।

शेयर मार्केट ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर गंवाए 25 लाख रुपये

रुद्रपुर। पुलभट्टा थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने शेयर मार्केट ट्रेडिंग में निवेश के नाम 25 लाख रुपये गंवा दिए। घेरा फार्म शहदौरा थाना पुलभट्टा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि बीते 27 सितंबर को फेसबुक पर उन्हें एक महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई जिसे उसने स्वीकार कर लिया। इसके बाद फेसबुक मैसेंजर और व्हाट्सएप पर बातचीत होने लगी। महिला ने खुद को दिल्ली के साकेत क्षेत्र की निवासी बताया और कहा कि वह ट्रेडिंग कंपनी से जुड़ी है। शेयर मार्केट ट्रेडिंग में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। बताया कि महिला के झांसे में आकर उसने कथित वेबसाइट पर निवेश शुरू किया। व्हाट्सएप के जरिए भेजे गए लिंक के माध्यम से पीड़ित का अकाउंट बनाया गया जिसमें भारी मुनाफा दिखाया जाता रहा। विश्वास दिलाने के लिए पीड़ित के खाते में करीब 22 हजार रुपये लाभांस के रूप में वापस किए। भरोसा बढ़ने पर उसने अपने बैंक खाते से अलग-अलग तारीखों पर यूपीआई के माध्यम से रकम ट्रांसफर कर दी। उसने 25 लाख रुपये तक निवेश कर दिया। वेबसाइट पर पीड़ित के अकाउंट में करोड़ों का मुनाफा दिखाया गया लेकिन जब उसने रकम निकालने का प्रयास किया तो बार-बार विड्रॉल फेल होता रहा।

पूस की रात बेबस बूढ़े बाप को बिना बिस्तर बरामदे में छोड़ा

रुद्रपुर। पूस की रात में इंसानियत का सीना चीरती बुजुर्ग की वेदना ने लोगों की आंखों में आंसू ला दिए। वसुंधरा कॉलोनी में एक घर की चहारदीवारी बेबस बूढ़े बाप के लिए छोटी पड़ गई। उम्र के इस पड़ाव पर बरामदे में बिना बिस्तर पड़े हुए उनकी कांपती आवाज रिश्तों की गर्माहट बेअसर होने की गवाही देती रही। पूस की रात के सन्नाटे में सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो सामने आए तो शहर बेचैन हो उठा। रात करीब 11 बजे नगर निगम के मेयर विकास शर्मा और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घर के बाहर गैलरी में पड़ी चारपाई पर एक बुजुर्ग लेटे थे। हवा से बचाने के नाम पर एक पतली चादर लटकी थी जो लगभग 10 डिग्री तापमान में सर्द हवाओं को रोकने में नाकाम साबित हो रही थी। बुजुर्ग ठिठुर रहे थे, जैसे शब्द उनके होंठों पर ही जम गए हों। बेबसी और बेचैनी इस कदर थी कि चारपाई के नीचे ही उन्होंने लघुशंका कर रखी थी। ऐसे दृश्य ने वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम कर दीं। मेयर और पुलिस ने जब परिवार के मुखिया यानी बुजुर्ग के पुत्र से सवाल किए तो माहौल भारी और तल्ख हो गया। कड़कड़ाती ठंड में पिता को घर से बाहर छोड़ देने पर सबने नाराजगी जताई गई।

बेबसी और बेचैनी इस कदर थी कि चारपाई के नीचे ही उन्होंने लघुशंका कर रखी थी। ऐसे दृश्य ने वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम कर दीं। मेयर और पुलिस ने जब परिवार के मुखिया यानी बुजुर्ग के पुत्र से सवाल किए तो माहौल भारी और तल्ख हो गया।

ट्रेन से कटकर प्रेमिका ने दी जान, 100 मीटर दूर पेड़ से लटका मिला प्रेमी का शव

गोंडा जिले में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। गोंडाझलखनऊ रेल मार्ग पर पिपरी गांव के पास एक युवती ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली जबकि करीब 100 मीटर की दूरी पर उसके प्रेमी का शव पेड़ से फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान लक्ष्मी मौर्य (20) निवासी गुलरिहा थाना विशेश्वरगंज, जनपद बहराइच के रूप में हुई है। वहीं मृतक नीरज मौर्य (25) निवासी बखरिया झाला थाना कौड़िया बताया गया है। पुलिस के मुताबिक 21 दिसंबर को लक्ष्मी के घर से चले जाने के बाद परिजनों की तहरीर पर विशेश्वरगंज थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। 24 दिसंबर को बहराइच में मजिस्ट्रेट के समक्ष लक्ष्मी का बयान दर्ज हुआ था, जिसमें उसने स्वयं को बालिग बताते हुए नीरज के साथ रहने की बात कही थी। बृहस्पतिवार शाम को रेलवे कर्मचारियों ने पिपरी गांव के पास ट्रैक पर एक युवती का शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को ट्रैक पर लक्ष्मी का शव मिला। जांच के दौरान करीब 100 मीटर दूर एक पेड़ से नीरज का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया। युवक के जूतों में खून के निशान भी मिले हैं।

कुल्हाड़ी से 26 वार कर पति को मार डाला : घटनास्थल पर टूटा बेलन, खून से सना सिलबट्टा दे रहे थे बर्बरता की गवाही

कानपुर : यूपी के कानपुर से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां बिठूर थानाक्षेत्र के टिकरा गांव में रात में हुए झगड़े में पत्नी वीरांगना ने पति रविशंकर सविता उर्फ पप्पू की कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार करके जान ले ली। पप्पू की हत्या के बाद घर में फैला जगह-जगह खून देख पुलिसकर्मी भी दंग रह गए। फॉरेंसिक टीम को छानबीन के दौरान खून से सना एक सिलबट्टा और टूटा हुआ बेलन मिला है। मौके से कुल्हाड़ी नहीं मिल सकी है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, वारदात के वक्त चार साल का बेटा जैन घर में था।

बिठूर थानाक्षेत्र के टिकरा गांव में बुधवार रात करीब 12 बजे शराब के नशे में पति-पत्नी में विवाद हो गया। पत्न ीवीरांगना ने पति रविशंकर सविता उर्फ पप्पू (45) को कुल्हाड़ी से 26 वार कर मार डाला। पुलिस ने पत्नी को हिरासत में ले लिया है।

छोटे भाइयों संतोष और जीतू ने बताया कि रविशंकर टाइल्स, पत्थर लगाने का काम करता था। साल 2019 में उसकी बांदा के तिंदवारी निवासी वीरांगना से शादी हुई थी। उनके चार साल का बेटा जैन (4) है। मां बिटौला व पिता हरीशंकर संग रहते हैं। वह करीब एक किलोमीटर दूर पांच साल से पत्नी और बच्चे के साथ अलग रहता था। पप्पू और वीरांगना दोनों शराब पीते थे।

इस कारण आए दिन दोनों में विवाद होता था। आरोप है कि वीरांगना रात आठ बजे पनकी निवासी अपनी बहनों के घर से शराब पीकर आई और पप्पू भी काम से घर लौटा। देर रात दोनों में मारपीट होने लगी। पत्नी ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ सिर, चेहरे, हाथ, गर्दन में कई वार किए। छीनाझपटी में महिला के सिर पर भी चोट लग गई। खून से लथपथ रविशंकर फर्श पर गिर गया। इसके बाद वीरांगना ने फोन कर पति के एक्सीडेंट में घायल होने की झूठी सूचना दी। वह लोग मौके पर पहुंचे तो वीरांगना घर में फैला खून साफ कर रही थी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए। पुलिस रविशंकर को हैलट ले जाने लगी तो वीरांगना ने विरोध किया। काफी जद्दोजहद के बाद रविशंकर को हैलट लेकर पहुंचे। वहां इलाज के दौरान सुबह चार बजे मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम में शरीर पर 26 वार मिले हैं। अत्यधिक रक्तस्त्राव के बाद कोमा में जाने से मौत हुई है। बिठूर थानाप्रभारी प्रेमनारायण विश्वकर्मा ने बताया परिजनों के अनुसार शराब पीने के बाद दोनों में विवाद होता था। पत्नी ने ही पति की हत्या की है।

यूपी पुलिस के सिपाहियों की जमानत खारिज...सेक्सटॉर्शन गैंग में हैं शामिल, युवती के साथ मिली मोबाइल चैट

आगरा : आगरा के थाना कमलानगर में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार प्रशांत पाठक ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि वह 6 सितंबर को हाथरस गए थे। उस दिन उनके फोन पर अनजान नंबर से मिसकॉल आई। उन्होंने कॉल किया तो लड़की बोली। उसने अपना नाम सौम्या बताया था।

उसने मीठी-मीठी बात करके अपने जाल में फंसा लिया। अगले दिन वह आगरा आए तो लड़की का कॉल आया। वह उनसे मिलने कमलानगर आ गई और उनकी गाड़ी में बैठ गई। कहा कि आप बहुत अच्छे आदमी हो। कहीं घूमने चलते हैं, तुमने खाना भी नहीं खाया होगा। बहाने से एक होटल पर लेकर गई। वहां पहले खाना खिलाया। उसके बात कोलड्रिंक पिलाई। उसे पीने के बाद वह अर्ध बेहोशी की हालत में हो गए। होश आने पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने की धमकी दी। इसके बाद वह आरोपियों के साथ मिलकर ब्लैकमेल कर 20 लाख रुपयों की मांग करने लगी। बाद में 4 लाख रुपयों में मान गए, वो भी नहीं दिए। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर थाना कमला नगर में प्राथमिक की दर्ज कराई।

एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर 51.0 लाख की ठगी

इंदिरापुरम। एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर वसुंधरा सेक्टर-10 में रहने वाले व्यक्ति से करीब 51.50 लाख रुपये की ठगी हुई है। मामले की शिकायत पीड़ित ने इंदिरापुरम थाना पुलिस से की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टूल्स बनाने की फैक्टरी चलाने वाले लक्ष्मीकांत पाराशर ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि प्रॉपर्टी डीलर नवीन शर्मा का कार्यालय वसुंधरा सेक्टर 16 में हैं। उनका बेटा एमबीबीएस में दाखिल लेना चाहता था। वह लगातार एमबीबीएस में दाखिला दिलाने की कोशिश कर रहे थे। इस बारे में नवीन को भी पता था। नवीन ने करीब पांच माह पहले उन्हें संतोष सिंह, अतुल सिंह और शिवकुमार सिंह से मिलवाया। तीनों ने कहा कि वह मैनेजमेंट कोटे से निजी कॉलेज में एडमिशन दिला देंगे। इसके लिए आरोपियों ने उनसे पांच बार में 46.50 लाख रुपये नकद लिया। पीड़ित ने अपने मित्र सुभाष गुप्ता से भी पांच लाख रुपये आरोपियों के खाते में भिजवाए। रुपये लेने के बाद चारों बहाने बना रहे हैं और आज तक बेटे के दाखिले के बारे में कोई जवाब नहीं दिया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

नशे की लत और मौत का रिश्ता : जिले में ओरल कैंसर बना साइलेंट किलर

रुद्रपुर। अप्रैल 2024 से अब तक जिले में सामने आए ओरल कैंसर के आंकड़ों ने स्वास्थ्य विभाग के साथ आमजन की चिंता बढ़ा दी है। बीते 21 महीनों में जिले में कुल 2,26,674 लोगों की जांच की गईं जिनमें से 1364 मरीज ओरल कैंसर से पीड़ित पाए गए। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि जिले में तेजी से फैल रही इस गंभीर और जानलेवा बीमारी की भयावह तस्वीर भी पेश करता है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित जांच के दौरान यह खुलासा हुआ। इसमें पाया गया कि ओरल कैंसर से पीड़ित अधिकांश मरीज तंबाकू, गुटखा, खैनी, बीड़ी-सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थों का लंबे समय से सेवन कर रहे थे। विशेषज्ञों का कहना है कि यही आदतें ओरल कैंसर की सबसे बड़ी वजह बन रही हैं। संवाद

मुंह में छाले और लाल धब्बे जैसे मामूली लक्षणों से होती है ओरल कैंसर की शुरूआत

राजकीय मेडिकल कॉलेज में जनरल सर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ. केएस शाही के मुताबिक ओरल कैंसर की शुरूआत अक्सर मामूली लक्षणों से होती है। मुंह में छाले, सफेद या लाल धब्बे, लंबे समय तक घाव का न भरना, बोलने या मुंह खोलने में परेशानी जैसे लक्षण शुरूआत में नजर आते हैं। दुर्भाग्य से

लोगइन्हें सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। नतीजा यह होता है कि मरीज तब अस्पताल पहुंचता है, जब कैंसर गंभीर अवस्था में पहुंच चुका होता है। लिहाजा लोगों को किसी तरह के नशीले पदार्थ के सेवन से परहेज करना चहिए। कहना है कि इन आंकड़ों के अनुसार जिले में लगभग हर 166वां व्यक्ति इस बीमारी की चपेट में है। यह अनुपात जिले के लिए एक बड़ी चेतावनी है। समय रहते जांच और इलाज हो जाए तो ओरल कैंसर से बचाव संभव है।

- स्कूल के सौ मीटर के दायरे में ही शराब का ठेका, ये कैसा तंबाकू निषेध अभियान

स्वास्थ्य विभाग की ओर से तंबाकू निषेध अभियान, जागरूकता कार्यक्रम और स्क्रीनिंग कैंप तो लगाए जा रहे हैं लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर सीमित नजर आता है। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास अब भी तंबाकू उत्पाद खुलेआम बिक रहे हैं। नियमों के बावजूद न तो बिक्री पर रोक लग पा रही है और न ही उपभोक्ताओं में डर पैदा हो रहा है। शहर के एएन झा इंटर कॉलेज के ठीक सामने तंबाकू, सिगरेट आदि नशीले पदार्थों की खुलेआम बिक्री हो रही है। एसबीएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पास भी महज 100 मीटर के दायरे में ही दो शराब की दुकानें संचालित हैं।

खटीमा में सर्वाधिक ओरल कैंसर की चपेट में मरीज, ब्लॉक मरीजों की जांच जांच के बाद रेफर मरीज, बाजपुर 19,424 322. गदरपुर 35,876 23, सपुर 27,998 60

काशीपुर 39,268 37, खटीमा 43,159 797, किच्छा 39,154 16, सितारगंज 21,795 50, शहरी क्षेत्र 39,022 59.

बजरंग दल के कार्यकताओं ने जुलूस निकालकर बांग्लादेश का फूंका पुतला

मोदीनगर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में बजरंग दल के कार्यकताओं ने बृहस्पतिवार को नगर में जुलूस निकालकर बांग्लादेश और कट्टरपंथियों का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले में हस्तक्षेप करते हुए बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत बुलाने की मांग की। बजरंग दल के नगर संयोजक मधुर नेहरा, निशांत त्यागी और शुभम शर्मा के साथ बृहस्पतिवार दोपहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बस स्टैंड पर एकत्रित हुए। यहां से वह तलवार और भगवा ध्वज लेकर बांग्लादेश के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में राज चौपला स्थित शहीद स्थल पहुंचे। आक्रोशित कार्यकताओं ने यहां बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर कड़ी नाराजगी जाहिर कर प्रदर्शन किया और बांग्लादेश व कट्टरपंथियों का पुतला फूंका। मधुर नेहरा ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समाज पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। मंदिरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है तथा महिलाओं और बच्चों तक को निशाना बनाया जा रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने इसे गंभीर बताते हुए केंद्र सरकार से मांग की कि वह बांग्लादेश सरकार से कूटनीतिक स्तर पर वार्ता कर वहां रह रहे हिंदू समाज की सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि यदि स्थिति में शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो संगठन देशव्यापी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर अजय शर्मा, ललित शर्मा, शिवा चौधरी, आकाश अरोड़ा, राजेश, बंटी, शुभम शर्मा, अमरदीप, विनीत, मनीष, लीलू प्रधान, गौरव, अभिषेक, तरुण, नितीश, निकुंज आदि समेत कई मौजूद रहे।

देनी थी सरकारी जमीन, दे दी नजूल भूमि

रुद्रपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय की जमीन का मामला सरकारी कामकाज के ढर्रे का जीता-जागता उदाहरण है। जमीन आवंटन के 39 वर्ष बाद भी विद्यालय के नाम जमीन दर्ज नहीं हुई है। वर्ष 1986 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर केंद्र सरकार ने रुद्रपुर में जवाहर नवोदय विद्यालय को मंजूरी दी। केंद्रीय उपक्रमों के लिए राज्य सरकार को निशुल्क जमीन उपलब्ध करानी होती है। यह संस्थान मंजूरी की पहली शर्त होती है। सरकारी जमीन या अन्य नाप जमीन की अनुपलब्धता कहें या प्रशासनिक उदासीनता। विद्यालय के लिए काशीपुर हाईवे किनारे 19 एकड़ नजूल भूमि आवंटित कर दी गई। इस भूमि में विद्यालय के भवन बन गए। विद्यालय संचालित हो गया। वर्ष 1995 में प्रख्यात स्वाधीनता सेनानी सरदार ऊधम सिंह के नाम से सरकार ने अलग जिले का गठन कर दिया, लेकिन उसके बाद भी जवाहर नवोदय विद्यालय की जमीन का मसला नहीं सुलझा। वर्ष 2000 में यूपी से अलग होकर पृथक राज्य बन गया। राज्य बनने के 25 साल बाद भी जवाहर नवोदय विद्यालय भूमि के स्वामित्व की बाट जोह रहा है। प्रशासनिक अमला भूमि हस्तांतरण के मामला सुलझाने के दावे करता रहा है। प्रदेश सरकार को इस संबंध में प्रस्ताव भेजने की बातें कही जाती रही हैं, लेकिन समस्या आज भी जस की तस है। संवाद केंद्रीय उपक्रम को निशुल्क भूमि का आवंटन करने का नियम, फ्री होल्ड का शुल्क भूमि हस्तांतरण की मुख्य बाधा माना जाता है। नजूल भूमि को विद्यालय के नाम फ्री होल्ड करने में निर्धारित शुल्क जमा करने का प्रावधान है। जमीन निशुल्क आवंटित करने के नियम के चलते जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन जमीन फ्री होल्ड करने का शुल्क अदा करने में सक्षम नहीं है।

कोहरे के चलते समय से नहीं पहुंच पा रहीं रोडवेज बसें

काशीपुर। घने कोहरे के चलते समय से रोडवेज बसें समय से अपने गंतव्य को नहीं पहुंच रही हैं। लंबी दूरी को जाने और आने वाली बसें दो से तीन घंटे देरी से डिपो को पहुंच रही हैं। ऐसे में यात्रियों को दिक्कत भी हो रही है। वहीं, घने कोहरे के चलते हादसों का खतरा बना रहता है। माह अंत में ठंड ने जोर पकड़ा है। कोहरे के साथ सर्द हवाएं और ठिठुरन बढ़ गई है। ऐसे में कोहरे की मार ने ट्रेनों, बसों की गति को धीमा कर दिया है। काशीपुर डिपो से दिल्ली, गुड़गांव, जयपुर, मुरादाबाद, बरेली, देहरादून और हरिद्वार के लिए बसों का संचालन होता है। डिपो से दिल्ली के लिए 16 से अधिक बसें संचालित होती हैं। कोहरे के कारण बसों की रफ्तार कम हो गई है। ऐसे में दिल्ली से आने वाली बसें दो से तीन घंटे देरी से पहुंच रही हैं। फोरमैन मोहम्मद यामीन ने बताया कि इन बसों में नए ऑटोमेटिक बल्ब लगाए गए हैं।

महाराजा शूर सैनी की विशाल शोभायात्रा धूमधाम से निकली

काशीपुर। सैनी समाज की ओर से महाराजा शूर सैनी की विशाल शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान जगह-जगह सामाजिक लोगों और व्यापारियों ने शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान शोभायात्रा में सैनी समाज के लोगों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से समाज की आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़ने की सीख के अलावा अपने पूर्वजों के बारे में जानकारी मिलती है। बृहस्पतिवार को शहर में महाराजा शूर सैनी की विशाल शोभायात्रा निकली। इस दौरान सैनी समाज के प्रेस प्रवक्ता राजेंद्र सैनी ने कहा कि महाराजा शूर सैनी समाज की अस्मिता, एकता और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक हैं। वह एक पराक्रमी योद्धा, न्यायप्रिय शासक और समाज के प्रेरणास्त्रोत थे। कार्यक्रम अनुसार शोभायात्रा किला बाजार से शुभारंभ होकर नगर की विभिन्न मोहल्ले से होते हुए मोहल्ला लक्ष्मीपुर पट्टी सैनी धर्मशाला में जाकर समाप्त हुई। इस मौके पर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, गोपाल सिंह सैनी, श्रुतिका सिंह सैनी, राजीव कुमार सैनी, आशीष गुप्ता, गुरविंदर सिंह चंडोक, भाजपा नेता खिलेंद्र सिंह चौधरी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भाई शमसुद्दीन आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज प्रधानमंत्री की 'मन की बात' के 129वें एपिसोड को स्थानीय नागरिकों के साथ शाहदरा के श्री श्याम बैंक्वेट हॉल में सुना। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संस्करण में वर्ष 2025 में देश की ऐतिहासिक उपलब्धियों, 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के गौरवशाली प्रसंगों को साझा कर हम सभी में नवीन ऊर्जा, आत्मविश्वास और राष्ट्रभाव का संचार किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 की इन प्रेरणादायी सिद्धियों से मार्गदर्शन प्राप्त कर देश अब पूर्ण प्रतिबद्धता और उत्साह के साथ नूतन वर्ष 2026 में प्रवेश हेतु तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम निरंतर सकारात्मक संवाद और राष्ट्रनिर्माण की भावना को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

सिरसा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह वर्ष 2025 का अंतिम मन की बात कार्यक्रम था, जिसमें प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्ष 2026 के लक्ष्यों, आकांक्षाओं और भारत के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अपने प्रेरणादायी विचार साझा किए। उन्होंने आज का कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को समर्पित रहा। प्रधानमंत्री ने आगामी राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' की जानकारी देते हुए युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप, फिटनेस और उद्यमशीलता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जुड़े रहते हुए आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया।

सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार, राष्ट्रनिर्माण के प्रति उनका सकारात्मक दृष्टिकोण और जन-जन से सीधा संवाद हम सभी को नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और संकल्प के भाव के साथ 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने हेतु हम सभी पूर्ण निष्ठा से प्रतिबद्ध हैं।

अजमेर शरीफ में 814वें ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती उर्स पर उमड़ी भारी भीड़, सुरक्षा कड़े किए गए

मोहम्मद नवाज खान

राजस्थान: अजमेर शरीफ में 814वें ख्वामतुल्लाह अलैह के 814वें उर्स के मौके पर अजमेर शरीफ दरगाह परिसर और आसपास के इलाकों में अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। उर्स के दौरान हजारों जायरीनों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा की और अमन-चैन की दुआ मांगी। नमाज के दौरान दरगाह परिसर, जन्नती दरवाजा, ईदगाह और आसपास के क्षेत्रों में दूर-दूर तक नमाज़ियों की कतारें नजर आईं। देश-विदेश से आए जायरीन पूरी अकीदत के साथ इबादत में मशगूल दिखे। उर्स के इस अहम मौके पर हर उम्र के लोगों ने शिरकत की।

भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा, सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की गई और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जायरीनों से सहयोग की अपील की। उर्स के दौरान शांति, सौहार्द और भाईचारे का माहौल देखने को मिला।

फ्रेंड्स कॉलोनी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में शामिल हुई मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज फ्रेंड्स कॉलोनी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ शामिल हुई।

मुख्यमंत्री ने फ्रेंड्स कॉलोनी इंडस्ट्रियल के शताब्दी वर्ष पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि संघर्ष, परिश्रम और उद्यमशीलता की 100 वर्षों की इस यात्रा ने राजधानी की औद्योगिक विरासत को एक विशिष्ट और सम्मानित पहचान दी है। यह क्षेत्र केवल उद्योग का केंद्र नहीं रहा, बल्कि रोजगार सृजन, इनोवेशन और आत्मनिर्भरता की मजबूत आधारशिला भी बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी मिलकर विकसित भारत और विकसित दिल्ली के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

मंत्री सिरसा ने एक्स पोस्ट में कहा कि उद्यमशीलता, परिश्रम और नवाचार की 100 वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा दिल्ली को केवल उद्योग का केंद्र ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त आधारशिला के रूप में भी स्थापित करती है। केंद्र एवं दिल्ली सरकार मिलकर ईज आफ डूइंग बिजनेस को और सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर उद्योग-अनुकूल कदम उठा रहे हैं, जिससे व्यवसाय को नई गति मिले और रोजगार के अधिक अवसर सृजित हों। इस अवसर पर एमएसएमई क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों को सम्मानित किया गया, जो राजधानी के औद्योगिक विकास की मजबूत नींव हैं। साथ ही कोविड काल में अपने अभिभावकों को खोने वाले बच्चों को लैपटॉप प्रदान कर एक संवेदनशील, मानवीय एवं प्रेरणादायी पहल भी की गई। सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार उद्योगों के विकास के साथ-साथ सामाजिक दायित्व और पर्यावरण संरक्षण को समान महत्व देते हुए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

रकम दुगना करने के लालच में 25 लाख हड़पने और धमकी देने का मामला, पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान लिया

रजनेश श्रीवास्तव

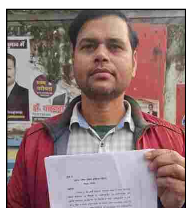

उत्तर प्रदेश: थाना बीसलपुर जिला पीलीभीत के निवासी अली शेर खान पुत्र नवी शेर खान मोहल्ला ग्यासपुर में थाना सीबीगंज के निवासी अजीजुद्दीन पुत्र शफी उद्दीन ग्राम घूंनसा पर रकम को दुगना करने का लालच देकर 25 लख रुपए हड़पने का आरोप लगाया है, आपको बता दें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पीलीभीत के एक निवासी ने प्रार्थना पत्र देते हुए हुए बताया कि थाना सीबीगंज निवासी अजीजुद्दीन ने उसको पैसे दोगुना करने का लालच देकर 25 लख रुपए हड़प लिए पीड़ित का आरोप है कि उसने अपनी पत्नी शहर बानो के खाते से 13 लाख 10600 फो पे के माध्यम से 1190000 नगद दिया परंतु कुछ समय बीत जाने के बाद भी पैसे का ना प्रॉफिट मिला और ना ही जमा पूंजी पीड़ित को ठगा महसूस होने के बाद अजीजुद्दीन के घर पैसे मांगने पहुंचा तो केवल प्रॉफिट के रूप में 68500 देकर वापस कर दिया है और बाकी रुपए मांगने पर जान गाली गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी भी दी गई पीड़ित ने बरेली पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर युवक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है वहीं पुलिस अधीक्षक अकमल खान द्वारा कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

सरकार की लापरवाही का दंश झेल रही है बुराड़ी : आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली, एजेंसी। बुराड़ी विधानसभा के निवासी लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी से जूझ रहे हैं। टूटी-फूटी सड़कें, लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम, खुदाई से उजड़ी गलियां, गंदे पानी की सप्लाई और सफाई के अभाव में जाम नालियां—इन समस्याओं ने क्षेत्रवासियों की रोजमर्रा की ज़िंदगी को बेहद मुश्किल बना दिया है। सड़कों पर फैला गंदा पानी जहां स्वास्थ्य जोखिम बढ़ा रहा है, वहीं जर्जर मेन रोड के कारण यातायात भी बुरी तरह प्रभावित है।

इन मुद्दों को लेकर करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर हस्तक्षेप और राहत की मांग की है। आदेश भारद्वाज ने कहा कि कभी शांत ग्रामीण इलाका रहा बुराड़ी तेजी से बढ़ती आबादी और अव्यवस्थित विकास के कारण बदहाल हो चुका है। बुराड़ी की 100 फुटा रोड पिछले सात वर्षों से टूटी पड़ी है और दिल्ली जल बोर्ड के कार्यों के चलते पिछले चार वर्षों में स्थिति और बिगड़ गई है। बारिश के मौसम में हालात और खराब हो जाते हैं, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जल बोर्ड और सीवर लाइन की खुदाई के बाद गलियों को ठीक नहीं किया गया, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। साथ ही, नलों से आने वाला पानी पीने लायक नहीं रहता। सफाई की कमी से नालियां ओवरफ्लो होकर सड़कों पर गंदा पानी फैला देती हैं, जिससे मच्छरों का प्रकोप और बीमारियों का डर बना रहता है। आदेश भारद्वाज ने बताया कि 2010 में तत्कालीन शहरी विकास मंत्री अजय माकन ने मास्टर प्लान के पी-2 जोन के तहत बुराड़ी में छह बड़े मार्गों—एक 100 मीटर, एक 80 मीटर और चार 40-40 मीटर चौड़े—के निर्माण के लिए जमीन चिन्हित की थी। सरकार बदलने के बाद यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इन मार्गों के निर्माण को हरी झंडी दे दे, तो न केवल बुराड़ी बल्कि पूर्वी दिल्ली को हरियाणा के सोनीपत से बेहतर ढंग से जोड़ा जा सकेगा।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर राजीव भवन में फहराया पार्टी ध्वज, जन-जन तक विचारधारा पहुंचाने का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में पार्टी का ध्वज फहराया। इस दौरान सेवादल के कार्यकताओं द्वारा वंदेमातरम् का सामूहिक गायन किया गया और पूरे परिसर में देशभक्ति व संगठनात्मक उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

इससे पूर्व देवेन्द्र यादव कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में पार्टी का ध्वज फहराया।

राजीव भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ पूर्व सांसद कृष्णा तीरथ, पूर्व मंत्री मंगतराम सिंघल, डॉ. नरेन्द्र नाथ, पूर्व विधायक राजेश लिलौठिया, विपिन शर्मा, प्रदेश कांग्रेस प्रशासनिक प्रभारी जतिन शर्मा, पर्यवेक्षक सी.पी. मित्तल, जगजीवन शर्मा, अधिवक्ता सुनील कुमार, लक्ष्मण रावत, शांति स्वरूप, डॉ. पी.के. मिश्रा, ईश्वर बागड़ी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह, सेवादल के मुख्य संगठक सुनील कुमार, निगम पार्षद हाजी जरीफ सहित अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा, मार्गदर्शन और नीतिगत दिशा पर चलते हुए जन-जन तक पहुंच बनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल इसी मार्ग से समाज के सभी वर्गों को सामाजिक न्याय, समानता और उनके अधिकार दिलाए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान समय में देश का वातावरण जिस तरह बिगड़ता जा रहा है, उसमें महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही राष्ट्र को विकास और प्रगति की ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

श्री यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश की अमूल्य धरोहर है। महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना आजाद और लाल बहादुर शास्त्री जैसे महान नेताओं ने स्वतंत्रता के लिए निर्णायक संघर्ष किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की वर्तमान सरकार कांग्रेस के बलिदान के इतिहास को नजरअंदाज कर संविधान में बदलाव और जनविरोधी नीतियों के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, लेकिन इतिहास का सत्य कभी बदला नहीं जा सकता।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव अन्याय, अत्याचार और हिंसा के खिलाफ सत्य, अहिंसा, प्रेम और भाईचारे को अपना मार्ग बनाया है और लोकतंत्र, समानता, अखंडता तथा न्याय के लिए निरंतर संघर्ष किया है। उन्होंने राजधानी दिल्ली की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ सरकार को सत्ता सौंपी थी, वे आज पूरी होती नजर नहीं आ रही हैं। प्रदूषण, बढ़ता वायु गुणवत्ता स्तर और अन्य बुनियादी समस्याओं से दिल्लीवासी परेशान हैं देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि प्रदूषण से राहत दिलाने के बजाय सरकार आंकड़ों के हेरफेर पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने कई बार प्रदूषण नियंत्रण के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की, लेकिन सरकार ने इस पर गंभीरता नहीं दिखाई।

यदि पक्ष और विपक्ष मिलकर जनता की समस्याओं पर चर्चा करें, तो राजधानी को प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या से राहत दिलाई जा सकती है। कार्यक्रम का समापन कांग्रेस की एकता, संघर्ष और जनसेवा के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें संगठन को मजबूत कर जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया गया।

एक नजर

साउथ दिल्ली में डेयर व्यवसायी की 69 गोलियों से हत्या, इलाके में मचा कोहराम

कुणाल/दिल्ली: दिल्ली में एक डेयरी व्यवसायी को घात लगाकर मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की बॉडी में 69 गोलियां पाई गईं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि व्यवसायी को पहले से टारगेट किया गया था। इलाके में मौजूद सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों के बयान के आधार पर पुलिस ने संभावित संदिग्धों की पहचान शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि हत्या में प्रयुक्त हथियार और गोलियों के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और आसपास के व्यवसायियों और नागरिकों से जानकारी मांग रही है। यह मामला दिल्ली पुलिस के लिए गंभीर चुनौती बन गया है क्योंकि यह बेहद संगठित और योजनाबद्ध हत्या लगती है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही संदिग्धों की गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी और मृतक के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा।

प्रतापगढ़ में सांसद खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने लहराया परचम, विजेताओं को सांसद और जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

प्रशांत/उत्तर प्रदेश: सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मेधावी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में अमर जनता इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया और कई प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया बालक वर्ग बैडमिंटन में मनीष पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालिका वर्ग में जैनब सिमरन ने प्रथम स्थान हासिल किया। लॉन्ग जंप में हमजा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर भाजपा राज्य सांसद अमरपाल मौर्य और प्रतापगढ़ जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। समापन समारोह में सांसद अमरपाल मौर्य ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की वही अमर जनता इंटर कॉलेज की प्रधानाध्यापिका स्निग्धा पांडे ने बच्चों को बधाई दिया उप प्रधानाध्यापक ने बच्चों को बधाई दिया और बच्चों को हौसला दिया कि हमारे कटरा गुलाब सिंह के बच्चे आने वाले भविष्य में ऐसे ही अपने माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन करते रहे।

सेंगर को जमानत के खिलाफ जंतर-मंतर पर महिला संगठनों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। उन्नाव बलात्कार कांड के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के फैसले के विरोध में संघर्षशील महिला केंद्र (सी.एस.डब्ल्यू.) और अन्य प्रगतिशील महिला संगठनों ने जंतर-मंतर पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सेंगर की जमानत तत्काल रद्द कर उसकी उम्रकैद की सजा बहाल करने की मांग की। सी.एस.डब्ल्यू. ने बताया कि सेंगर को दिसंबर 2019 में ट्रायल कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी और पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में भी उसे दोषी पाया गया था। संगठन ने आरोप लगाया कि जमानत का यह फैसला न केवल न्यायिक प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है, बल्कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को बढ़ावा देने वाला है। महिला संगठनों ने कहा कि प्रभावशाली और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों को राहत देना 'जीरो टॉलरेंस' नीति के विपरीत है और इससे अपराधियों में बेखौफ माहौल बनता है। सी.एस.डब्ल्यू. ने दोहराया कि वह उन्नाव पीड़िता समेत देशभर की महिलाओं के लिए न्याय, गरिमा और समानता सुनिश्चित होने तक अपना संघर्ष जारी रखेगा।

दिल्ली के द्वारका में अवैध रूप से रह रहे सात नाइजीरियाई नागरिक हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका इलाके में पुलिस ने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रहने के आरोप में सात नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की कई टीम ने प्राप्त सूचना के आधार पर 24 दिसंबर को सत्यापन अभियान चलाकर इन विदेशी नागरिकों को पकड़ा और जांच के दौरान पता चला कि उनके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'पकड़े गए सभी व्यक्ति या तो वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे या वैध अनुमति के बिना रह रहे थे।' ? उन्होंने बताया कि चिकित्सीय जांच के बाद हिरासत में लिए गए सभी लोगों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया, जहां उनके निर्वासन का आदेश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि निर्वासन की औपचारिकताएं पूरी होने तक उन्हें एक निरुद्ध केंद्र भेज दिया गया है।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले इंजीनियर के परिजनों को 1.63 करोड़ रुपये मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने मई 2023 में हुई सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले 37 वर्षीय इंजीनियर की पत्नी और मां को 1.63 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इंजीनियर की कार को एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी थी। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला मृत सौरभ गुप्ता की पत्नी और मां द्वारा दायर मुआवजे की याचिका पर सुनवाई कर रही थीं। याचिका के अनुसार, यह दुर्घटना 10 मई 2023 को सुबह लगभग 5:30 बजे एक टोल प्लाजा के पास हुई, जब सौरभ गुप्ता और उनकी पत्नी अपनी कार से दिल्ली से हिमाचल प्रदेश जा रहे थे। इसमें कहा गया है कि विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य कार ने दोहरी लेन वाली सड़क पर डिवाइडर को पार करके उनकी कार को सामने से टक्कर मार दी। अधिकरण ने 18 दिसंबर के एक आदेश में कहा कि दुर्घटना लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई थी।

अकोला में नगर निगम चुनावों के लिए प्रशासन और पुलिस ने की सुरक्षा व समन्वय की समीक्षा

सोहेल खान शब्बीर खान

महाराष्ट्रः आज, 22.12.2025 को, आगामी नगर निगम चुनावों के संदर्भ में, अकोला नगर निगम प्रशासन और अकोला जिला पुलिस बल की ओर से, अकोला के पुलिस अधीक्षक और नगर आयुक्त ने अकोला शहर में स्थित ईवीएम स्ट्रांगरूम सेंटर और नियोजित मतगणना केंद्र का दौरा किया और वहां की योजना और सुरक्षा व्यवस्था की संयुक्त रूप से समीक्षा की। इस दौरान, सरकारी गोदाम खदान, जिजाऊ हॉल, मराठा मंगल कार्यालय, पुलिस कॉलोनी हॉल और जिला परिषद हॉल का दौरा किया गया और निरीक्षण किया गया। इसके बाद, दोनों विभागों द्वारा अकोला के पुलिस अधीक्षक कार्यालय के विजय हॉल में सभी संबंधित अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर आयुक्त, संबंधित चुनाव निर्णय अधिकारी, उप चुनाव निर्णय अधिकारी, अकोला शहर पुलिस विभाग के उप-मंडल पुलिस अधिकारी श्री सुदर्शन पाटिल और अकोला उप-मंडल के सभी पुलिस थानों के ठाणे प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे।

उक्त संयुक्त बैठक में, अकोला के पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई अपील के अनुसार, आगामी नगर निगम चुनावों के संदर्भ में महानगर प्रशासन और पुलिस प्रशासन के बीच उचित प्रशासनिक समन्वय बनाए रखना आवश्यक है। इन निर्देशों के बाद, दोनों विभागों के अधिकारियों को वास्तविक कार्य में आ रही कठिनाइयों और सुझावों से अवगत कराया गया। जब दोनों विभागों के उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय स्तर पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए, तो अकोला के पुलिस अधीक्षक ने सूचित किया कि पुलिस विभाग नगर निगम प्रशासन को सभी स्तरों पर आवश्यक सहयोग और पुलिस सहायता प्रदान करेगा।

पुलिस प्रशासन ने नगरपालिका चुनावों के लिए पुलिस सुरक्षा या योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की, जिसमें पिछले नगरपालिका चुनावों में आरोपियों के खिलाफ निवारक कार्रवाई करना, आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण लाइसेंसधारी हथियार धारकों से हथियार जब्त करना, नामांकन पत्र दाखिल करने के केंद्र सहित कुल 6 स्थानों पर कड़ी सुरक्षा बनाए रखना, साथ ही मतदान केंद्र और उसके बाहर सुरक्षा, पुलिस विभाग द्वारा समीक्षा किए गए संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा की नियुक्ति, स्ट्रांग रूम में तैनात की जाने वाली सुरक्षा और अकोला जिला पुलिस बल द्वारा संपूर्ण मतदान और मतगणना प्रक्रिया के लिए समग्र पुलिस सुरक्षा, बाहरी होम गार्ड और एसआरपीएफ सुरक्षा की व्यवस्था शामिल है।

उपस्थित अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों पर चर्चा की गई, जिनमें मतपत्र द्वारा मतदान, 100 मीटर के दायरे में सुरक्षा उपाय, नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन उम्मीदवारों के समर्थकों की भीड़ का प्रबंधन, यातायात पुलिस द्वारा उचित योजना आदि शामिल थे। अकोला के पुलिस अधीक्षक और नगर आयुक्त ने इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। नगर निगम और पुलिस विभाग की ओर से नगर निगम चुनावों के संदर्भ में एकल खिड़की योजना लागू की जाएगी और संबंधित अधिकारियों को इसका ध्यान रखना चाहिए। नगर निगम के चुनाव निर्णय अधिकारी ने यह अपील की।

पूरा प्रशासन आगामी नगर पालिका चुनावों को भयमुक्त और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नागरिकों को अपने संवैधानिक मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। यदि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या समस्या का सामना करना पड़ता है, तो उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि पुलिस प्रशासन ने उनकी सहायता के लिए 112 डायल करने की सुविधा उपलब्ध कराई है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय पहल

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेशः झाबुआ जिले के राणापुर में शहरी एवं ग्रामीण जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल डॉ विक्रांत भूरिया के सहयोग से चल रहे आत्मनिर्भर महिला सशक्त परिवार कार्यक्रम अंतर्गत15 दिवसीय निशुल्क ब्यूटी पार्लर एवं सिलाई व्यवसायिक प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन करने आज क्षेत्रीय विधायक डॉ विक्रांत भूरिया स्वयं राणापुर पहुंचे। विधायक श्री भूरिया ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं से संवाद किया, उनके कार्यों को देखा एवं महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिलाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विधायक ने खुले दिल से सराहना की।

विधायक ने कहा कि महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे। महिलाओं ने भी इस 15 दिवसीय शिविर को अत्यंत उपयोगी बताते हुए अभी अपने 7 दिनों के प्रशिक्षण का अनुभव बताया एवं आयोजक श्रीमती यशवी शाह एवं विधायक डॉ विक्रांत जी भूरिया का

आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर प्रशिक्षण से जुड़ी महिलाएं, एवं प्रशिक्षक श्री मती ज्योति दवे सिमरन टेलर एवं दीपिका टेलर एवं श्रीमती वैशाली जी अग्रवाल एवं कांग्रेस पार्टी से कैलाश जी डामोर, सुरेश जी समीर ,दिनेश गाहरी, विजय शाह,योगी ठेकेदार, ध्रुव राठौर, अमन पडियार, विष्णु पांचाल, अरबाज सिसगर एवं राणापुर एवं झाबुआ के युवा साथी उपस्थित रहे।

जल भराव की समस्या से जल्द मिलेगी निजात, नाला निर्माण पूरा

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः शहर के अंदर जल भराव की समस्या से आम नागरिक बेहद परेशान थे जिसका समाचार पत्र के माध्यम से समय-समय पर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया जाता रहा है उसके बाद नगर पालिका परिषद के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी अवधेश सिंह सेंगर तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुशमा देवी रामवीर सिंह तोमर द्वारा ग्राम पंचायत के जमाने के बने नाले को चौड़ा करने का टेंडर दिया गया था ठेकेदार के द्वारा कार्य किया जा रहा है जो पूर्णता की ओर है,,, नाला निर्माण के दौरान गंगाराम वाली गली में जल भराव से।

आम नागरिक बेहद परेशान थे उस परेशानी से तथा वर्षा काल में होने वाले जल भराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नाला 6 फुट चौड़ा 6 फुट गहरा बनाया गया है जो रेस्ट हाउस तक कंप्लीट हो चुका है विशेष बात इसमें यह है की नाला स्लिप के द्वारा बंद/ पाटा भी किया गया है जिससे जिससे नाले में कोई भी व्यक्ति नहीं गिरेगा कोई तथा कोई पशु इस नाले में नहीं गिरेगा।

दिल्ली में कार का शीशा तोड़ एक करोड़ की जूलरी चोरी, क्राइम ब्रांच ने तमिलनाडु से आरोपी को किया गिरफ्तार

कुणाल

दिल्लीः कार का शीशा तोड़कर करीब एक करोड़ रुपये की जूलरी चोरी करने के मामले में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल चोरी कांड में शामिल एक आरोपी को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार था और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, यह वारदात दिल्ली के एक पॉश इलाके में उस समय हुई, जब पीड़ित ने अपनी कार सड़क किनारे खड़ी की थी। मौका पाकर आरोपी ने कार का शीशा तोड़ा और अंदर रखी कीमती जूलरी से भरा बैग लेकर फरार हो गया। चोरी गए गहनों की कुल कीमत

करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई थी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था और पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी वारदात के बाद दिल्ली से फरार होकर तमिलनाडु चला गया है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम को तमिलनाडु भेजा गया। स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पेशेवर चोर है और पहले भी कई राज्यों में इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुका है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को दिल्ली लाया गया है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान चोरी की जूलरी की बरामदगी के साथ-साथ इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों के बारे में भी अहम जानकारियां मिल सकती हैं। क्राइम ब्रांच अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में आगे की जांच जारी है और आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी। वहीं, दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे कार में कीमती सामान छोड़कर न जाएं और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

एक नजर

पूर्व जिला पंचायत प्रतिनिधि ने नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का किया स्वागत

रवि कुमार/मध्य प्रदेशः पूर्व जिला पंचायत प्रतिनिधि छतर सिंह नागर के नेतृत्व में ग्राम रनायल कला मे अपने निज निवास पर नवनियुक्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के नव नियुक्त टोंक खुर्द ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडलोई जैन साहब,सोनकच्छ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सोदान सिंह पवार, चौबाराधीरा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजयपाल सिंह राजपूत,भोरासा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिथुन सिंह यादव चारों ब्लॉक अध्यक्षों को साफा बंधवाकर पुष्पमालाओ पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कर्ता पूर्व ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री हातिम अली बोहरा,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष विक्रम सिंह बामनिया,एडवोकेट गोविंद सिंह पटेल,नाथू सिंह झलाया,माखनलाल पटेल,अनोप सिंह पटेल, लाखन सिंह आचार्य,लोकेंद्र सिंह(लाला) गुर्जर,दिलीप मालवीय,छीतू लाल मालवीय, अखिलेश गुर्जर,सुरेंद्र यादव आदि कांग्रेस के जन- प्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने किया।

गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने सैक्टर 63 में की फुट पेट्रोलिंग, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

दीपक यादव/उत्तर प्रदेशः पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा श्री शक्ति मोहन अवस्थी के पर्यवेक्षण में एडीसीपी सेंट्रल नोएडा श्री संतोष कुमार के नेतृत्व में एसीपी-1 सेंट्रल नोएडा श्री उमेश कुमार के द्वारा पुलिस बल के साथ थाना सैक्टर 63 क्षेत्र के अंतर्गत बाजार, महत्वपूर्ण सडकों तथा भीड भाड वाले स्थानों के आस-पास फुट पेट्रोलिंग करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

उनके द्वारा पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखा जाये एवं संदिग्ध प्रतीत हो रहे प्रत्येक व्यक्ति/वाहनों को रोककर उसकी चेकिंग की जाये तथा नियमों का पालन न करने वालों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाये। उनके द्वारा सभी पीसीआर व पीआरवी वाहनों को लगातार भ्रमणशील रहते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम गोण्डा में 'सांसद खेल महोत्सव' का भव्य समापन

राकेश कुमार चौहान/उत्तर प्रदेशः जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम गोण्डा में आयोजित "सांसद खेल महोत्सव" का समापन कार्यक्रम आज संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद गोण्डा/केन्द्रीय विदेश राज्यमंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह जी, जिलाधिकारी महोदया, मुख्य विकास अधिकारी महोदया एवं अन्य सभी संबंधित अधिकारीगण तथा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं का आयोजन इस तीन दिवसीय खेल महोत्सव में एथलेटिक्स,

क्रिकेट, कबड्डी, हैंडबॉल, ताइक्वांडो, हॉकी, फुटबॉल और कुश्ती सहित कुल 8 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस प्रतियोगिता में गोंडा लोकसभा क्षेत्र के हजारों बच्चे शामिल हुए। विजेताओं को सम्मानित किया गया समापन कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। सांसद श्री कीर्ति वर्धन सिंह जी ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के आयोजन जरूरी हैं।

प्रशासन गाँव की ओर अभियान के तहत कलेक्टर ने किया शिविरों का निरीक्षण

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गाँव की ओर अभियान के तहत गुरुवार को कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने ग्राम पंचायत सुमावली एवं ग्राम पंचायत बागचीनी में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर सक्रिय सहभागिता की।

इस अवसर पर एसडीएम जौरा शुभम शर्मा तथा कार्यपालन यंत्री, सिंचाई विभाग पी.एस. जाटव भी उपस्थित रहे। कलेक्टर जांगिड़ ने शिविर में ग्रामीणजनों के साथ बैठकर प्रत्यक्ष संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं आवश्यकताओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिकतम पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने पर विशेष जोर दिया। शिविर के दौरान राजस्व विभाग,

ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं उद्यानिकी सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों पर चर्चा की गई तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं की जानकारी आमजन तक सरल एवं सुगम रूप से पहुँचाई जाए तथा सेवा प्रदाय में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन गाँव की ओर पहल का मुख्य उद्देश्य शासन को आम नागरिकों के और अधिक निकट लाना है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान ग्राम पंचायत स्तर पर ही प्रभावी ढंग से किया जा सके। शिविर के दौरान क्लस्टर स्तर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से ग्रामीणजनों की बीपी एवं शुगर की जांच की जा रही थी। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं जांच प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति का अवलोकन करने के उद्देश्य से कलेक्टर जांगिड़ ने स्वयं भी बीपी एवं शुगर की जांच कराई तथा आवश्यक निर्देश दिए।

सुरजपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार, दो अवैध तमंचे बरामद

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः दिनांक 25.12.2025 को थाना सूरजपुर पुलिस व सर्विलांस टीम के संयुक्त प्रयास से थाना सूरजपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 728/2025 धारा 2/3 गैगंस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्तगण गैंग लीडर 1.बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम भूपखेड़ी थाना लोनी जिला गाजियाबाद उम्र करीब 25 वर्ष व गैंग सदस्य अभियुक्ता 2.सपना पत्नी बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना निवासी उपरोक्त उम्र करीब 26 वर्ष को 130 मीटर रोड़ से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना उपरोक्त के कब्जे से अवैध तमंचा .315 बोर व 01 जिंदा कारतूस मौके पर बरामद किया गया है। जिसके सम्बन्ध में थाना सूरजपुर पर मु0अ0सं0 735/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया है तथा इनके साथी शिवम कसाना पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम भूपखेड़ी थाना लोनी जनपद गाजियाबाद उम्र करीब 22 वर्ष को दिनांक 24.12.2025 की रात्रि में मिग्सन विलासा गोलचक्कर के पास से गिरफ्तार किया गया था जिसके कब्जे से 01 अवैध तमंचा .315 बोर मय 01 जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया है अवैध शस्त्र बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सूरजपुर पर मु0अ0सं0- 734/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना सूरजपुर पंजीकृत किया गया है।

अपराध करने का तरीका अभियुक्तगण उपरोक्त के द्वारा अपने अन्य सह-अभियुक्तगण के साथ मिलकर गैंग बनाकर सड़क पर चलती कार एंव अन्य गाडियों को मौका पाकर चालक को बंधक बनाकर कार आदि की लूट करते है तथा कार आदि में भरा सामान सपना कसाना को सौंप देते है मौका पाकर सपना कसाना उक्त लूटे गये माल को बेच देती है तथा समस्त लोग सामान, पैसा आपस में बांट लेते है थाना सूरजपुर क्षेत्र में पूर्व में घटित लूट की घटनाओं में दोनो अभियुक्तगण एंव अभियुक्ता सपना कसाना जेल जा चुकी है।

नोट-श्रीमान पुलिस उपायुक्त महोदय सैन्ट्रल नोएडा द्वारा अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु अभियुक्त बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना उपरोक्त पर 25 हजार रुपये व शिवम कसाना व सपना कसाना उपरोक्त की गिरफ्तारी पर 15-15 हजार रुपये का ईनाम पूर्व से घोषित था अभियुक्तगण उपरोक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम भूपखेड़ी थाना लोनी जिला गाजियाबाद उम्र करीब 25 वर्ष सपना पत्नी बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना निवासी ग्राम भूपखेड़ी थाना लोनी जिला गाजियाबाद उम्र करीब 26 वर्ष

शिवम कसाना पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम भूपखेड़ी थाना लोनी जनपद गाजियाबाद उम्र करीब 22 वर्ष अभियुक्त बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना उपरोक्त का अपराधिक इतिहास मु0अ0स0 100/2018 धारा 411/414 भादवि थाना कोतवाली जिला गाजियाबाद .मु0अ0स0 533/2018 धारा 201/34/396/412 भादवि थाना दादरी जिला गौतमबुद्धनगर .मु0अ0सं0-224/2023 धारा 379/411 भादवि थाना बादलपुर जिला गौतमबुद्धनगर .मु0अ0स0 250/2023 धारा 379/411/414 भादवि थाना बादलपुर जिला गौतमबुद्धनगर .मु0अ0स0 164/2023 धारा 382/411 भादवि थाना फेस 3 जिला गौतमबुद्धनगर मु0अ0स0 337/2023 धारा 379/411 भादवि व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना कोतवाली जिला बागपत मु0अ0स0 831/2023 धारा 120बी/342/354/394/411/452/506 भादवि थाना बिसरख जिला गौतमबुद्धनगर

मु0अ0स0 846/2023 धारा 307/34/482 भादवि 3/25/27 आर्म्स एक्ट थाना बिसरख जिला गौतमबुद्धनगर मु0अ0स0 01/2024 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना बिसरख जिला गौतमबुद्धनगर

10.मु0अ0स0 524/2024 धारा 309(6) बीएनएस थाना सैक्टर 39 नोएडा जिला गौतमबुद्धनगर मु0अ0स0 395/2024 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस थाना सूरजपुर जिला गौतमबुद्धनगर मु0अ0स0 231/2025 धारा 309(6)/317(2)/111 बीएनएस थाना सूरजपुर जिला गौतमबुद्धनगर मु0अ0सं0 253/2025 धारा 109/111 बीएनएस व धारा 3/25/27 आर्म्स एक्ट थाना सूरजपुर जिला गौतमबुद्धनगर .मु0अ0सं0-728/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनग मु0अ0सं0-735/2025 धारा 3/25 थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर। अभियुक्ता सपना उपरोक्त का अपराधिक इतिहास मु0अ0स0 231/2025 धारा 317(2) बीएनएस थाना सूरजपुर जिला गौतमबुद्धनगर मु0अ0सं0-728/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर अभियुक्ता शिवम उपरोक्त का अपराधिक इतिहास

1.मु0अ0स0 231/2025 धारा 317(2) बीएनएस थाना सूरजपुर जिला गौतमबुद्धनगर

2.मु0अ0सं0-728/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर

3.मु0अ0सं0- 734/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर

भारतीय फुटबॉल का अविस्मरणीय सितारा, 1951 एशियन गेम्स में गोल्ड जीत के हीरो

संजय कुमार वर्मा

बिहार: भारतीय फुटबॉल जगत में मेवालाल एक महान शख्सियत थे। ऐसे तो उन्होंने भारत को कई मैचों में जीत दिलाई थी, लेकिन 1951 के एशियन गेम में उन्हें फुटबॉल जगत में काफी लोकप्रियता मिली। उस गेम में ईरान के खिलाफ उन्होंने जब विजयी गोल दाग कर हिंदुस्तान को गोल्ड मेडल दिलाया था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उनकी पीठ थपथपाई थी। उनकी प्रशंसा में उन्होंने कहा था कि इस अद्धितीय खिलाड़ी को देश कभी नहीं भूलेगा। कारण उस समय भारत ने हाल ही में आजाद हुआ था। खेल के लिए न पैसे थे, न संसाधन। फिर भी खिलाडि ?ों में खेलने का जोश और जच्बा ऐसा दिखाया कि दूसरे देश अचंभित रह गए थे।

दो ओलंपिकों में किया था भारत का प्रतिनिधित्व : मेवालाल की प्रतिभा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वे दो-दो बार लंदन (1948) और हेलसिंकी (1952) ओलंपिक में भारतीय फुटबॉल टीम का हिस्सा रहे। प्रथम श्रेणी के मैचों में इस खिलाड़ी ने प्रतिष्ठित मोहन बगान टीम के खिलाफ हैट्रिक लगाकर सबको चकित कर दिया था। कोयलांचल का सौभाग्य रहा था कि मेवालाल न केवल यहां आए थे, बल्कि उस समय के फुटबॉल खिलाडि ?ों को खेल के विशिष्ट गुर भी बता गए थे। बिहार के नवादा जिले के हिसुआ में हुआ था जन्म : मेवालाल का जन्म एक जुलाई 1926 को दौलतपुर गांव में हुआ था। घर की माली हालत अत्यंत जर्जर थी। इसलिए पिता महादेव हरिजन अपनी पत्नी और बच्चे को लेकर कोलकाता चले गए। वहां फोर्ट विलियम में बगान की देखरेख करने का काम उन्हें मिल गया. वहां के हेस्टिंग्स ग्राउंड में अंग्रेजी सेना के अफसर फुटबॉल खेला करते थे। किशोर होने पर मेवालाल भी अपने पिता के साथ हेस्टिंग्स जाने लगे। एक दिन संयोग ऐसा रहा कि ग्राउंड के बाहर गयी गेंद पर मेवालाल ने अपना पैर जमाया। सधे हुए किक ने ग्राउंड पर मौजूद अंग्रेज अफसरों को चौंका दिया। उन्होंने उस किशोर (मेवालाल) को बॉल ब्वॉय की जिम्मेदारी दे दी।

बाइस्किल शॉट में हासिल थी महारत : फोर्ट विलियम एरिया में बने रेलवे के एक बंगले में रहने वाले एक साहब मि. बर्नेट ने मेवालाल में अच्छे खिलाड़ी होने का गुण देखकर अपने एक मित्र से कहकर 'मॉर्निंग स्टार' नामक क्लब में प्रशिक्षण के लिए भोजन-कपड़ा और दस रुपये मासिक जेब खर्च की प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था कर दी। प्रशिक्षक ने मेवालाल को खेल के तौर-तरीकों से परिचित कराना शुरू कर दिया। मेहनत और समर्पण से मेवालाल बाइस्किल शॉट में महारथ हासिल कर ली। इस शॉट का खास गुण यह होता है कि ऊपर हवा में छलांग लगाते हुए दोनों ही पैरों से आकस्मिक शॉट लगाया जाता है। प्रतिपक्षी टीम के खिलाड़ी भौंचक होकर बचाव करने में फेल हो जाते थे। कुछ ही दिनों में वे कोलकाता के अंग्रेजी, हिंदी और बांग्ला अखबारों में छा गए।

1945 में लगाई थी पहली हैट्रिक : दोनों पैरों से फुटबॉल पर समान नियंत्रण मेवालाल का असाधारण कौशल था। 1945 में उन्होंने फर्स्ट डिविजन क्लब आर्यन्स से जुड़े और मोहन बगान जैसी सशक्त टीम के खिलाफ हैट्रिक लगाई। क्लब कॅरियर के दौरान उन्होंने 150 गोल दागे, जबकि संतोष ट्रॉफी में बंगाल की ओर से 39 गोल किए। कोलकाता फुटबॉल लीग में चार मौकों पर वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी थे। प्रतिष्ठित बीएनआर क्लब से भी वह संबद्ध रहे। अपने फुटबॉल कैरियर के दौरान वह कई यूरोपीय देशों में गए। 1951 के एशियन गेम्स के सभी मैच में उन्होंने गोल दागे थे।

बेटियों की उड़ान को मिली दुआओं की ऊर्जा

टोंकखर्द कन्या विद्यालय में विदाई समारोह हुआ संपन्न

रवि कुमार

मध्य प्रदेश: विदाई केवल एक अंत नहीं, बल्कि एक नई और सुनहरी शुरूआत की दहलीज है। इसी भाव के साथ शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टोंकखर्द में कक्षा 12वीं की छात्राओं के लिए 'विदाई समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भावुक पलों का साक्षी बना।

सांस्कृतिक छटा और अतिथियों का सानिध्य

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध गीतकार सुरेन्द्र सैन्धव, समाजसेवी विमल कुमार सांखला उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में साहित्यिक गरिमा भर दी। विशिष्ट अतिथियों में विकासखंड शिक्षा अधिकारी जगरनाथ दामेचा,पार्षद प्रतिनिधि रविंद्र सिंह गोर,वरिष्ठ पत्रकार निर्भय सिंह कराड़ा,पत्रकार इस्लाम पटेल शामिल हुए। अतिथियों ने छात्राओं को जीवन के आगामी संघर्षों और सफलता के मंत्र साझा किए।गीत, संगीत और नृत्य की गूँज,समारोह के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। विदाई गीतों पर जहां आंखें नम हुईं, वहीं लोक नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जूनियर छात्राओं ने अपनी सीनियर दीदियों को यादें संजोने के लिए छोटे-छोटे उपहार भेंट किए।गुरुजनों का मार्गदर्शन,विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अंबिका सोमानी ने छात्राओं को शुभाशीष देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस गरिमामयी अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा, जिनमें शामिल थे।डॉ.अनार सिंह ठाकुर, हिमरत सिंह तोमर, श्रीमती अर्चना प्रजापति,जितेंद्र मालवीय,सारिका मदी,संजीदा अली,फरहद कुरैशी,

बबीता नामदेव,लाल सिंह बाघमार, सरिता पवार,पदमा गोयल। अर्चना तिवारी,मुकेश जोशी,समीर अली,मुकेश पटेल और अखिलेश पटेल भावुक विदाई कार्यक्रम के अंत में राधा मंडलोई कक्षा 12वीं एवं कक्षा 12वींकी छात्राओं ने अपने स्कूल के दिनों के अनुभव साझा किए। शिक्षकों ने तिलक लगाकर और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देकर छात्राओं को विदा किया।

पर्यावरण सेना ने अटल वृक्ष का रोपण कर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का हरित जन्मदिन मनाया

प्रशांत

उत्तर प्रदेश: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के 101वें जन्म दिवस को पर्यावरण सेना ने हरित संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए सदर ब्लॉक के संसारपुर गांव में 'अटल वृक्ष' के रूप में आम का पौधा लगाकर लोगों को जलवायु संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण का संदेश दिया।लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भारत को विश्व शक्ति के रूप में स्थापित किए जाने के योगदान को याद किया और उन्हें हरित श्रद्धांजलि अर्पित किया।इस अवसर पर यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड वाटर अवार्ड विजेता एवं पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पर्यावरणीय विचारों को आत्मसात करते हुए सभी देश

वासियों को पर्यावरण के अनुकूल हरित जीवन जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण सेना द्वारा अटल वृक्ष का रोपण कर पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को सहेजने का संदेश दिया गया,जिस पर अमल करते हुए पर्यावरण को बचाना होगा।आगे उन्होंने कहा कि जिस तरह से दिल्ली सहित पूरा देश प्रदूषण की चपेट में है इससे निजात पाने के लिए हमें कार्बन उत्सर्जन को रोकने की शुरूआत अपने घर से करनी होगी।

नेपाल के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह का पलिया आगमन

भाजपा नेता रवि गुप्ता और टीम ने किया भव्य स्वागत

मोहम्मद अनस

उत्तर प्रदेश: पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश के मुख्यमंत्री कमल बहादुर शाह नेपाल से अपने डेलिगेशन के साथ भारत भ्रमण पर दिल्ली हरिद्वार एवं अन्य स्थानों पर गए हुए थे जहां देश की तमाम बड़ी हस्तियों से भेंट वार्ता कर वापस नेपाल लौटते समय प्रोटोकॉल बनबसा बॉर्डर की तरफ से होने के बावजूद भाजपा नेता रवि गुप्ता के निमंत्रण पर वह गौरी फंटा सीमा से नेपाल की ओर लौटे ! पलिया आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, समाजसेवी,पलिया जिला बनाओ मंच के संयोजक रवि गुप्ता ने अपनी पूरी टीम के साथ मुख्यमंत्री जी को पुष्प वर्षा करते हुए

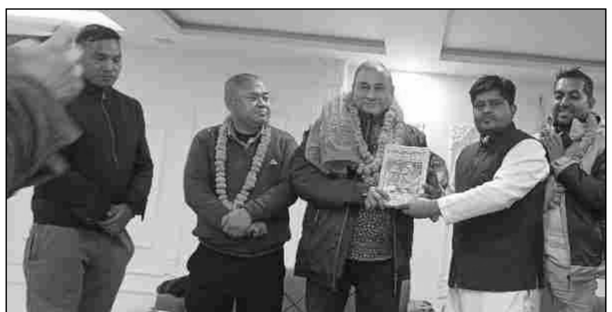

माल्यार्पण कर अंग वस्त्र ओढ़ाकर एवं श्रीमद भागवत गीता प्रदान कर समस्त भारतीयों, प्रदेश, लखीमपुर जनपद एवं पलिया विधानसभा भारतीय जनता पार्टी परिवार एवं सम्मानित जनता की ओर से बेहतरीन स्वागत एवं सम्मान कर नेपाल के लिए रवाना किया !

अपने वक्तव्य में मुख्यमंत्री जी ने भाजपा नेता रवि गुप्ता की मांग पर आश्वासन दिया कि उनके होते नेपाल में किसी भी भारतीय को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी और ना ही नेपाल की धरती पर किसी भी भारत विरोधी कार्य को अंजाम होने दिया जाएगा।

भारत नेपाल सीमा पर निवास करने वाली जनता की परेशानियों के बारे में भी रवि गुप्ता ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया जिस पर शीघ्र समाधान का आश्वाशन दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेपाल में कार्य देखने वाले हरकेश्वर जी मोहनराज जोशी जी एवं मुख्यमंत्री जी के पुरे डेलिगेशन के साथ ही अनुज स्वरूप शुक्ला, देवराज गर्ग, एडवोकेट विजय वाजपेई, राघव हिंदू, विशाल गुप्ता, आकाश बाजपेई, सतीश श्रीवास्तव, डॉक्टर संजू विश्वास, अंशुल गुप्ता, राम प्रकाश भास्कर, कमल नाग, सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एक नजर

राणापुर में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाई

आरिफ मोहम्मद/मध्य प्रदेश: राणापुर करोड़ों कार्यकताओं के प्रेरणा स्त्रोत, भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, पूर्व प्धा नमंत्री, भारत रत्न, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती, 'सुशासन दिवस' के उपलक्ष्य में राणापुर मंडल के समस्त कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत मंडल अध्यक्ष कमलेश नायक ने स्वागत भाषण से की। इसके पश्चात पूर्व जिला महामंत्री सोमसिंह जी सोलंकी,जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर जी नायक,वरिष्ठ नेता राजेंद्र जी उपाध्याय,मनोहर लाल जी सेठिया,नगर पालिका अध्यक्ष सु.श्री दीपमाला नलवाया ने भी अटल जी के जीवन परिचय व उनके द्वारा राष्ट्र हित मे किये गए कार्यो का वर्णन किया कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री संचित जी कटारिया ने किया इस अवसर पर मंडल महामंत्री लोकेन्द्र जी ठाकुर,पूर्व मंडल अध्यक्ष कीर्तिश जी राठौड़,उपाध्यक्ष ध्रुव जोशी,मंत्री मुकेश मेडा जी,युवा मोर्चा अध्यक्ष विश्वास जैन, आई टी सेल प्रभारी शुभम तुवरिया,प्रकाश जी राठौड़,कृष्ण जी सेन एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे अटल जन्म स्मृति का यह कार्यक्रम राणापुर मंडल में बूथ स्तर पर आयोजित किया गया कार्यक्रम का आभार कार्यालय मंत्री अविनाश पंड्या ने किया व्यक्त किया।

लखीमपुर खीरी थाने से 300 मीटर दूर घर में लाखों की चोरी, पुलिस गस्त की पोल खुली

मोहम्मद अनस/उत्तर प्रदेश: लखीमपुर खीरी जिले के किराना व्यापारी उमेश कुमार गुप्ता निवासी मितौली थाना कस्बे में ही बड़ागांव चौराहा पुलिस थाने के लगभग 300 मीटर दूरी पर बीती रात घर में चोरी हो गई। चोरों ने घर में पीछे से घुसकर कीमती जेवर व सत्तर हजार रुपए चुरा लिया। चोरों के हौसले इस तरह बुलंद हैं कि थाने से महज 300 मीटर की दूरी

बने घर में जब चोरी हो गई तो दूर दराज के इलाकों के बारे में क्या बताया जा सकता है। जिले के तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक जो आए दिन हर थाने के पहुंच कर स्वयं पैदल गस्त करके लोगों को जागरूक करते हैं, और थाने के सभी पुलिस कर्मियों को पेट्रोलिंग व रात्रि गस्त के लिए सख्त हिदायत देते हैं, फिर भी पुलिस के कानो में इसका कोई असर नहीं होता है। थाने के महज 300 मीटर की दूरी पर इतनी बड़ी चोरी किसी भी सुनने वाले के गले नहीं उतरती है, जो पुलिस की रात्रि गस्त की पोल खोल रही है। जिले में इस समय ताबड़तोड़ चोरिया हो रही है, सोचने की बात यह है कि अभी तक एक भी चोरी का खुलासा नहीं हुआ है।

'गोण्डा-बहराइच मार्ग पर सर्विस लेन निर्माण का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण'

राकेश कुमार चौहान/उत्तर प्रदेश: जिलाधिकारी गोण्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन ने मिश्रौलिया ओवरब्रिज के बगल में प्रस्तावित सर्विस लेन के निर्माण को लेकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सर्विस लेन निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के निर्देश जिलाधिकारी ने पाया कि ओवरब्रिज के बगल सर्विस लेन का निर्माण न होने से स्थानीय नागरिकों, राहगीरों और व्यापारियों को आवागमन में असुविधा हो रही है। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट, ब्रिज कॉरपोरेशन के अधिकारियों और अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि सर्विस लेन निर्माण में आ रही बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने की आवश्यकता जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करना अत्यंत आवश्यक है और जनता की सुविधा सर्वोपरि है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय कर्मचारियों की कम्यूटेड पेंशन वसूली अवधि घटाकर 10 साल 8 माह की

अफजलभाई इस्माइलभाई कडीवाला

गुजरात: सुकून देने वाली खुशखबरी पेंशन की कम्यूटेशन राशि की वसूली अवधि में राहत सुप्रीम कोर्ट ने सिविल रिट याचिका संख्या 2490 एवं केस संख्या 8222/2024 में एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए यह निर्देश दिया है कि केंद्रीय कर्मचारियों की पेंशन की कम्यूटेशन राशि की वसूली अवधि अब 15 वर्षों के स्थान पर केवल 10 वर्ष और 8 माह (128 माह) ही होगी।

भारत का राजपत्र
The Gazette of India
सी.जी.-डी.एल.-अ.-16122025-268548
CG-DL-E-16122025-268548
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY
सं. 808] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 15, 2025/ अग्रहायण 24, 1947
No. 808] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 15, 2025/ AGRAHAYANA 24, 1947
पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण
अधिसूचना
नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 2025

यह फैसला वर्तमान में ब्याज दरों में आई गिरावट को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जो पहले 15 वर्षों की वसूली अवधि का आधार थी। प्रमुख बिंदु कम्यूटेड पेंशन क्या है: रिटायरमेंट के समय कर्मचारी एकमुश्त राशि पाने के लिए अपनी कुछ मासिक पेंशन को अग्रिम रूप से प्राप्त करता है, जिसे कम्यूटेशन कहते हैं। इसके कारण उसकी मासिक पेंशन कम हो जाती है। पहले क्या व्यवस्था थी। Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules, 1981 के अनुसार, पूर्ण पेंशन 15 वर्षों बाद बहाल की जाती थी। अब क्यों बदला गया सुप्रीम कोर्ट ने माना कि अब ब्याज दरें काफी घट चुकी हैं, जिससे पेंशनधारकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस वजह से अब 128 माह (10 वर्ष 8 माह) में ही पूरी राशि की वसूली हो जातीहै, अतः इसके बाद कटौती करना अन्यायपूर्ण है। इस निर्णय का प्रभावः अब केंद्रीय कर्मचारियों की पूर्ण पेंशन पहले की अपेक्षा 4 साल 4 माह पहले बहाल होगी, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी। राज्य कर्मचारियों को भी लाभः यह फैसला केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर ही नहीं, बल्कि राज्य सरकारों के कर्मचारियों पर भी लागू होगा। यह ऐतिहासिक निर्णय उन लाखों पेंशनधारकों के लिए राहतभरा है, जिन्हें अब अपनी पूर्ण पेंशन शीघ्र बहाल होते देख सकेंगे।

अग्रवाल समाज समिति की बैठक में 27 दिसंबर को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर और 31 दिसंबर को मुक्तिलाल मोदी पुण्यतिथि कार्यक्रम की घोषणा

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थान: जिला मुख्यालय कोटपुतली स्थित अग्रसेन भवन में अध्यक्ष एडवोकेट योगेश शरण बंसल की अध्यक्षता में अग्रवाल समाज समिति की बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि एडवोकेट अशोक कुमार बंसल (अध्यक्ष स्वर्गीय श्री मुक्तिलाल मोदी स्मृति संस्थान) ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 31 दिसंबर 2025 बुधवार को नगर परिषद् पार्क में स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व विधायक मुक्तिलाल मोदी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रातः 9:30 बजे हवन होगा उसके बाद क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा काव्य पाठ एवं

लोकगीत इत्यादि प्रस्तुत किए जायेंगें ।मीडिया प्रभारी हेमन्त मोरीजावाला ने बताया की दिनांक 27-12-2025 शनिवार को अग्रसेन भवन में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर एवं विश्व हिंदू परिषद जिला कोटपूतली के संयुक्त तत्वाधान में प्रातः 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक किया जाएगा।

जिसमें डॉक्टर धीरज दुबे वरिष्ठ जोड़ एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर अंकित गुप्ता वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर प्रवीण गुप्ता वरिष्ठ रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ द्वारा सेवाएं दी जाएगी। जिसमें ?2000 तक की जांच निःशुल्क की जाएगी।

27 दिसंबर को अकोला में होगा आठवां डैडी देशमुख लघु फिल्म महोत्सव, बॉलीवुड युवा सितारों की रहेगी खास मौजूदगी

सोहेल खान शब्बीर खान

महाराष्ट्र: 27 दिसंबर, 2025 को शाम 4 बजे, दिवंगत डैडी देशमुख की जयंती के अवसर पर, हर साल की तरह, "आठवां डैडी देशमुख लघु फिल्म महोत्सव" का आयोजन प्रमिलाताई ओक हॉल, गांधी रोड, अकोला में किया जा रहा है। विदर्भ में पहली उच्च कोटि की मराठी फिल्मों का निर्माण स्वर्गीय डैडी देशमुख ने किया था। उनकी फिल्म "देवकीनंदन गोपाला" ने न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी ख्याति अर्जित की। प्रसिद्ध अभिनेता नाना पाटेकर की पहली फिल्म रघु मैना का निर्माण भी डैडी देशमुख ने ही किया था। विदर्भ के इस महान फिल्म निमार्ता, महर्षि डैडी देशमुख की स्मृति में, उनकी जयंती पर प्रतिवर्ष 'डैडी देशमुख लघु फिल्म महोत्सव' का आयोजन किया जाता है। माननीय श्री प्रशांत देशमुख द्वारा परिकल्पित

और स्वर्गीय तुकाराम भाऊ बिडकर के मार्गदर्शन में आयोजित यह महोत्सव विश्व भर में प्रसिद्ध हो चुका है। इस महोत्सव में प्रतिवर्ष देश और विदेश से हजारों लघु फिल्में भाग लेती हैं।

इस साल के महोत्सव का मुख्य आकर्षण युवा और ऊजार्वान बॉलीवुड सितारों की भागीदारी है। विदर्भ की जानी-मानी युवा पटकथा लेखिका और संवाद लेखिका मनीषा कोर्डे, अकोला के युवा फिल्म निमार्ता साहिल इंगले, जिन्होंने कान फिल्म महोत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सांगली के निर्देशक शेखर रंखंबे, जो डैडी देशमुख फिल्म महोत्सव 2019 के पहले विजेता हैं. मनीषा कोर्डे ने ढोल, भूलभुलैया, बिल्लू, तुम, शटर और मणिरत्नम की मलामाल विकिली जैसी सुपरहिट फिल्मों की पटकथा और संवाद लिखे हैं। अकोला के एक युवा साहिल इंगले द्वारा बनाई गई एक लघु फिल्म का शीर्षक है मिट्टी की गुड़िया। इस फिल्म का चयन कान फिल्म महोत्सव के लिए किया गया है। शेखर बापू रांखंबे ने पुरस्कार विजेता लघु फिल्में मूक, पैम्फलेट और रेखा बनाई हैं। पैम्फलेट और रेखा को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (कगऋक) के इंडियन पैनोरमा सेक्शन में चुना गया था।

उनकी लघु फिल्म 'रेखा' को राष्ट्रपति पुरस्कार मिला है। और 6 फरवरी को उनकी बड़ी मराठी फिल्म 'रुबाब' रिलीज हो रही है, जिसे जी स्टूडियो ने प्रस्तुत, लिखा और निर्देशित किया है। अकोला के विख्यात चित्रकार सतीश पिंपल को 'डैडी देशमुख' लघु फिल्म महोत्सव द्वारा इस वर्ष का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सतीश पिंपल की चित्रकला और भित्तिचित्र अकोला स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय की गैलरी से लेकर कनाडा के इस्कॉन मंदिर तक प्रदर्शित हो चुके हैं।

इस वर्ष, डैडी देशमुख फिल्म महोत्सव प्रशंसा पुरस्कार शुरू किया जा रहा है। इसमें फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली टीम को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन अकोला के प्रिय सांसद अनुप धोत्रे करेंगे। इस वर्ष महोत्सव में लगभग 1100 फिल्में आई हैं और इनकी समीक्षा का दायित्व निर्देशक डॉ. राजेश देशमुख, निर्देशक संजय शर्मा, निर्देशक और लेखिका वैशाली केंडले, विशाल कामले और उनकी टीम ने कुशलतापूर्वक निभाया है। महोत्सव में चयनित 15 उत्कृष्ट फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे विभिन्न पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। इस महोत्सव के आयोजन में प्रो. शत्रुघ्न बिडकर, प्रकाश बिडकर, निर्देशक नीलेश जलमकर, प्रो. सदाशिव शेल्के, अशोक भारद, अनिल माल्गे, विष्णुभाऊ निंबालकर, मनोज देशमुख, अनुराग मिश्रा, मधु जाधव, डॉ. संजय खड़कर, प्रो. मोहन खड़से, बबन कंकीराड, अशोक डेरे, श्रीराम पालकर, किशोर बाली, विश्वास साठे, कुणाल आदि शामिल हैं। देशमुख, विशाल खराटे, उत्कर्ष खोत्रे, शेषपाल गनवीर, सौरभखावले, स्वप्निल बोरकर, परेश देशमुख, आशय मोरे, सचिन वाघ, राजीव बियानी, विनय शर्मा। भाग ले रहे है। हालांकि, महोत्सव के निदेशक डॉ. राजेश देशमुख और आयोजकों ने सभी फिल्म प्रेमियों और जिज्ञासु लोगों से इस महोत्सव में भाग लेने का आग्रह किया है। इस वर्ष, डैडी देशमुख लघु फिल्म महोत्सव युवा फिल्म निमार्ताओं का उत्सव होगा।

संपादकीय

रेप पीड़िता, कुलदीप सेंगर और न्यायालय

ईसा के शरीर के हर अंग पर कीलें ठोंकी जा रही थीं। हर जगह से बहती हुई खून की धारा। तब भी ईसा प्रार्थना कर रहे थे - हे प्रभु, इन्हें माफ करना। ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं? जो दोषी थे। अज्ञानता में कीलें ठोंक रहे थे, उनके लिए प्रार्थना। अद्भुत और अविस्मरणीय। ईसा का समय कुछ और था और मौजूदा समय कुछ और। ईसा सामंती व्यवस्था के हिस्से थे। सामंत का आदेश ही कानून था। आज लोकतांत्रिक व्यवस्था है। देश में एक संविधान है, न्यायालय है, प्रशासन है, संसद और विधानसभाएं हैं। कुलदीप सेंगर नामक एक विधायक एक बच्ची के साथ बलात्कार करता है। उसके पिता की हत्या होती है। ट्रायल कोर्ट उसे सजा देता है और दिल्ली का उच्च न्यायालय सजायाफ्ता कुलदीप सेंगर को जमानत देता है। उत्तर प्रदेश का एक मंत्री ओमप्रकाश राजभर खलनायक की तरह टिप्पणी करते हुए हंसता है। रेप पीड़िता अपनी मां के साथ न्याय के लिए धरना देने बैठती है तो दिल्ली पुलिस उसे उठा ली जाती है। रेप पीड़िता मात्र धरने पर बैठी और दिल्ली पुलिस गिरफ्तार करने आ गयी। इतना डर और खौफ! अपराधी को बचाने के लिए इतनी तत्परता! क्या यह लोकतंत्र है!

इस संगीन अपराधकर्म में न्यायपालिका भी है, विधायिका भी और कार्यपालिका भी। तीनों पर से वस्त्र उतर रहे हैं। बिल्किस बानो का केस याद होगा। निचली अदालत अपराधियों की सजा माफ करता है। अपराधी जेल से निकलता है तो ध्वजधारी पार्टी के लोग माला लेकर उसके स्वागत में नारे लगाते हैं। यह कौन समाज है भाई! गर यही हाल रहा तो सिस्टम पर कोई विश्वास नहीं करेगा और तब न्याय के लिए हर हाथ में कट्टा होगा। प्रधानमंत्री को भी कट्टे से बहुत प्यार है। चुनाव तक में वे कट्टे का बेधड़क इस्तेमाल करते हैं। कुलदीप सेंगर उन्हीं के दल का माननीय विधायक था। यह कट्टा उनकी गर्दन पर नहीं चला, चुनावी लाभ के लिए कांग्रेस की गर्दन सामने थी। योगी आदित्यनाथ में योगी जैसा कुछ नहीं है। उनका भी बुल्डोजर नहीं चला। ईसा ने तो माफ कर दिया, मगर नृशंस सेंगर को माफी कौन दे? वह पीड़िता क्या करे? क्या पीड़िता भी माफ कर दे! क्या पीड़िता कहे कि बलात्कारी को माफ किया जाता है? क्या इससे असभ्य समाज अपनी असभ्यता भूल जायेगा? क्या कुलदीप सेंगर इस माफी से पश्चाताप करेगा? दिल्ली उच्च न्यायालय का यह निर्णय न केवल चौंकाता है, बल्कि यह बताता है कि हम कहां पहुंच गए हैं। जज महोदय, कुछ तो मान रखिए कानून का। मंत्री महोदय को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त कीजिए बुल्डोजर महोदय। घृणित सिस्टम का विकास मत कीजिए। लोकतंत्र में अपनी बात कहने का हक है। रेप पीड़िता किसी की हत्या नहीं कर रही थी। वह तो एक पोस्टर लेकर बैठी थी। संविधान क्या उसे इतना अधिकार भी नहीं देता? रेप पीड़िता कैसा जीवन जी रही होगी! पिता की हत्या हो गई। अकेली मां और वह। समाज की लांछना झेलते हुए न्याय की गुहार लगाती रेप पीड़िता!

अरावली की बलि टली

> फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) ने 2010 में कहा था कि अरावली पर्वत श्रृंखला में उन्हें ही पर्वत माना जायेगा, जिनकी ढलान तीन डिग्री से ज्यादा हो। ऊंचाई 100 मीटर के ऊपर हो और दो पहाड़ियों के बीच की दूरी 500 मीटर हो। हालांकि, कई ऊंची पहाड़ियां भी इन मानकों पर नहीं थीं, इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने पर्यावरण मंत्रालय, एफएसआई, राज्यों के वन विभाग, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और अपनी समिति के प्रतिनिधियों को लेते हुए एक और समिति बनाई, इस समिति को अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा तय करने का दायित्व दिया गया था, इसी क्रम में 20 नवंबर 2025 को समिति की रिपोर्ट को उच्चतम न्यायालय स्वीकार कर लिया।

-बीपी गौतम-

भारत से भी प्राचीन अरावली पर्वत श्रृंखला पर उच्चतम न्यायालय के आदेश से संकट खड़ा हो गया है, जिसका देश भर में विरोध किया जा रहा है। वैज्ञानिक, भौगोलिक, सामाजिक और धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण अरावली पर्वत श्रृंखला की बलि हाल-फिलहाल टल गई है। केंद्र सरकार ने श्रृंखला के अस्तित्व से छेड़छाड़ न करने को लेकर आश्वस्त करते हुये खनन के नये पट्टों पर पूरी तरह रोक लगा दी है पर, अभी संकट पूरी तरह टला नहीं है, इस अस्थाई प्रतिबंध को स्थाई कराने तक लोगों को अपना विरोध जारी रखना होगा। हालांकि प्रकरण को लेकर उच्चतम न्यायालय में भी फैसले को चुनौती दी गई है, इसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है प्रकरण

फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) ने 2010 में कहा था कि अरावली पर्वत श्रृंखला में उन्हें ही पर्वत माना जायेगा, जिनकी ढलान तीन डिग्री से ज्यादा हो। ऊंचाई 100 मीटर के ऊपर हो और दो पहाड़ियों के बीच की दूरी 500 मीटर हो। हालांकि, कई ऊंची पहाड़ियां भी इन मानकों पर नहीं थीं, इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने पर्यावरण मंत्रालय, एफएसआई, राज्यों के वन विभाग, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और अपनी समिति के प्रतिनिधियों को लेते हुए एक और समिति बनाई, इस समिति को अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा तय करने का दायित्व दिया गया था, इसी क्रम में 20 नवंबर 2025 को समिति की रिपोर्ट को उच्चतम न्यायालय स्वीकार कर लिया। हालांकि न्यायालय की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी के. परमेश्वर ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह परिभाषा काफी संकीर्ण है और सभी पहाड़ियां, जिनकी ऊंचाई 100 मीटर से कम है, वह खनन के लिए योग्य हो जायेंगी, इससे पूरी श्रृंखला पर असर पड़ेगा, इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी ने तर्क दिया था कि एफएसआई के पुराने मानक अरावली पर्वत श्रृंखला के और बड़े क्षेत्र को पर्वत की परिभाषा से बाहर करते हैं, ऐसे में समिति की 100 मीटर की पहाड़ियों को पर्वत श्रृंखला मानने का तर्क काफी बेहतर है, इन सभी तर्कों को सुनने के बाद उच्चतम न्यायालय ने अरावली पर्वत श्रृंखला पर बेहतर प्रबंधन योजना तैयार करने के निर्देश जारी किये थे, इस योजना के अंतर्गत उन क्षेत्रों को पहले से तय किया जायेगा, जहां खनन को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जायेगा, साथ ही उन क्षेत्रों को भी पहचाना जायेगा, जहां सिर्फ सीमित या, नियमित ढंग से ही खनन को मंजूरी मिल पाये। न्यायालय ने खनन के लिये नये पट्टे देने पर वर्तमान में प्रतिबंध बरकरार रखा है। विशेष तथ्य यह है कि समिति ने पाया कि राजस्थान का 2006 से एक स्थायी नियम था, जिसमें कहा गया है कि 100 मीटर या, उससे ऊंचे भूमि स्वरूप को पहाड़ी माना जायेगा और उसकी न्यूनतम सीमा के अंदर खनन प्रतिबंधित होगा, इसी नियम को आधार मानते हुए समिति ने अन्य सभी राज्यों को भी अपनाने को कह दिया। उच्चतम न्यायालय ने समिति की संस्तुति को मान्यता तो दे दी है लेकिन, कोर और अविनाशी क्षेत्रों, संरक्षित क्षेत्रों, इको-सेंसिटिव जोन, टाइगर रिजर्व, वेटलैंड्स और उनके आस-पास खनन पर पूरी तरह रोक जारी रखी है। उच्चतम न्यायालय यह भी कहा है कि अरावली पर्वत श्रृंखला क्षेत्र में नए खनन लीज तब तक नहीं दी जाएगी जब तक भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद द्वारा सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं हो जाती।

मैपिंग न होने तक लगाई रोक

समिति ने मार्च 2025 में साफ किया कि पर्यावरणीय तौर पर संवेदनशील क्षेत्रों में खनन पूरी तरह रोका जाना चाहिए। पत्थर तोड़ने की इकाइयों पर भी कड़ा नियम लागू करने का प्रस्ताव दिया गया। समिति ने कहा कि जब तक सभी राज्यों में अरावली पर्वत श्रृंखला की पूरी मैपिंग नहीं कर ली जाए और इसके प्रभाव की रिपोर्ट न पूरी हो जाए तब तक खनन के नए पट्टे न दिए जायें और पुराने पट्टे नवीनीकृत न हों।

हरित दीवार परियोजना शुरू की

केंद्र सरकार ने जून 2025 में हरित दीवार परियोजना शुरू की, इसके अंतर्गत अरावली पर्वत श्रृंखला में आने वाले चार राज्यों के 29 जिलों में इन पर्वतों के आस-पास पांच किलोमीटर का जंगल वाला क्षेत्र बनाया जायेगा, जो बफर की तरह काम करेगा, इससे 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर खराब भूमि को पुनः उपजाऊ बनाया जा सकेगा।

अशोक गहलोत ने शुरू किया कैपेंन

उच्चतम न्यायालय का आदेश सार्वजनिक हुआ तो, पर्यावरणविदों और विपक्ष ने विरोध शुरू कर दिया। सोशल साइट्स पर ह्यसेव अरावलीह्व कैंपेन देश भर में शुरू हो गया। राजस्थान में कैंपेन की अगुवाई पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टि से अरावली एक निरंतर श्रृंखला है, इसकी छोटी पहाड़ियां भी उतनी ही अहम हैं, जितनी कि बड़ी चोटियां। अगर दीवार में एक भी ईंट कम हुई तो, सुरक्षा टूट जायेगी। अरावली कोई मामूली पहाड़ नहीं बल्कि, प्रकृति की बनाई हुई ग्रीन वॉल है, यह थार रेगिस्तान की रेत और गर्म हवाओं को दिल्ली, हरियाणा और यूपी के उपजाऊ मैदानों की ओर बढ़ने से रोकती है। यदि गैपिंग एरिया या, छोटी पहाड़ियों को खनन के लिए खोल दिया गया तो, रेगिस्तान हमारे दरवाजे तक आ जायेगा और तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि होगी, यह पहाड़ियां और यहां के जंगल एनसीआर एवं आस-पास के शहरों के लिए फेफड़ों का काम करते हैं, यह धूल भरी आंधियों को रोकते हैं और प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गहलोत ने चिंता जताई कि जब अरावली के रहते हुए स्थिति इतनी गंभीर है, तो अरावली के बिना स्थिति कितनी वीभत्स होगी, इसकी कल्पना भी डरावनी है। अरावली को जल संरक्षण का मुख्य आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी चट्टानें बारिश के पानी को जमीन के भीतर भेजकर भूजल रिचार्ज करती हैं। अगर पहाड़ खत्म हुए, तो भविष्य में पीने के पानी की गंभीर किल्लत होगी, वन्यजीव लुप्त हो जाएंगे और पूरी इकोलॉजी खतरे में पड़ जायेगी।

राजस्थान की 90 प्रतिशत पहाड़ियां नियम में फंसीं

सरकारी और तकनीकी अध्ययनों के अनुसार राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखला की लगभग 90 प्रतिशत पहाड़ियां 100 मीटर की ऊंचाई की शर्त पूरी नहीं करतीं, जिससे राज्य की मात्र 8 से 10 प्रतिशत पहाड़ियां ही कानूनी रूप से अरावली पर्वत श्रृंखला मानी जायेंगी, जबकि शेष लगभग 90 प्रतिशत पहाड़ियां संरक्षण कानूनों से बाहर हो सकती हैं, जबकि अरावली पर्वत श्रृंखला की छोटी और मध्यम ऊंचाई की पहाड़ियां वर्षा जल को रोकने, भूजल रिचार्ज करने, धूल भरी आंधियों को थामने और थार रेगिस्तान के फैलाव को रोकने में अहम भूमिका निभाती हैं। पर्यावरणविदों की चेतावनी है कि यदि यह पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हुईं तो, अलवर, जयपुर, दौसा, सीकर, झुंझुनूं, उदयपुर और राजसमंद जैसे जिलों में भू-जल स्तर और नीचे गिर जायेगा, सूखे की तीव्रता बढ़ेगी और खनन व अनियंत्रित निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। पहले से ही जल-संकट से जूझ रहे राजस्थान के लिये स्थिति पर्यावरण के साथ आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य को लेकर और भयावह हो जायेगी। पर्यावरणविदों का मानना है कि अब लड़ाई न्यायालय या, सरकार तक सीमित नहीं है बल्कि, समाज की साझा जिम्मेदारी है। अरावली पर्वत श्रृंखला का नुकसान स्थायी हो सकता है, क्योंकि एक बार पहाड़ कटे और जलधाराएं टूटीं तो, उन्हें वापस लाने में सदियां लग जाती हैं, जिससे जन-जागरण ही एक मात्र सही विकल्प है।

खनन के नये पट्टों पर प्रतिबंध

केंद्र सरकार ने राज्यों को नए निर्देश दिए हैं, जिनमें कहा गया है कि अरावली पर्वत श्रृंखला क्षेत्र में खनन के नए पट्टे देने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली से गुजरात तक खनन के लिए नए पट्टे की मंजूरी देने पर पूरी तरह से रोक रहेगी।

मानक पर खरा नहीं उतरने वाली दवाओं से तबाह होती जिंदगी

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

भले ही यह दावा किया जाता है कि दवाओं की जांच के लिए जो सैंपल लिए जाते हैं उनमें से केवल 3 प्रतिशत दवाएं निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरती पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दवा के एक भी नमूने में निर्धारित मात्रा व संयोजन में कंपोनेंट नहीं है तो यह स्वीकार नहीं होनी चाहिए।

पिछले कुछ माह के समाचारों का ही विश्लेषण किये जाये तो मध्यप्रदेश, राजसथान सहित देश के कई हिस्सों में खांसी की दवा के चलते बच्चों की जान ना केवल सांसत में आई बल्कि कुछ बच्चों को तो जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। हालांकि सफाई दी गई कि दवा डाक्टर ने नहीं लिखी थी या चिकित्सालय से दवा नहीं दी गई थी।

मानक पर खरा न उतरने वाली दवा तैयार कर जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं होना उनके हौसले को ही बढ़ाती है। माना जाता है कि नकली पेस्टीसाइड बनाने व बेचने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है तो फिर दवाओं के सैंपल फेल हो जाने पर उन बेची गई दवाओं को बाजार से हटाने की बात तो कर दी जाती है पर किसी दवा निमार्ता को दवाओं के सैंपल विफल होने पर सजा मिलने के समाचार दिखाई नहीं देते। गत पांच सालों में 14 हजार से अधिक दवाओं के सैंपल विफल हुए हैं। इनमें से अधिकांश बुखार, खांसी के साथ ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी गंभीर बीमारियों की दवा भी है। अब कल्पना की जा सकती है कि बीपी या शुगर के बीमार पर ऐसी दवाओं का क्या असर होता होगा या हो सकता है।

सामान्य से गंभीर बीमारी की दवाओं के सैंपल विफल होना इस बात का साफ संकेत है कि दवा निमार्ताओं में ना तो मरीजों के प्रति गंभीरता है और ना ही किसी कानूनी कार्रवाई का डर। यह तो वह आंकड़े हैं जो सामने आ जाते हैं नहीं तो बाजार में आने वाली दवाओं के सभी के सभी बैच के सैंपल जांच के लिए लेना या जांच करना संभव भी नहीं तो व्यावहारिक भी नहीं लगता। ऐसे में अमानक पाये जाने पर कठोर कार्रवाई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों में भय व सबक सिखा सकती है।

दवाओं के निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने के साथ जीवनदायिनी दवाओं के तेजी से बेअसर होना भी एक समस्या होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौर-तरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबूझकर लापरवाही बरतने के साथ ही खानपान से जुड़ी गलतियां भी हैं। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेअसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है।

दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को इलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धड़ल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पहुंचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है।

दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देश-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इंमरजेंसी के रुप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिशत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रेन, हार्ट आदि प्रभावित होने लगे हैं। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है।

इसे सकारात्मक ही माना जाएगा कि आज लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हुए हैं। जरा सा स्वास्थ्य गड़बड़ाने लगते ही लोग दवाओं का सहारा लेना आरंभ कर देते हैं। ऐसे में दवाओं की गुणवत्ता और मानकों पर खरा होना अधिक आवश्यक हो जाता है।

आवश्यक हो गया है समानता का शंखनाद

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

वर्तमान वर्ष की विदाई का समय नजदीक आ चुका है। गुजरे अतीत के तीखे अनुभवों और निराशाजनक परिणामों को नम आंखों से स्वीकारने वाले लोग भी नूतन वर्ष की पहली किरण के साथ उम्मीदों के हिंडोले पर बैठेंगे। सरकार की दोगली नीतियों वाले पाटों में फंसे ज्यादातर मध्यम वर्गीय परिवार ही है जिनके पास न तो गरीबी की रेखा के नीचे वाला कार्ड है और न ही जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु संसाधन। आत्म सम्मान के चीथलों में लिपटा यह समुदाय तो स्वाधीनता के बाद से निरंतर उपेक्षा, शोषण और तानाशाही का शिकार होता रहा। वास्तविकता तो यह है कि कार्यपालिका में मौजूद स्थाई कर्मचारियों-अधिकारियों के संगठनात्मक स्वरूप से सामने अब विधायिका को स्वयं का सम्मान बचाये रखने की जद्दोजेहद करना पड रही है। देश की आन्तरिक नीतियों को तय करने का मसौदा तैयार करने वाले विशेषज्ञों की जमात अधिकारों के गलीचों से होकर गुजरती है। विभागीय जटिलताओं से पूरी तरह अनभिग्य जनप्रतिनिधियों के सामने स्वयं के अस्तित्व को बचाये रखने का संकट हमेशा मौजूद रहता है। ऐसे में इसी जमात को प्रसन्न रखने के हर सम्भव प्रयास सरकारों करती रहतीं हैं। आगामी 31 दिसंबर को सातवां वेतन आयोग खत्म हो रहा है। आठवें वेतन आयोग को लागू होने की संभावना 1 जनवरी 2026 से है। सरकार ने विगत जनवरी 2025 में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन करके आख्या प्रस्तुत करने हेतु 18 महीने की समय सीमा निर्धारित कर दी थी। आठवें वेतन आयोग में लगभग 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की संभावना है। आंकडे गवाह हैं कि 6वें वेतन आयोग में लगभग 40 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई थी जबकि 7वें वेतन आयोग में लगभग 23 से 25 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। तब फिटमेंट फैक्टर 2.57 रहा जबकि अब 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.15 से 3.0 के बीच रहने की संभावना है। वेतन वृद्धि पूरी तरह से फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर है। अगर प्रस्तावित 2.15 का फॉमूर्ला लागू होता है तो बेसिक वेतन में भारी बढोत्तरी होगी। लेवल-1 यानी चपरासी या शुरूआती स्तर के कर्मचारियों का बेसिक वेतन यदि 18 हजार रुपये है तो यह सीधे दोगुने से अधिक होकर 38 हजार 700 रुपये हो जायेगा। वहीं लेवल-18 यानी उच्च अधिकारियों का बेसिक वेतन यदि ढाई लाख रुपये हैं तो यह बढोत्तरी 5 लाख 37 हजार 500 रुपये हो जायेगी। यह केवल बेसिक वेतन है। इसमें अन्य बढोत्तरियां अभी शामिल होना बाकी हैं। पूरी पगार जादूई आंकडों को छूने के लिए तैयार है। यदि इसे लागू होने में विलम्ब भी होता है तो भी एरियर के रूप में भुगतान की व्यवस्था पहले से ही मौजूद है। यह लाभ केवल वर्तमान सेवाकर्मियों को ही नहीं बल्कि पेंशनधारियों को भी प्राप्त होगा। गोरी सरकार ने गुलामों की जमातें पैदा करने के लिए यह व्यवस्था लागू की थी जिसे स्वाधीनता के बाद भी यथावत स्वीकार लिया गया था।

केन्द्र सरकार के अधीन आने वाले स्थाई कामगारों के लिए वेतन बढोत्तरी का वरदान उनके संगठनात्मक स्वरूप को मिलने वाला है जबकि राज्य सरकारों के लिए यह एक नया सिरदर्द पैदा करेगा। राज्य कर्मचारियों द्वारा बनाये गये संगठन भी अपने लिए इसी वेतन की मांग को लेकर विद्रोहात्मक रूख अख्तियार कर सकते हैं। देश के अनेक राज्यों में चुनावी बिगुल बजने की तैयारियां की जाने लगीं हैं। इस कारण सरकारी कामगारों की मांगों को मानने की मजबूरी सर्वविदित है। यह तो रही सरकारी सेवाओं में लगे आलीशान सेवकों की विलासतापूर्ण स्थितियां जिन्हें वे खाका बनाकर स्वयं ही उनमें मनचाहे रंगों से भर देते हैं। कार्यपालिका के प्रस्तावों को स्वीकार करना विधायिका की मजबूरी है। इंकार करने की स्थिति में नकारात्मक वातावरण का निर्माण करके सत्ताधारी दलों तथा चयनित जनप्रतिनिधि को धूल चटाने में माहिर यह जमात पर्दे के पीछे से तख्तापलट जैसे कार्यों को हमेशा से ही अंजाम देती रही है। स्थाई कर्मचारियों-अधिकारियों ने अपने दायित्वों की पूर्ति हेतु गुलामों की सीधी भर्ती कर रखी है जिन्हें संविदाकर्मी के नाम से पुकारा जाता है। गुलामों का यह समूह अपने कर्तव्यों के साथ-साथ उच्च अधिकारियों के दायित्वों की पूर्ति के लिए भी विवस रहता है। उन्हें संविदा समाप्ति की धमकी देकर अधिकारियों द्वारा अपनी तानाशाही का शिकार बनाया जाता है। कुछ दिन पहले ही बजट का रोना रोने वाले अनेक अधिकारियों पर परियोजना के लिए आवंटित धनराशि का अन्यत्र उपयोग करने, मनमानी व्यवस्था करने तथा तानाशाही पूर्ण निर्णय लेने के आरोप सामने आये थे। एक ओर जहां सरकारें रोजगार के अवसर पैदा करने के दावे करतीं हैं वहीं संविदाकर्मियों के साथ होने वाला सौतेला व्यवहार उनके दावों को आइना दिखा देता है। हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि अब चन्द सिक्कों के लिए धरातल पर काम करने वाले निरीह संविदाकर्मियों पर मोटी पगार उठाने वाले वातानुकूलित अधिकारियों को शोषणात्मक प्रकोप निरंतर तेज होता जा रहा है। यही हैं वे मध्यम वर्गीय लोग जो अपने सार्वजनिक रूप से आत्मसम्मान की रक्षा करते हुए बंद कमरों में तानाशाह अधिकारियों के मनमाने हुकुम मानने के लिए मजबूर हैं। ईमानदाराना बात तो यह है कि धरातल पर काम करने वाले एक कर्मचारी के ऊपर रिपोर्ट लेने वाले एक दर्जन से अधिक अधिकारी बैठे हैं जिन्हें पांच सितारा आफिस, लग्जरी कार और आलीशान बंगलों की विलासतापूर्ण सुविधायें सरकारी खजाने से प्रदान की गई हैं। संविदाकर्मियों के लिए कार्य के घंटे और कार्य का स्वरूप पूरी तरह से असंतुलित है। इन कर्मियों के लिए काम के घंटे निर्धारित नहीं है बल्कि कार्य की अधिकता को लादने का फैशन चल निकला है। ऐसे में समान वेतन, समान कार्य, समान अधिकार लागू करना नितांत आवश्यक है अन्यथा लालफीताशाही के परजीवा वृक्ष द्वारा देश के आन्तरिक हालत विस्फोटक बनते चले जायेंगे। वर्षारम्भ पर मंहगा पडेगा समानता को तिलांजलि देना।

यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

-तनवीर जाफरी-

'क्रिसमस' प्रत्येक वर्ष की भांति गत 25 दिसंबर को भी पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दुबई की मशहूर एयरलाइन एमिरेट्स ने एक अनोखा वीडियो जारी किया, जिसमें दिखाया गया कि उनके बड़े विमान एयरबस ए 380 को सांता क्लॉज की जादुई स्लेज में बदल दिया गया है। इस विमान को "स्लेज 380" का नाम दिया गया है। इस वीडियो में ए380 को रुडॉल्फ रेनडियर की तरह लाल नाक और बड़े सींग लगाए गए हैं, और उपहारों से भरी एक विशाल स्लेज विमान से जुड़ी दिखती है। विमान रनवे पर दौड़ता है और आसमान में उड़ान भरता है, जैसे सांता दुनिया भर में गिफ़्ट बांटने जा रहा हो। एमिरेट्स ने इस सीजन में यात्रियों को खास तोहफे भी दिए, जिसमें फेस्टिव ड्रिंक्स, थीम्ड मिठाइयां, विंटर-स्टाइल लाउंज और लिमिटेड एडिशन क्रिसमस गिफ़्ट शामिल हैं। वैसे भी चूँकि क्रिसमस मनाने के साथ ही नये वर्ष के स्वागत की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं इसलिये भी दुनिया के सभी देश व सभी धर्मों व वर्गों के लोग भी क्रिसमस मनाने में अपनी दिलचस्पी दिखाते हैं।

भारत में भी लगभग 2.8 करोड़ ईसाई रहते हैं जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 2.3% है। ईसाई समुदाय भारत में तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक समूह है। लिहाजा यहाँ भी ईसाई समुदाय क्रिसमस, गुड फ़्राइडे व नव वर्ष जैसे अपने सभी त्यौहार सदियों से मनाते आ रहे हैं। वैसे भी ब्रिटिशकाल में भारत में अंग्रेजों ने जहां विकास सम्बन्धी तमाम इबारतें लिखीं वहीं उनके शासन में देश भर में अनेक बड़े व ऐतिहासिक चर्च, स्कूल व अस्पताल भी निर्मित किये गये। आज भी क्रिश्चियन मिशनरी देश की शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान अदा कर रही है। इन सब वास्तविकताओं को दरकिनार कर देश का एक दक्षिणपंथी वर्ग ऐसा है जिसके संस्कारों में ही धर्म विशेष के लोगों से नफरत करना व उनके धार्मिक रीति रिवाजों व परंपराओं का विरोध करना शामिल है। नकारात्मकता की सोच से भरे इसी विचारधारा के लोग विगत कई वर्षों से क्रिसमस त्यौहार मनाये जाने का विरोध करते आ रहे हैं। जबकि 'सर्व धर्म समभाव ' जैसे गांधीवादी विचारों का अनुसरण करने वाला देश का आम नागरिक सभी धर्मों के त्योहारों व परंपराओं व रीति रिवाजों में खुशी से शरीक होकर प्रत्येक उत्सव का आनंद लेना चाहता है साथ ही एक दूसरे धर्म के लोगों के प्रति अपनी एकजुटता दिखाना चाहता है।

नफरत, नकारात्मकता, संकीर्णता व साम्प्रदायिक वैमनस्य की सोच से भरे इन्हीं तत्वों ने गत क्रिसमस के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न चर्चों व सार्वजनिक स्थलों पर ऐसा तांडव किया जिसकी चर्चा देश के मीडिया में कम परन्तु विदेशी मीडिया में ज्यादा हुई। इस दौरान भारत के विभिन्न राज्यों में ईसाई समुदाय के विरुद्ध हुई घटनाओं में तोड़फोड़, हमले और उत्पात की कई रिपोर्ट्स सामने आईं। उदाहरण स्वरूप छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मैग्नेटो मॉल में भीड़ ने क्रिसमस डेकोरेशंस में तोड़फोड़ की, जिसमें लाखों का नुक़्सान हुआ। जबकि कांकेर जिले में दो चर्च जला दिये गए और कई ईसाई घरों को निशाना बनाया गया। इसी तरह असम के नालबाड़ी में सेंट मैरी स्कूल में वी एच पी कार्यकताओं ने क्रिसमस बैनर्स और डेकोरेशंस को जलाया व स्कूल के पास की दुकानों पर भी हमले किये। इसी तरह केरल के पलक्कड़, चारूमूडू व पुडुसेरी में बच्चों के कैरोल ग्रुप पर हथियारों से हमला किया गया जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे। इसी तरह मध्य प्रदेश के जबलपुर में भी कुछ इलाकों में ईसाई धर्मावलंबियों की प्रार्थना सभाओं और धार्मिक आयोजनों के दौरान मारपीट और हंगामा किए जाने की खबर है जबकि झाबुआ में प्रेयर मीटिंग में व्यवधान डाला गया जिसमें एक नेत्रहीन महिला पर हमला किया गया। उत्तर प्रदेश में सेंट अल्फोंसस कैथेड्रल के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ लाउडस्पीकर पर बजाया गया, लखनऊ में कैथेड्रल सर्विस में तेज आवाज से धार्मिक भजन बजाए गये। इसी प्रकार राजस्थान के जोधपुर और नागौर में एक स्कूल में क्रिसमस बैनर्स तोड़े गए, नागौर में युवाओं ने स्कूल के सामने मंदिर का होने का बहाना बनाकर तोड़फोड़ की। दिल्ली के लाजपत नगर व पूर्वी दिल्ली में सेंटा कैप पहनी महिलाओं और बच्चों को बाजार से भगाया गया एक बाजार में जबरदस्त उत्पात मचाया गया।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त खबरें

प्रॉपर्टी डीलर को गोली मारने के मामले में दीपक अगरौला के भाई पर रिपोर्ट

लोनी। अंकुर विहार थाना क्षेत्र के सभापुर अंडरपास के पास हत्या के मुकदमों में पैरवी कर रहे प्रॉपर्टी डीलर मुकुल बंसल को गोली मारने के आरोप में कुख्यात बदमाश दीपक अगरौला के भाई मुन्ना समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस की पांच टीमें बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि घायल मुकुल बंसल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके परिवार में दो लोगों की हत्या दीपक अगरौला गैंग के सदस्यों ने की थी। दोनों हत्याओं में वह पैरवी कर रहे हैं। इस बात से दीपक अगरौला गैंग के सदस्य नाराज चल रहे हैं। उनकी हत्या की भी योजना है। बृहस्पतिवार को वह सभापुर अंडरपास के पास वाशिंग सेंटर पर कार धुलवाने के लिए रुके थे। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि जब वह कार से निकलकर पास पड़ी कुर्सी पर बैठे तो गांव निवासी जेल में बंद दीपक के भाई राजे उर्फ मुन्ना व उसके दो साथियों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोलियां उनके दोनों हाथों व दायें पैर में लगी।

तुलसी निकेतन में कुत्ते ने एक व्यक्ति के पैर में काटा

साहिबाबाद। तुलसी निकेतन कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर कुत्ते ने एक व्यक्ति पैर पर काट लिया। व्यक्ति के पैर पर कुत्ते के गहरे दांत लगने से गहरा घाव हो गया। इसके बाद कॉलोनी में डर का माहौल बन गया। लोगों का आरोप है कि कॉलोनी में दो कुत्ते पागल घूम रहे हैं। इसके बाद लोगों ने नगर निगम से शिकायत कर कुत्तों को जल्द से जल्द पकड़ने को कहा। कॉलोनी के सचिव किशन रावत ने बताया कि कॉलोनी में कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। फ्लैट नंबर 1100 के पास शुक्रवार को एक कुत्ते ने लगभग पांच लोगों को काटकर घायल किया। स्थानीय निवासी भीम ने बताया कि कॉलोनी में सीढ़ियों की मरम्मत करने आए 40 वर्षीय सुनील मिस्त्री को दोपहर लगभग एक बजे कुत्ते ने पैर पर काट लिया। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत उपचार के लिए भेजा।

बाइक चालक और पीछे बैठी सवारी को मारी टक्कर, घायल

गाजियाबाद। विजयनगर क्षेत्र में सिद्धार्थ विहार ताज हाईवे के पास तेज रफ्तार कार ने पीछे से रैपिडो बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक व पीछे बैठी सवारी घायल हो गई। मामले में बागू निवासी जुगेंद्र सिंह ने विजयनगर थाने में कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। जुगेंद्र ने बताया कि उनका भाई राकेश देर रात रैपिडो बाइक बुक करके घर लौट रहा था। जैसे ही वह बाइक से सिद्धार्थ विहार ताज हाईवे के पास पहुंचा तो उनकी बाइक में पीछे से किसी कार ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

रेस्तरां में बिना अनुमति पिलाई जा रही थी शराब, मालिक गिरफ्तार

गाजियाबाद। आबकारी की टीम ने बृहस्पतिवार रात को आरडीसी स्थित फ्लॉक ओ क्लॉक रेस्तरां में छापा मारा। रेस्तरां में बिना लाइसेंस हरियाणा मार्का की अंग्रेजी शराब पिलाई जा रही थी। वहां से खुली और सीलबंद बोतलें भी बरामद हुईं। इस मामले में आबकारी विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए रेस्तरां के मालिक हिमांशु निवासी भौंजा पटेलनगर को गिरफ्तार कर लिया है। आबकारी निरीक्षक कीर्ति सिंह ने बताया कि आरडीसी स्थित फ्लॉक ओ क्लॉक रेस्तरां में बिना लाइसेंस शराब परोसे जाने की गोपनीय सूचना मिली थी। घेराबंदी कर रेस्तरां में छापा मारा गया।

सोशल मीडिया पर लाइव आकर विरोधियों को ललकारा लोकेशन भी बताई, विरोधी गैंग ने कर दी हत्या

दिल्ली : दक्षिण-पश्चिमी जिले के साउथ कैंपस क्षेत्र में हत्या का एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। यहां पर मोती बाग में युवक कौशल (20) ने सोशल मीडिया पर शुक्रवार सुबह वीडियो डालकर अपने दुश्मनों को खुद की हत्या करने के लिए ललकारा। उसने लाइव आकर कहा कि मैं डीडीए के पार्क में खड़ा हूं मुझे मारना चाहते हो तो यहां आ जाओ, चाहे मुझे चाकू मारो या चाहे गोली मार दो। इस वक्त पार्क में अकेला हूं और कोई भी मौजूद नहीं है। इतना सुनते ही उसके विरोधी मौके पर आ गए। जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार हमलावरों ने कौशल व उसके दोस्त कार्तिक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने कौशल को मृत घोषित कर दिया। वहीं हमले में घायल कार्तिक की हालत गंभीर है। स्थानीय लोगों ने बताया की शुक्रवार तड़के तीन बजे के आसपास दोनों युवक घर के पास स्थित उक्त पार्क में मौजूद थे। इसी दौरान उनकी कुछ लड़कों से कहासुनी हुई और फिर आरोपी लड़कों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया और खून से लथपथ हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजनों को वारदात की जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे और उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। सुबह स्थानीय लोग पार्क में पहुंचे वारदात की जगह पर खून फैला हुआ था। बताया कि यह पार्क चारों तरफ से खुला है और हर तरफ से लोगों की आवाजाही रहती है। कौशल शास्त्री मार्केट झुग्गी बस्ती में रहने वाला कौशल राजौरी गार्डन स्थित प्ले स्कूल में घरेलू सहायक का काम करता था। कार्तिक ओखला स्थित एक निजी कंपनी में साफ सफाई का काम करता है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

टास्क पूरा कर कमाई के लालच में गंवा दिए 8.16 लाख

गाजियाबाद। नंदग्राम थाने के सिहानी गांव के सोनू कुमार को टेलीग्राम पर टास्क पूरा करके कमाई का लालच देकर साइबर ठगों ने 8.16 लाख की चपत लगा दी। आरोपियों ने शुरूआत में कथित होटल का रिव्यू करने पर 120 रुपये दिए। फिर दो हजार निवेश कराकर 2800 भेजे। इसके बाद आरोपियों ने विश्वास जीतकर रकम ट्रांसफर कराई। मामले में पीड़ित ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

सोनू कुमार ने बताया कि 12 दिसंबर को व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया था। उसमें रिव्यू करके कमाई होने की बात लिखी थी। उन्होंने लिंक खोला तो उसमें कथित होटल का रिव्यू कराया गया। इसके बदले उनको 120 रुपये मिले। फिर आरोपियों ने प्रस्ताव दिया कि टेलीग्राम पर टास्क पूरा करके और कमाई होगी। लेकिन इसमें उनको कुछ धनराशि निवेश करनी पड़ेगी। पहली बार में उनसे दो हजार रुपये ट्रांसफर कराए। इसके बदले उनको 2800 रुपये मिले। इसके बाद उनका विश्वास बढ़ गया। आरोपियों ने अपने अलग-अलग खातों में 8.16 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। आरोपी उनसे और पैसे की मांग कर रहे थे लेकिन और पैसे का इंतजाम उनके पास नहीं था। चाहते हुए भी वह अपना पैसा नहीं निकाल पा रहे थे। जबकि, जो एप उनको डाउनलोड कराया गया था, उसमें बढ़ी हुई रकम दिख रही थी। जब ठगों को लगा कि और पैसा मिलने वाला नहीं है तो उन्होंने संपर्क तोड़ दिया। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उसको फ्रीज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

चकमा देकर भट्ठा स्वामी को लगाई 5.50 लाख की चपत

गाजियाबाद। लकड़ी का बुरादा और लेबर भिजवाने के नाम पर भट्ठा स्वामी से 5.50 लाख रुपये की ठगी की घटना सामने आई है। मामले में गोविंदपुरम निवासी धनवीर सिंह ने कविनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। धनवीर सिंह ने बताया कि उनका भिक्कनपुर में ईट भट्ठा है। इसलिए उनको लेबर और ईंट पकाई के लिए लकड़ी के बुरादे की जरूरत पड़ती थी। उनकी मुलाकात एक परिचित के माध्यम से मुजफ्फरनगर के भौरा कलां सिसौली निवासी कामिल ठेकेदार से हुई थी। उसने बुरादा और लेबर सप्लाई के नाम पर उनसे 5.50 लाख रुपये ले लिए।

गोवा हादसे के बाद दिल्ली में सख्ती: नए साल के लिए बुकिंग बंद, क्षमता से ज्यादा नहीं होगी एंट्री; पुलिस चौकस

दिल्ली : नए साल और न्यू ईयर ईव के जश्न से पहले दिल्ली पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में है। राजधानी के प्रमुख रेस्तरां, क्लब, पब और पार्टी वेन्यू सुरक्षा को लेकर इस बार किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगा। 31 दिसंबर की रात राजधानी के बाजारों, क्लबों और प्रमुख इलाकों में भारी भीड़ उमड़ती है। दोस्त, परिवार और युवा वर्ग नए साल का स्वागत करने के लिए देर रात तक बाहर रहकर जश्न मनाते हैं। इसी को देखते हुए यह तैयारी है।

कुछ दिन पहले ही गोवा के एक नाइट क्लब में हुए हादसे के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। हौज खास, मोती बाग, साकेत, वसंत कुंज, ग्रेटर कैलाश और कनॉट प्लेस से सटे इलाकों में स्थित बड़े रेस्तरां और क्लबों ने सुरक्षा के नियम और सख्त कर दिए हैं। कई जगहों पर पहले से ही एडवांस बुकिंग बंद कर दी गई है, ताकि क्षमता से ज्यादा भीड़ न हो। इसके अलावा भीड़ को नियंत्रित करने के लिए निजी सुरक्षा गार्डों को भी तैनात किया जा रहा है।

रेस्तरां और क्लबों ने बढ़ाई सुरक्षा, लोग समझें अपनी जिम्मेदारी

कनॉट प्लेस स्थित एक निजी क्लब के मैनेजर ने बताया कि नए साल पर सबसे बड़ी चुनौती भीड़ को नियंत्रित करना होता है। कई बार लोग बिना बुकिंग के पहुंच जाते हैं, जिससे हालात बिगड़ सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए क्लब में केवल तय संख्या में ही लोगों को प्रवेश दिया जाएगा। क्लबों में सामान्य दिनों के मुकाबले दोगुने गार्ड तैनात किए जाएंगे। गेट पर बैग चेकिंग, मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर का इस्तेमाल किया जाएगा। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने कहा कि सभी सदस्य प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्त करने के लिए एक एडवाइजरी जारी की गई है।

हौज खास स्थित एक निजी क्लब के मालिक ने बताया कि हमारे वेन्यू पर पहले से ही सख्त आंतरिक सुरक्षा अभ्यास लागू है। विशेषज्ञों ने कहा कि त्योहारों और बड़े आयोजनों के दौरान सुरक्षा में थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए पहले से तैयारी जरूरी है। प्रशासन ने कहा कि अगर सभी लोग मिलकर जिम्मेदारी निभाएं तो नए साल का जश्न सुरक्षित और खुशहाल हो सकता है।

नए साल पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 20 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगने वाली दिल्ली की सीमाओं के साथ-साथ राजस्थान से सटे इलाकों में भी अतिरिक्त सुरक्षा होगी।

कार्यालय में तोड़फोड़ करने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। न्यू कॉलोनी थाने की पुलिस ने जबरन व अवैध वसूली करने और कार्यालय में तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने आरोपियों से एक स्कॉर्पियो गाड़ी और दो लाठियां बरामद की हैं। आरोपियों को जांच में शामिल करके जमानत पर छोड़ दिया है। आरोपियों की पहचान सोनीपत के नकलोई गांव निवासी संजय उर्फ संजू, सोनीपत के अशोक विहार निवासी रविंद्र औरी झज्जर के इस्माइलपुर गांव निवासी परविंदर के रूप में हुई है। आरोपियों ने 24/25 दिसंबर की रात को अन्य साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए बृहस्पतिवार को दो आरोपियों चरखी दादरी (हरियाणा) के मकड़ाना गांव निवासी रणबीर व विकास को गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने रुपये वापस लौटाने का दबाव बनाने के लिए कार्यालय पर तोड़फोड़ की थी। जांच अधिकारी बलजीत ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार किए हैं। तोड़फोड़ मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

महिला मित्र को गोली मारने के मामले में दोनों आरोपी दो दिन के रिमांड पर

गुरुग्राम। सेक्टर-29 थाना क्षेत्र में क्लब में काम करने वाली महिला को गोली मारने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपियों से गोली चलाने की वारदात में प्रयोग की गई पिस्टल बरामद करेगी। पुलिस आरोपियों से मामले में गहनता से पूछताछ कर रही है। शादी करने से मना करने पर कल्पना को गोली मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-40 की पुलिस ने 25 दिसंबर को दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश के बड़ौत से गिरफ्तार किया था। गोली महिला के पेट में लगने से वह घायल हो गई थी। आरोपियों की पहचान दिल्ली के संगम विहार निवासी तुषार उर्फ जोंटी (25) व शुभम उर्फ जॉनी (24) के रूप में हुई है। तुषार दिल्ली में एक निजी कंपनी में काम करता है और तुषार की पीड़ित कल्पना से करीब छह माह पहले दोस्ती हुई थी। तुषार मामले में शिकायतकर्ता कल्पना से शादी करना चाहता था, जबकि कल्पना बार-बार शादी करने से मना कर रही थी। ऐसे में तुषार ने जान लेने को नीयत से कल्पना पर पिस्टल से गोली चला दी। इसके बाद दोनों उत्तर प्रदेश के बागपत में भाग गए। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि महिला को गोली मारने के मामले में दोनों आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

साइबर ठगों ने 6 लोगों से ठग लिए 8.03 लाख रुपये

फरीदाबाद। साइबर ठगों ने जिले के अलग-अलग इलाके में रहने वाले 6 लोगों से 8.03 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत देने वालों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। ठगों ने टेलीग्राम पर प्रीपेड टास्क में निवेश पर मुनाफे, क्रिप्टो करंसी में निवेश पर मुनाफा दिलाने समेत अन्य बहानों से ये ठगी की। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना एनआईटी, सेंट्रल व बल्लभगढ़ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। पहले मामले में साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ पुलिस को शिकायत बल्लभगढ़ इलाके के रहने वाले अरुण कुमार ने दी है। इनका आरोप है कि 28 जुलाई को ठग ने इनसे टेलीग्राम पर संपर्क किया। आरोपी ने क्रिप्टो करंसी में निवेश पर मुनाफा दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने 3.60 लाख रुपये निवेश करा लिए लेकिन बाद में रिफंड नहीं मिला तो ठगी का अहसास हुआ। दूसरे मामले में साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ पुलिस को शिकायत बल्लभगढ़ इलाके के रहने वाले 27 साल के युवक ने दी है। युवक का कहना है कि 23 अक्तूबर को ठग ने इनके बैंक खाते से 49 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। इनकी जानकारी के बगैर ही बैंक खाते से ये ट्रांजेक्शन हो गई।

तीसरे मामले में साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को शिकायत सेक्टर-19 के रहने वाले 22 साल के युवक रिषभ ने दी है। युवक का आरोप है कि 28 नवंबर से 2 दिसंबर के दौरान टेलीग्राम पर प्रीपेड टास्क में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर इनसे ठगी कर ली गई। आरोपियों ने 97051 रुपये निवेश करा लिए लेकिन रिफंड नहीं दिया।

चौथे मामले में साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को शिकायत सेक्टर-30 के रहने वाले श्याम बाबू ने दी है। इनका कहना है कि 23 दिसंबर को ठग ने कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर संपर्क किया। आरोपी ने मोबाइल पर लिंक भेजकर इनके बैंक खाते से 99 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए।

करोड़ों की पीओएस मशीन नहीं लौटाने पर निदेशक को चेन्नई एयरपोर्ट से दबोचा

गुरुग्राम। करोड़ों रुपये की पीओएस (प्वांइट ऑफ सेल) मशीन बैंक को नहीं लौटाने पर आर्थिक अपराध शाखा-1 ने वेंडर कंपनी के निदेशक को चेन्नई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एलओसी जारी कराया था। पुलिस आरोपी को अदालत में पेश करके रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। आरोपी की पहचान अर्जुन राजू (30) निवासी कोयंबटूर (तमिलनाडु) के रूप में हुई। आरोपी सर्वपोज ग्लोबल ई-सर्विस प्राइवेट लिमिटेड एवं सर्वटेक प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर है।

आर्थिक अपराध शाखा-1 से जांच के बाद डीएलएफ फेज-2 थाना पुलिस को शिकायत मिली थी। जिसमें यूएसए की अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प के प्रतिनिधि ने कहा कि अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक भारत में एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक है। जो क्रेडिट कार्ड जारी करने, सर्विसिंग देने तथा संस्थागत जमा स्वीकार करने जैसी सेवाएं प्रदान करता है। बैंक द्वारा सर्वपोज ग्लोबल ई-सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के साथ पीएओएस टर्मिनल मशीनों को इंस्टॉल करने, परीक्षण करने एवं व्यापारियों को प्रशिक्षण देने के लिए करार किया था। जिसमें बैंक द्वारा वर्ष 2014 से 2019 के बीच कुल 1301 पीएओएस मशीनें वेंडर कंपनी को उपलब्ध करवाईं गई थीं। जिनकी कीमत 1,20,51,193 रुपये थी। वर्ष 2021 में बैंक ने पीएओएस मशीनों के इंस्टॉलेशन का कार्य सर्वटेक प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया। जो कि सर्वपोज कंपनी की ही एक अन्य संबद्ध कंपनी थी। जून 2022 में बैंक एवं सर्वटेक कंपनी के बीच किया गया समझौता समाप्त हो गया, किंतु वेंडर कंपनी द्वारा बिना किसी वैध कारण के तथा दुर्भावनापूर्ण मंशा से बैंक की 1301 पीएओएस मशीनें बैंक को वापस नहीं की गईं और उन्हें अपने कब्जे में रखा गया। जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा-1 गुरुग्राम को सौंपी गई है। आर्थिक अपराध शाखा-1 ने मामले की जांच करते हुए आरोपी के खिलाफ पांच दिसंबर को लुक-आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करवाया और आरोपी को चेन्नई एयरपोर्ट, तमिलनाडु से गिरफ्तार कर लिया।

सांसद खेल महोत्सव का ताऊ देवीलाल स्टेडियम में शुभारंभ आज

गुरुग्राम। जिले में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 27 से 29 दिसंबर तक किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय खेल महोत्सव का उद्घाटन शनिवार को दोपहर 2 बजे ताऊ देवीलाल स्टेडियम में किया जाएगा।

इस प्रतियोगिता में गुरुग्राम, रेवाड़ी और नूंह जिले के खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। जिला प्रशासन की ओर से आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ट्रैफिक और पार्किंग को लेकर भी विशेष योजना बनाई गई है। प्रतियोगिता के लिए तीनों जिलों से कुल 2666 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। ताऊ देवीलाल स्टेडियम में खेलों के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जिनमें खेल मैदानों की तैयारी, खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाएं, दर्शक दीर्घा, चिकित्सा सुविधा और तकनीकी व्यवस्थाएं शामिल हैं। एडीसी सोनू भट्ट ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री एवं स्थानीय सांसद राव इंद्रजीत सिंह द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन खेलों की भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ युवाओं को अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की ओर प्रेरित करेगा।

3100 छात्रों ने दी मिशन बुनियाद के प्रथम चरण की परीक्षा

फरीदाबाद। जिले में शुक्रवार को मिशन बुनियाद के प्रथम चरण की प्रवेश परीक्षा सम्पन्न हुई। राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले आठवीं कक्षा के 3100 छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा में कुल 50 प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का था तथा गलत उत्तर पर 1 अंक की नकारात्मक अंकन व्यवस्था लागू थी। कुल परीक्षा 200 अंकों की थी। बुनियाद परीक्षा के लिए जिले से कुल 4222 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसमें फरीदाबाद ब्लॉक से 2241 और बल्लभगढ़ ब्लॉक से 1989 विद्यार्थियों ने आवेदन किए थे। इस साल आवेदनों की संख्या पिछले साल की तुलना में कहीं ज्यादा है। वर्ष 2023 में करीब 1600 और 2024 में 1895 छात्रों ने इस परीक्षा के लिए आवेदन किए थे। इस बार करीब दो गुना छात्रों के आवेदन प्राप्त हुए।

परीक्षा के लिए में कुल आठ केंद्र बनाए गए थे। फरीदाबाद खंड के लिए राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 28 , राजकीय गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एनआईटी पांच, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फरीदपुर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एनआईटी एक तिकोना पार्क सहित कुल चार केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन हुआ।

वहीं बल्लभगढ़ खंड के लिए राजकीय कन्या आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बल्लभगढ़, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चंदावली, राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 55, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाहर सेतली को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा के शेड्यूल के अनुसार 20 जनवरी को लेवल एक का परिणाम घोषित किया जाएगा। इसी दिन दूसरे चरण की परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड भी जारी किए जाएंगे। इसके बाद 30 जनवरी को दूसरे चरण की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

दिल्लीवालों के फेफड़ों में जम रही है जहरीली हवा, विशेषज्ञों ने चेताया- सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट में

दिल्ली : दिल्ली की प्रदूषित हवा अब सिर्फ मौसमी समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह लोगों के फेफड़ों और दिल के लिए गंभीर और लंबे समय तक रहने वाला खतरा बन चुकी है। प्रदूषण में मौजूद पीएम 2.5 शरीर के लिए घातक है। ऐसे में, राजधानी की हवा में मौजूद पीएम 2.5 विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से कई गुना ज्यादा है, जो कई शारीरिक बीमारियों व समस्याओं के मामलों में स्थायी भी साबित हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 बहुत छोटे कण है, जो सांस के साथ फेफड़ों की गहराई तक पहुंच जाते हैं और वहां जमा हो जाते हैं। शरीर इनको पूरी तरह बाहर नहीं निकाल पाता और एक बार हुआ नुकसान ठीक भी नहीं होता।

अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका की साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि दिल्ली में 2019 से 2023 तक के पांच साल में हवा के इन छोटे कणों का फेफड़ों में जमाव बहुत ज्यादा रहा। ये कण फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करते हैं, सांस लेने में दिक्कत बढ़ाते हैं और दिल को भी नुकसान पहुंचाते हैं। अध्ययन के अनुसार, शाम के समय यात्रा करने वालों को ज्यादा खतरा होता है। विशेषज्ञों ने इसे स्वास्थ्य आपातकाल बताया है। उनका कहना है कि प्रदूषण से होने वाला नुकसान तुरंत शुरू हो जाता है, भले ही लक्षण बाद में दिखें।

विशेषज्ञ बताते हैं कि दिल्ली में गले में खराश, खांसी, सर्दी, छींक, सांस की तकलीफ और आंखों में जलन जैसी शिकायतें तेजी से बढ़ रही हैं। यह सिर्फ सांस की समस्या नहीं, बल्कि पूरा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है जो दिल को भी प्रभावित कर रहा है। वहीं, पल्मोनरी विभाग के डॉक्टरों का कहना है कि जहरीली हवा से फेफड़ों को एक बार नुकसान पहुंच जाए तो उससे छुटकारा पाना बहुत मुश्किल होता है।

फिर से जहरीली हो रही फिजा, हवा खराब से बेहद खराब में दर्ज

राजधानी में हवा की गति धीमी होने और तापमान गिरने के कारण शुक्रवार को हवा एक बार फिर से खराब से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई। ऐसे में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 332 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें बृहस्पतिवार की तुलना में 61 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 394 दर्ज किया गया, यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। वहीं, गाजियाबाद में 382, नोएडा में 376, गुरुग्राम में 312 और गुरुग्राम में 312 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा, फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 234 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। दोपहर चार बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 312.9 और पीएम2.5 की मात्रा 191.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि शनिवार से सोमवार तक हवा इसी श्रेणी में बरकरार रहेगी। इसके चलते सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

नेपाल की अंतरिम सरकार का विस्तार, बालानंद शर्मा बने मंत्री

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपने मंत्रिमंडल में सेना के पूर्व उप प्रमुख ले.ज. बालानंद शर्मा को

शामिल किया। शर्मा ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित सादे समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्की ने पांचवीं बार अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। इसके बाद मंत्रियों की संख्या बढ़कर 15 हो गयी है। विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि शर्मा को विदेश मंत्री बनाया जा सकता है।

जापान में बर्फबारी बनी काल, हाईवे पर भिड़ीं 50 से अधिक गाड़ियां; हादसे में 26 लोग घायल

नई दिल्ली। जापान में साल के अंत की छुट्टियों के दौरान खराब मौसम ने बड़ा हादसा करा दिया। भीषण बर्फबारी के बीच एक एक्सप्रेसवे पर दर्जनों गाड़ियों की आपस में टक्कर हो गई इस हादसे में... जापान में खराब मौसम एक बार फिर लोगों के लिए जानलेवा साबित हुआ है। साल खत्म होने से पहले शुरू हुई छुट्टियों के बीच देश में बर्फबारी ने यातायात व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इसी बीच जापान के

एक प्रमुख हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। यह दुर्घटना जापान की राजधानी टोक्यो से करीब 160 किलोमीटर दूर गुन्मा प्रांत में स्थित कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुई। जापान पुलिस के अनुसार, बर्फबारी के कारण सड़क बेहद फिसलन भरी हो गई थी। छुट्टियों के चलते बड़ी संख्या में लोग एक साथ यात्रा पर निकल पड़े थे, जिससे एक्सप्रेसवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

ताइवान को हथियार बेचने के मामले में चीन ने 20 अमेरिकी कंपनियों और 10 अधिकारियों पर लगाए प्रतिबंध

बीजिंग। ताइवान को हथियारों की आपूर्ति को लेकर वाशिंगटन और बीजिंग के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन ने हाल के वर्षों में ताइवान को हथियार बेचने में शामिल 20 अमेरिकी रक्षा कंपनियों और 10 वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इन जवाबी उपायों में चीन के भीतर कंपनियों और वरिष्ठ अधिकारियों की चल और अचल संपत्तियों को फ्रीज करना, चीन में संगठनों और व्यक्तियों को उनके साथ लेनदेन, सहयोग और अन्य गतिविधियों में शामिल होने से रोकना और हांगकांग और मकाऊ विशेष प्रशासनिक क्षेत्रों सहित चीन में अधिकारियों के प्रवेश पर रोक लगाना शामिल है।जिन 20 कंपनियों को निशाना बनाया गया है उनमें नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन सिस्टम्स कॉर्पोरेशन, एल3हैरिस मैरीटाइम सर्विसेज और सेंट लुइस स्थित बोइंग शामिल हैं।सूची में शामिल 10 व्यक्तियों में रक्षा फर्म एंडुरिल इंडस्ट्रीज के संस्थापक पामर लकी और एल3हैरिस टेक्नोलॉजीज के उपाध्यक्ष जॉन कैंटिलन शामिल हैं।चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान को अमेरिका द्वारा हथियार देना 'एक-चीन सिद्धांत और चीन-अमेरिका के तीन संयुक्त घोषणाओं का गंभीर उल्लंघन है, चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है और चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करता है। '

भ्रष्टाचार के मामले में मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब को 15 साल की कैद

कुआलालंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को सत्ता के दुरुपयोग के चार मामलों में 15 साल जेल की सज़ा सुनाई गयी। मलेशिया के उच्च न्यालायल ने उन पर 11.4 अरब रिंगिट (2.82 अरब अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगाया है, जो आरोपों में शामिल रिश्वत की रकम का पांच गुना है। श्री रजाक पर 1मलेशिया डेवलपमेंट बरहाद (1एमबीडी) से जुड़े एक मामले में सत्ता के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। हवाला कारोबारह के 21 अतिरिक्त आरोपों के लिए श्री नजीब को हर आरोप के लिए पांच साल जेल की सज़ा सुनाई गयी है। हालांकि, इस मामले में उन पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है।पीठासीन न्यायाधीश कॉलिन लॉरेंस सेक्वेराह ने आदेश दिया कि जेल की सभी सज़ाएं एक साथ चलेंगी। गौरतलब है कि जुलाई 2020 में नजीब को सरकारी निवेश कोष 1एमडीबी की पूर्व इकाई एसआरसी इंटरनेशनल से जुड़े सत्ता के दुरुपयोग के लिए 12 साल जेल की सज़ा और 2100 लाख रिंगिट (444 लाख अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया था।

ट्रंप-जेलेंस्की शांति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, मिसाइल और ड्रोन से कीव दहला

एजेंसी

कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच फ्लोरिडा में होने वाली अहम शांति बैठक से पहले रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला कर दिया है। 27 दिसंबर को यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने ताबड़तोड़ मिसाइल और ड्रोन हमले किए। शहर और आसपास के इलाकों में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। पिछले चार वर्षों से जारी रूस-युक्रेन युद्ध के संदर्भ में यह सबसे महत्वपूर्ण सप्ताहांत माना जा रहा था लेकिन इसकी शुरुआत यूक्रेन की राजधानी कीव में हवाई हमले के सायरनों की आवाज से हुई। मीडिया समूह कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक 7 दिसंबर की रात रूस ने कीव पर कई हाइपरसोनिक मिसाइलें, चार बैलिस्टिक मिसाइलें और कई क्रूज मिसाइलें दागीं, जिसके बाद बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइल का हमला हुआ। राजधानी और कीव

ओब्लास्ट में कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। इस हमले में कीव से लगभग पाँच किलोमीटर उत्तर में स्थित विशहोरोड में एक ऊंची इमारत का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कीव ओब्लास्ट के बोरिसपिल जिले में कई गोदामों के साथ-साथ दो कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। कीव ओब्लास्ट के गवर्नर मिकोला कलाश्निक ने रूसी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे पर एक बार फिर हमला हुआ है। पश्चिमी यूक्रेन के इवानो-फ्रांकिवस्क ओब्लास्ट में हुए हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। इस बीच, यूक्रेन की वायुसेना ने कई क्षेत्रों में रूसी ड्रोन और मिसाइलों के निरंतर खतरे की चेतावनी दी है। वायु सेना ने कीव और आसपास के इलाकों में ड्रोन सक्रिय पाए। एयर फोर्स के मुताबिक ड्रोन कीव शहर के ऊपर देखे गए, जबकि कीव क्षेत्र के वेलिका डिमेरका और पेरेयास्लाव गांव के पश्चिमी इलाकों में भी ड्रोन की गतिविधि दर्ज की गई। रूस के ताजा हमले से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि ट्रंप के साथ बैठक से शांति समझौते की दिशा में कदम बढ़ सकते हैं। यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया 20-बिंदुओं का शांति प्लान लगभग तैयार है। जबकि अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कोई भी शांति समझौता उनकी मंजूरी के बिना लागू नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने की कूटनीतिक कोशिशों के बीच फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की अहम शांति वार्ता होने वाली है। अमेरिका सहित दुनिया के कई देश रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने की हिमायत करते हुए कूटनीतिक कोशिशें कर रहे हैं जिनमें भारत भी शामिल है।

युद्ध खत्म करने के लिए ट्रंप संग बैठक से पहले जेलेंस्की ने रूस के सामने रखी 60 दिनों वाली शर्त

एजेंसी

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर रूस कम से कम 60 दिनों के लिए सीजफायर पर सहमत होता है, तो वह इस संकट को खत्म करने के लिए एक शांति योजना पर जनमत संग्रह कराने के लिए तैयार हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस के साथ एक फोन इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि वह अब भी हालात को बेहतर करने के लिए बातचीत करना चाहेंगे, लेकिन अगर प्लान में इस मुद्दे पर 'बहुत मुश्किल' फैसला लेने की जरूरत पड़ती है, तो उनका मानना है कि आगे बढ़ने का सबसे अच्छा रास्ता पूरे 20-पॉइंट वाली शांति योजना को जनमत संग्रह के लिए रखना होगा। उन्होंने कहा कि वोट कराने के लिए 60 दिन का सीजफायर 'कम से कम' जरूरी है, क्योंकि ऐसे जनमत संग्रह में बड़े राजनीतिक, लॉजिस्टिकल और सुरक्षा से जुड़े पेंच होंगे।जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जब वे रविवार को अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे तो इस संकट को खत्म करने के लिए एक फ्रेमवर्क पर सहमत होंगे।उन्होंने कहा कि अमेरिका-यूक्रेन के द्विपक्षीय समझौतों के ज्यादातर पहलू अब तय हो गए हैं और उन्हें पांच दस्तावेजों में कोडिफाई किया गया है, हालांकि एक छठा दस्तावेज भी जोड़ा जा सकता है। यूक्रेन में शांति बहाल होने के बाद सुरक्षा गारंटी की अवधि के बारे में अमेरिकी प्रशासन ने 15 साल के समझौते का प्रस्ताव दिया है जिसे रिन्यू किया जा सकता है। जेलेंस्की ने एक्सियोस से कहा, 'मुझे लगता है कि हमें 15 साल से ज्यादा की जरूरत है। 'जेलेंस्की ने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन दोनों सुरक्षा गारंटी को मंजूरी के लिए अपनी-अपनी विधायिकाओं के सामने लाएंगे।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो ने अमेरिका से बातचीत की इच्छा जताई, रखी शर्त

एजेंसी

काराकास । वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने आपसी सम्मान के आधार पर अमेरिका के साथ बातचीत करने की इच्छा जताई है। साथ ही एक शर्त भी रखी है। (स्थानीय समयानुसार) को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने एक टेलीवाइज्ड भाषण में अमेरिका के साथ आपसी सम्मान के आधार पर बातचीत की इच्छा जताई है। साथ ही स्पष्ट शर्त रखी कि अमेरिका को वेनेजुएला के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बंद करना होगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति का आरोप है कि यूएस, वेनेजुएला सरकार को जानबूझ कर बदनाम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिका पिछले 25 सालों के 'असफल हस्तक्षेप' को छोड़कर सम्मान के आधार पर बात करने को तैयार है, तो वेनेजुएला शांति, सहयोग और समृद्धि का रास्ता अपनाएगा।' उन्होंने अमेरिका पर 'वास्तविकता को विकृत करने' और वेनेजुएला के संसाधनों को लूटने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने अमेरिकी मीडिया से देश को अच्छी तरह से समझने के बाद असली स्थिति की रिपोर्ट करने का आग्रह किया। महीनों से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने तथाकथित 'नारको-आतंकवाद' से लड़ने के बहाने वेनेजुएला के पास कैरेबियन सागर में बड़े पैमाने पर हवाई और नौसैनिक बल तैनात किए हैं। अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए हैं। कैरिबियन में बड़े पैमाने पर नौसैनिक तैनाती की है (जिसमें दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल है), कथित ड्रग तस्करी वाली नौकाओं पर हवाई हमले किए हैं, वेनेजुएला के तेल टैंकरों पर ब्लॉकेड/क्वारंटाइन लगाया है और कार्टेल डे लॉस सोल्स (जिसमें मादुरो को शामिल बताया

गया है) को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये कदम नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए हैं, लेकिन मादुरो इसे शासन परिवर्तन की कोशिश और वेनेजुएला के तेल संसाधनों पर कब्जे की साजिश मानते हैं। नवंबर 2025 में ट्रंप और मादुरो के बीच एक फोन कॉल हुई थी, जिसे मादुरो ने 'सम्मानजनक और सौहार्दपूर्ण' बताया था, लेकिन कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ।

नेकपा माओवादी के 'कम्युन' पर पुलिस छापा, विस्फोटक सामग्री बरामद

एजेंसी

काठमांडू। नेत्रविक्रम चन्द 'विप्लव' के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के अर्घाखांची जिला स्थित 'कम्युन' से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

करीब 10 बजे अर्घाखांची की शितगंगा नगरपालिका-11, बोक्से क्षेत्र में जिला पुलिस प्रमुख डीएसपी दिवस बहादुर जिसी के नेतृत्व में गश्त के दौरान एक पशुशाला से बंदूक और ग्रेनेड समेत कई विस्फोटक पदार्थ बरामद किए गए।

बरामद हथियार और विस्फोटकों में दो बंदूकें, 14 ग्रेनेड, 12 डेटोनेटर, लॉन्चर जैसा दिखने वाला पाइप, पांच लीटर का एक प्रेशर कुकर बम, एक स्टील बम, बिजली के तार के चार बंडल और 50 किलो बारूद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, विस्फोटक सामग्रियों को शनिवार तड़के नेपाली सेना की सहायता से निष्क्रिय कर दिया गया है। वहीं, नेकपा माओवादी के प्रवक्ता खड्गबहादुर विश्वकर्मा 'प्रकाण्ड' ने कम्युन पर की गई इस कार्रवाई को 'राज्य का आतंक' करार दिया है।

उन्होंने दावा किया कि अर्घाखांची की शितगंगा नगरपालिका-11 स्थित पार्टी द्वारा संचालित कम्युन और आम नागरिकों के घरों पर छापेमारी कर आतंक फैलाया गया है। पार्टी द्वारा जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'एक ओर सरकार शांतिपूर्ण चुनाव का माहौल बनाने का प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर माओवादी के उत्पादन केन्द्रों और आम जनता के घरों पर छापे मार रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य शांतिपूर्ण समाधान नहीं चाहता, बल्कि देश को अशांति की ओर धकेलना चाहता है। ' उन्होंने इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए मानवाधिकार संगठनों से भी अपील की है।

इजराइल ने सोमालीलैंड को दिया संप्रभु राष्ट्र का दर्जा, तुर्किए और सोमालिया को झटका

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल ने सोमालीलैंड गणराज्य को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता दे दी है। इजराइल ऐसा करने वाला संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पहला सदस्य देश है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दिलाही के साथ वर्चुअल माध्यम से एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं। सोमालीलैंड को इजराइल की तरफ से मान्यता दिए जाने से तुर्किए और सोमालिया को झटका लगा है। सोमालिया से साल 1991 अलग हुए सोमालीलैंड काफी समय से राजनयिक मान्यता की कोशिशें करता रहा है। हालांकि उसे अब तक बहुत कामयाबी नहीं मिली थी। इजरायल ने सोमालीलैंड को पूरी तरह से मान्यता दी है लेकिन ब्रिटेन, यूएई, डेनमार्क, कीनिया, ताइवान जैसे देशों से अनौपचारिक राजनयिक संबंध हैं। दी टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक इजराइल सोमालीलैंड गणराज्य को एक स्वतंत्र राज्य के

रूप में मान्यता देने वाला पहला देश बन गया। यह अफ्रीकी क्षेत्र सोमालिया से अलग होने के तीन दशक से अधिक समय बाद हुआ है। इजराइल की ओर से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और विदेश मंत्री गिदोन सार ने घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जबकि सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दुल्लाही ने अपने देश की ओर से हस्ताक्षर किए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सोमालीलैंड को इजराइल की तरफ से मान्यता दिए जाने की जानकारी साझा करते हुए कहा कि हम आर्थिक क्षेत्रों, कृषि और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में मिलकर काम करने का इरादा रखते हैं। सोमालीलैंड को मान्यता देने संबंधी घोषणा ने सोमालिया और तुर्की को असहज कर दिया है। सोमालिया के विदेश मंत्रालय ने इजरायल के कदम की निंदा करते हुए इसे उसकी संप्रभुता पर किया गया हमला करार दिया। जबकि तुर्किए ने इसे नेतन्याहू सरकार की गैर-कानूनी कार्रवाइयों का एक नया उदाहरण बताया, जिसका मकसद क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर अस्थिरता पैदा करना है। सोमालीलैंड अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र स्थित एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र है। सोमालिया से अलग होकर स्वतंत्र रूप से शासन व्यवस्था संभाल रहे इसे अबतक किसी ने स्वतंत्र देश की औपचारिक मान्यता नहीं दी।

नेपाल में बालेन शाह आरएसपी अध्यक्ष लामिछाने के साथ सशर्त आने को तौयार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के मेयर बालेन शाह राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने को पार्टी का नेता स्वीकार करते हुए आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। इसके लिए बालेन ने खुद को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बनाने की मांग की है। आरएसपी के प्रवक्ता मनीष झा के अनुसार शाह ने फिलहाल लामिछाने के नेतृत्व में काम करने पर सहमति जता दी है। हालांकि उन्होंने एक अहम शर्त रखी है कि यदि 5 मार्च को प्रस्तावित प्रतिनिधि सभा के चुनाव में बहुमत हासिल होता है, तो उन्हें प्रधानमंत्री बनाया जाए। झा ने कहा है कि लामिछाने ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जिसके बाद दोनों पक्षों के दूसरे स्तर के नेताओं ने संभावित सहमति बिंदुओं का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया है। संवाद में शामिल नेताओं के अनुसार सहयोग का एक ढांचा तैयार करने पर काम चल रहा है। हालांकि, बातचीत आगे बढ़ने के बावजूद अभी यह स्पष्ट नहीं है कि औपचारिक समझौते पर तुरंत हस्ताक्षर होंगे या नहीं। दोनों टीमों के बीच संभावित साझेदारी की प्रकृति और संरचना को लेकर चर्चा जारी है। समझौते का मसौदा तैयार कर रहे नेताओं ने पहले ही लामिछाने से बातचीत कर ली है, जबकि मेयर शाह नगरसभा की व्यस्तताओं के कारण फिलहाल अपने सहयोगियों को प्रारंभिक तैयारी की जिम्मेदारी सौंपे हुए हैं। आरएसपी की ओर से शिशिर खनाल वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि मेयर शाह की ओर से कुमार ब्यांजंकर (कुमार बेन) समन्वय कर रहे हैं। पूर्व आरएसपी सांसद आशिम शाह भी दोनों नेताओं से करीबी संबंध रखते हुए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। खनाल ने कहा, 'फिलहाल बालेन रवि को पार्टी अध्यक्ष मानकर आगे बढ़ने को तैयार हैं। उन्हें दूसरे स्तर में रखा जाएगा। कुलमान घिसिंग के साथ भी बातचीत चल रही है।

बीएनपी नेता तारिक रहमान को 'विशेष छूट': बांग्लादेश अवामी लीग का सवाल, 'क्या वो देश के कानून से ऊपर'

एजेंसी

ढाका । पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक चेयरमैन तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटे। उन्हें अवाम ने हाथों हाथ लिया और अंतरिम सरकार ने भी सम्मान में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। इस बीच अवामी लीग ने मुहम्मद यूनुस सरकार की ओर से उन्हें दी जारी सहूलियतों पर फिक्र जाहिर की और सवाल किया कि क्या वे देश के कानून से ऊपर हैं? रहमान की बांग्लादेश वापसी चुनावी तारीखों के ऐलान के बाद हुई है। चुनाव आयोग ने 11 दिसंबर को ही घोषणा की थी कि देश का 13वां राष्ट्रीय संसदीय चुनाव, जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह के साथ, अगले साल 12 फरवरी को होगा। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार बीएनपी नेता शनिवार को देश के रजिस्टर्ड वोटर बनने के लिए ईसी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने इससे संबंधित सभी औपचारिकताएं भी पूरी कीं। अवामी लीग का सवाल इसी को लेकर है। उन्होंने इसे विशेषाधिकार का नाम दिया। पूछा, 'एक बार दोषी ठहराए गए आरोपी तारिक रहमान को अब एक के बाद एक विशेषाधिकार मिल रहे हैं, कानून के बार-बार उल्लंघन से लोगों के मन में गहरे सवाल उठ रहे हैं। जो कानून आम नागरिकों के लिए सख्त और बिना किसी छूट के है - क्या वह तारिक रहमान के मामले में नरम हो जाता है? या असल में वह कानून से ऊपर है? ' पार्टी ने अन्य सुविधाओं का भी जिक्र किया। कहा, 'देश में कदम रखते ही ये मुद्दे साफ दिखने लगे हैं। तय टोल सुविधाओं पर टोल न देना - एक ऐसा अपराध जिसके लिए आम लोगों को बिना किसी सबूत के सजा मिलती है - इसे कैसे नजरअंदाज किया जा रहा है? ' पार्टी ने बांग्लादेशी कानून का हवाला देते हुए कहा कि देश में चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद नए वोटर रजिस्ट्रेशन पर कानूनी रोक है लेकिन रहमान का रजिस्ट्रेशन करा दिया गया। इसके अलावा, पार्टी ने पूछा कि यह प्रक्रिया शनिवार को, जो कि सरकारी छुट्टी का दिन होता है, कैसे पूरी की गई, कानून का पालन कैसे किया गया और किसके निर्देश पर यह किया गया?अवामी लीग के अनुसार, ये घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं, बल्कि एक पैटर्न को दिखाती हैं। सवाल उठता है कि क्या रहमान के लिए अलग नियम लागू किए जा रहे हैं? अगर ऐसा है, तो संविधान का वो सिद्धांत जो कहता है 'कानून सभी के लिए समान है' आज की तारीख में कहां ठहरता है? पार्टी ने कहा, 'अपराध कभी छोटा या बड़ा नहीं होता - अपराध, अपराध होता है। अगर सत्ता की ताकत से छोटे अपराधों को वैध बनाया जाता है, तो यह तय है कि बड़े अपराधों को बढ़ावा मिलेगा। कानून तोड़ने का यह विशेष विशेषाधिकार न केवल एक व्यक्ति पर सवाल उठाता है; यह पूरे देश की व्यवस्था को जांच के दायरे में लाता है। ' इस बात पर बल देते हुए कि लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या बांग्लादेश में कानून सच में सभी के लिए समान है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच युद्धविराम, समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

चांथाबुरी । थाईलैंड के रक्षा मंत्री नत्थापोन नाकपानिच और कंबोडिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री टी सिया ने शनिवार को थाईलैंड के चांथाबुरी प्रांत में एक बॉर्डर चेकपॉइंट पर सीजफायर समझौते पर साइन किए। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने तीसरी स्पेशल कंबोडिया-थाईलैंड जनरल बॉर्डर कमेटी की बैठक के जॉइंट स्टेटमेंट के ड्राफ्ट के कंटेंट पर थाईलैंड के साथ सहमति बना ली है, जिसमें आसियान ऑब्जर्वर भी शामिल थे। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीजफायर बातचीत शनिवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 9.40 बजे थाईलैंड के चंथाबुरी प्रांत में एक बॉर्डर चेकपॉइंट पर शुरू हुई। जुलाई में सीजफायर टूटने के बाद 8-9 दिसंबर को हिंसा बढ़ गई, जिसमें थाईलैंड ने फाइटर जेट और तोपखाने से हमले किए और कंबोडिया ने रॉकेट दागकर जवाब दिया। थाईलैंड-कंबोडिया सीमा के विवादित हिस्सों में झड़पों की खबरें आई हैं, खासकर डांगरेक पर्वत श्रृंखला के आसपास, जो उत्तर-पूर्वी थाईलैंड और उत्तरी कंबोडिया तक फैली हुई है। यह सीमा क्षेत्र कई प्राचीन खमेर मंदिरों का घर है, जिनमें से कई सीमा के करीब स्थित हैं। पास के ऊंचे इलाकों पर नियंत्रण को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है, और लड़ाई के इस दौर में इन क्षेत्रों में एक बार फिर सैनिकों की आवाजाही, गोलाबारी और हवाई मिशन देखे गए हैं। इस विवाद की जड़ें 1900 के दशक की शुरुआत में हैं, जब कंबोडिया में फ्रांसीसी औपनिवेशिक प्रशासन के तहत सीमा रेखाएं स्थापित की गई थीं। थाईलैंड का कहना है कि उस समय बनाए गए कुछ नक्शों में सीमा को गलत तरीके से परिभाषित किया गया था और पिछले समझौतों में बताए गए प्राकृतिक जल विभाजक सीमाओं का पालन नहीं किया गया था।

विवाद का एक मुख्य बिंदु प्रेह विहार मंदिर बना हुआ है। 1962 में, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने फैसला सुनाया कि मंदिर पर संप्रभुता कंबोडिया की है।

चुनाव में 68 दिन शेष, निर्वाचन आयोग ने अस्थायी मतदाताओं की श्रेणियां तय कीं

एजेंसी

काठमांडू। प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के लिए 5 मार्च 2026 को होने वाले चुनाव में अब 68 दिन शेष हैं। इस बीच निर्वाचन आयोग ने अस्थायी मतदाता सूची में शामिल किए जाने वाले व्यक्तियों की श्रेणियों को अंतिम रूप दे दिया है। आयोग के अनुसार, नेपाल सरकार, प्रांतीय सरकारों, स्थानीय स्तरों तथा संघीय या प्रांतीय सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में संचालित संस्थाओं में कार्यरत वे कर्मचारी, जिनके नाम अंतिम मतदाता सूची में दर्ज हैं, अस्थायी मतदाताओं के रूप में शामिल किए जाएंगे। इसी प्रकार, बैरकों में तैनात नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के सदस्य, जेलों में बंदी और कैदी, तथा चुनाव संबंधी कार्यों में तैनात कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी भी अस्थायी मतदाता सूची में शामिल होंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि संघीय, प्रांतीय या स्थानीय सरकार द्वारा संचालित अथवा स्वीकृत वृद्धाश्रमों में रहने वाले व्यक्ति, साथ ही संवैधानिक निकायों के प्रमुख और पदाधिकारी भी अस्थायी मतदाता के रूप में पात्र होंगे। अस्थायी मतदाता सूची के निर्माण और प्रबंधन की निगरानी के लिए एक निर्वाचन आयुक्त के समन्वय में अस्थायी मतदाता सूची समन्वय समिति गठित की जाएगी।

बांग्लादेश चुनाव: छात्र-नेतृत्व वाली एनसीपी में गठबंधन को लेकर घमासान, जमात की ओर झुकाव

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में आम चुनाव नजदीक आते ही छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के भीतर गठबंधन को लेकर गहरा मतभेद उभर आया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पार्टी जमात-ए-इस्लामी के साथ संभावित सीट-बंटवारे की ओर बढ़ती दिख रही है। एनसीपी का गठन 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलनों से हुआ था। इन्हीं आंदोलनों के बाद मोहम्मद यूनुस अंतरिम प्रशासन के प्रमुख बने और एनसीपी को उनके संरक्षण में माना जाता है। हालांकि, चुनावी तैयारियों के बीच पार्टी को मजबूत जमीनी आधार खड़ा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शुरुआत में एनसीपी को बांग्लादेश की पारंपरिक राजनीति-बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी से अलग एक तीसरी ताकत के रूप में देखा गया था। इस बीच, वर्षों तक सत्ता में रही अवामी लीग पर अंतरिम सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। सोशल मीडिया पर अच्छी मौजूदगी के बावजूद, एनसीपी डिजिटल लोकप्रियता को जमीनी समर्थन में बदलने में नाकाम रही है। इसी कारण पार्टी अब या तो बीएनपी या जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन की संभावनाएं टटोल रही है। इस कवायद ने पार्टी के भीतर इस्तीफों, गुटबाजी और तनावपूर्ण बातचीत को जन्म दिया है।

ढाका स्थित दैनिक प्रथम आलो के अनुसार, 350 सदस्यीय संसद में बड़ी संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ने की महत्वाकांक्षा छोड़ते हुए एनसीपी जमात के साथ गठबंधन में करीब 30 सीटों पर संतोष करने को तैयार दिख रही है। चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों में

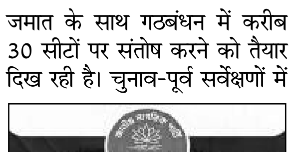

बीएनपी को स्पष्ट बढ़त और जमात को उसके पीछे बताया जा रहा है, जिससे एनसीपी की दुविधा और बढ़ गई है। पार्टी के भीतर दो धड़े उभर आए हैं- एक जमात-ए-इस्लामी से गठबंधन का समर्थक, दूसरा बीएनपी से बातचीत के पक्ष में, खासकर बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान की बांग्लादेश वापसी के बाद। इस खींचतान के बीच, जमात-विरोधी धड़े के प्रमुख नेता मीर अरशादुल हक ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। वे एनसीपी के संयुक्त सदस्य सचिव और चटगांव सिटी इकाई के मुख्य समन्वयक थे, जैसा कि द डेली स्टार ने बताया।

विवाद को और हवा देने वाली खबरों में आरोप है कि जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सहयोगी के तौर पर एनसीपी को प्रति निर्वाचन क्षेत्र 1.5 करोड़ टका तक की पेशकश कर सकती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक छात्र नेता ने कहा, 'युवा राजनीति की कब्र खोदी जा रही है। '

प्रथम आलो के मुताबिक, आगामी संसदीय चुनाव के लिए एनसीपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच सीट-बंटवारे पर बातचीत जारी है। जहां एनसीपी नेतृत्व का एक वर्ग इसे राजनीतिक अस्तित्व के लिए जरूरी मानता है, वहीं दूसरा इसे पार्टी के मूल सिद्धांतों से विचलन बताता है। बताया जा रहा है कि बीएनपी से शुरुआती बातचीत विफल रहने के बाद जमात के साथ वार्ता तेज हुई, हालांकि तारीक रहमान की वापसी के बाद एनसीपी ने बीएनपी से संपर्क फिर शुरू किया है। अगस्त 2024 से मोहम्मद यूनुस का समर्थन कर रही जमात-ए-इस्लामी ने अब तक अपने रुख को सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि, जमात अमीर शफीकुर रहमान ने कहा कि उनकी पार्टी से वही दल चुनावी गठबंधन कर सकता है, जो उसकी तीन शर्तों से सहमत हो।

एनसीसीएफ ने दिल्ली एनसीआर में 19 रुपये किलो पर प्याज की खुदरा बिक्री शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्याज की कीमतों के दबाव से उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग की पहल के तहत राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता-महासंघ (एनसीसीएफ) ने दिल्ली-एनसीआर में प्याज की खुदरा बिक्री 19 रुपये प्रति किलो के भाव पर शुरू की है। यह जानकरी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गयी। एनसीसीएफ ने दिल्ली-एनसीआर में 16 जगहों पर नियंत्रित दर से प्याज की खुदरा बिकी की सुविधा शुरू की है। इस समय दिल्ली में प्याज 25-35 रुपये किलो के भाव में बिक रही है। विभाग ने कहा है कि इस पहल से प्याज किसानों के लिए उचित प्रतिफल भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस बिक्री के लिए नासिक से लाए गए प्याज को विकिरण प्रौद्योगिकी से उपचारित कर कोल्ड स्टोरेज में रखा गया है। एनसीसीएफ की प्रबंध निदेशक एनिस जोसेफ चंद्रा ने कहा, 'यह पहल दिखाती है कि आधुनिक स्टोरेज तकनीकें कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने, आपूर्ति में स्थिरता लाने और उपभोक्ताओं तक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की पहुंच बेहतर बनाने में कैसे मदद कर सकती हैं। यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जिससे उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने और साथ ही किसानों की आय की सुरक्षा की जा सकती है।

एलआईसी ने ग्रामीण भारत में पहुंच बढ़ाने के लिए सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ किया करार

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बीमा पहुंच को मजबूत करने के लिए सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत कानोरिया फाउंडेशन की कंपनी सहज का सहायक डिजिटल सेवा नेटवर्क एलआईसी के जीवन बीमा उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच को सुगम बनायेगा। इससे लोगों को पॉलिसियों के बारे में समझने, पॉलिसी लेने और उसके प्रबंधन में मदद मिलेगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां बीमा के प्रति जागरूकता पारंपरिक रूप से कम रही है। एलआईसी के क्षेत्रीय प्रबंधक सौमेंद्रनाथ बंदोपाध्याय ने कहा, 'एलआईसी हमेशा समाज के हर वर्ग तक जीवन बीमा सुरक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ हमारा यह सहयोग हमें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में और गहराई तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे अधिक लोग एलआईसी के सुरक्षा और भरोसे का लाभ उठा सकेंगे। ' सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के निदेशक बिस्वजीत चटर्जी ने कहा, 'एलआईसी के साथ यह सहयोग बीमा तक पहुंच को सार्वभौम बनाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। एलआईसी की विश्वसनीय विरासत को अंतिम छोर तक पहुंच और सहायक डिजिटल मॉडल के साथ जोड़कर, हमारा लक्ष्य बीमा को सरल, अधिक सुलभ और वास्तव में समावेशी बनाना है। '

भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमानों से कहीं बेहतर होगी: गोल्डमैन सैक्स

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर काम करने वाले अमेरिका के निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स के एक ताजा अनुमान के अनुसार भारत अगले दो वर्ष तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा और देश की वृद्धि की रफ्तार वैश्विक स्तर पर लगाये जा रहे अनुमानों से बेहतर होगी। इस प्रतिष्ठित बैंकिंग की प्रकाशित मैक्रोइकोनॉमिक आउटलुक (वृहत आर्थिक परिदृश्य) रिपोर्ट के 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वास्तविक (स्थिर कीमत पर) वृद्धि 6.7 प्रतिशत और 2027 में 6.8 प्रतिशत रह सकती है। यह धीमी पड़ रही वैश्विकअर्थव्यवस्था के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ते जुझारूपन और संरचनात्मक शक्ति को दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्धि के बारे में ये अनुमान अधिकांश विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी ऊपर हैं। भारत से इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद ऐसे समय में है जबकि कड़ी वित्तीय स्थितियों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और लगातार व्यापार बाधाओं के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी होने के आसार हैं। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था लगभग 2.8 प्रतिशत की अपेक्षाकृत स्थिर लेकिन मामूली गति से बढ़ेगी, जो मौजूदा अनुमानों से थोड़ी अधिक है। अनुमान में यह सुधार मुख्य रूप से महंगाई में कमी और वित्त बाजार की स्थिति के धीरे-धीरे सामान्य होने को देखते हुए है।

नीदरलैंड में स्थानीय निवासियों ने टाटा स्टील से मांगा 1.4 अरब यूरो का जुर्माना

मुंबई। नीदरलैंड के वेल्सन-नूरड के निवासियों ने टाटा स्टील पर स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए 1.4 अरब यूरो (लगभग 148 अरब रुपये) के हर्जाने की मांग के लिए मुकदमा दायर किया है। टाटा स्टील ने गुरुवार देर रात शेयर बाजारों को बताया कि नेल्सन-नूर्ड के निवासियों के संगठन स्टिचिंग फ्रिस विंड.एनयू (एसएफडब्ल्यू) ने हारलेम स्थित उत्तरी हॉलैंड की जिला अदालत में यह मुकदमा दायर किया है। मामले में टाटा स्टील नीदरलैंड बी.वी. और टाटा स्टील इज्मुदेन को समन जारी किये गये हैं। टाटा स्टील ने आरोपों को 'निराधार' बताते हुए खारिज कर दिया है। आरोप है कि कंपनी के संयंत्रों के कारण स्थानीय निवासियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ गये हैं। टाटा स्टील ने कहा है कि एसएफडब्ल्यू ने आरोपों के समर्थन में कोई प्रमाण पेश नहीं किया है जिससे उसके दावों में तथ्यों की कमी है और ये सिर्फ कल्पना पर आधारित हैं।

कोयला और लिग्नाइट की खदानें खोलने के लिए मंजूरी प्रक्रिया में बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोयला और लिग्नाइट खदानों को खोलने से संबंधित अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए नियमों को संशोधित कर दिया है। सरकार ने कोयला खनन संचालन शुरू करना और आसान बनाने के लिए आधिकारिक तौर पर कोलियरी कंट्रोल (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि अब सरकार ने इस प्रक्रिया में दोहराव कम करने, कोयला उत्पादन बढ़ाने और अनुमोदन प्रक्रिया सुगम बनाने के लिए नियम-9 को संशोधित कर दिया है। अब खदानों या उनकी परत को खोलने की मंजूरी संबंधित कोयला कंपनी के निदेशक मंडल से ही ली जा सकती है। मंत्रालय के मुताबिक इन संशोधनों से प्रक्रियात्मक दोहराव हटाकर संचालन

को तेज करने की सुविधा मिलेगी, जबकि नियामकीय निगरानी जारी रहेगी। मंत्रालय ने कहा, 'हालांकि सुरक्षा के तौर पर यह प्रावधान रखा गया है कि संबंधित खदान/परत को खोलने के लिए निदेशक मंडल केवल तभी मंजूरी देगा जब केंद्रीय/राज्य सरकार और अन्य वैधानिक निकायों की आवश्यक मंजूरी प्राप्त हो। ' कोयला मंत्रालय ने कहा कि इस बदलाव से खदान संचालन की समय-सीमा में करीब दो महीने तक की कटौती की उम्मीद है। नियमों में यह बदलाव संचालन संबंधी निर्णयों को कंपनी निदेशक मंडल तक स्थानांतरित करता है, जबकि नियामकीय निगरानी और वैधानिक सुरक्षा बनाए रखता है। मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन से दक्षता बढ़ाने, कोयला उत्पादन में तेजी लाने और कोयला नियामकीय ढांचे में विश्वास मजबूत होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि कोलियरी नियंत्रण नियम, 2004 के नियम-9 के तहत खदान मालिकों को किसी भी खदान या उसकी परत को खोलने से पहले कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) की मंजूरी लेनी होती थी। यदि कोई खदान 180 दिन या उससे अधिक समय के लिए बंद रहती थी तो दोबारा संचालन शुरू करने के लिए भी यह मंजूरी होती थी।

टाइटन समूह मुंबई में खोलेगी प्रयोगशाला में बने हीरे का पहला स्टोर

एजेंसी

मुंबई। देश की अग्रणी आभूषण निर्माता एवं लाइफस्टाइल उत्पादन बनाने वाली कंपनी टाइटन ने प्रयोगशाला में बने हीरे के कारोबार में प्रवेश करने के साथ मुंबई में अपना पहला स्टोर खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह 'बीऑन- फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' ब्रांड नाम से 29 दिसंबर को मुंबई में अपना एक स्टोर खोलेगी। इसका मकसद घड़ियों, साड़ियों, इत्र और हैंडबैग से आगे जीवन शैली श्रेणियों में महिलाओं की आभूषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना है। ' देश की अग्रणी आभूषण निर्माता टाइटन ने कहा कि 'बीऑन' ब्रांड प्रयोगशाला में बने हीरे के आभूषणों की एक चयनित श्रृंखला पेश करेगा। इस उभरती श्रेणी में शुरुआत करते हुए निकट भविष्य में टाटा समूह द्वारा संचालित मुंबई और दिल्ली में दो और स्टोर को जोड़ने की योजना है। कंपनी ने कहा कि पिछले दो से तीन वर्षों में भारत में प्रयोगशाला में बने हीरे का बाजार तेजी से बढ़ा है।

एनएसई का मार्केट कैप 469 लाख करोड़ रुपये के पार, पूंजी निर्माण में भी बड़ा उछाल

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजार में दिग्गज कंपनियों में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए वर्ष 2025 पिछले साल के मुकाबले बेहतर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी वर्ष 2025 में बढ़कर 23,645 से 25,966 पर पहुंच गया, जो लगभग 9.8 फीसदी की बढ़त है। वहीं, एनएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 439 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 469 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जो करीब 6.8 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वर्ष 2025 के अपने सालाना आंकड़ें जारी किए हैं। शेयर बाजार के दोंनो प्रमुख सूचकांकों ने 9-10 फीसदी का रिटर्न दिया। हालांकि, छोटी कंपनियों में निवेशकों को नुकसान उठाना झेलना पड़ा है। एनएसई के 19 दिसंबर 2025 तक जारी आकड़ों के मुताबिक दुनिया में चल रही आर्थिक उठा-पटक के बावजूद भारत के घरेलू शेयर बाजार में उत्कृष्ट मजबूती देखने को मिली। इक्विटी बाजार, पूंजी निर्माण और निवेशकों की भागीदारी, तीनों ही मोर्चों पर बढ़त

देखने को मिली। एनएसई के आकड़ों के मुताबिक 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी वर्ष 2025 में बढ़कर 23,645 से 25,966 पर पहुंच गया, जिसमें लगभग 9.8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, एनएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 439 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो करीब 6.8 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। एनएसई का मार्केट कैप और सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) का अनुपात 136 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग स्थिर बना रहा। आकड़ों के मुताबिक इक्विटी, डेट और बिजनेस ट्रस्ट के जरिए कुल 19.17 लाख करोड़ रुपये का फंड जुटाया गया, जो कि वर्ष 2024 के 17.89 लाख करोड़ रुपये से लगभग 7 फीसदी ज्यादा रहा। इक्विटी से कुल 4.12 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए, जबकि डेट के जरिए 14.72 लाख करोड़ रुपये आए। इस तरह डेट निर्माण में करीब 10 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। इसके अलावा वर्ष 2025 में 101 मेनबोर्ड आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 1.71 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। वहीं, 112 एसएमई आईपीओ से 5,589 करोड़ रुपये का फंड आया।

कोल इंडिया ने सीएमडी बी. साईराम को कंपनी का सीईओ नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक मंडल ने चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी साईराम को कंपनी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। ये निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। सीआईएल ने बॉम्?बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को दी जानकारी में बताया, ''सीआईएल के निदेशक मंडल ने 26 दिसंबर को हुई अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी. साईराम को सीआईएल का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है।'' कंपनी ने कहा कि यह निर्णय हुई कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। सीएमडी और सीईओ की दोहरी भूमिका में साईराम की नियुक्ति कोयला क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी में तेज और प्रभावी प्रबंधन को बढ़ावा देने

के केंद्र सरकार के प्रयासों को दर्शाती है। ये नियुक्ति महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि सीआईएल ने महत्वपूर्ण खनिज विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित?त वर्ष 2025-26 में 87.5 करोड़ टन उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के प्रयासों को तेज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) देश की सबसे बड़ी और सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी है, जो भारत के कुल कोयला उत्पादन के बड़े हिस्से (करीब 82-84 फीसदी) की आपूर्ति करती है। यह देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसे भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के तहत एक महारत्न पीएसयू का दर्जा हासिल है।

प्रह्लाद जोशी ने उपभोक्ता सुरक्षा बढ़ाने के लिए अगरबत्ती के लिए नया बीआईएस स्टैंडर्ड किया जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने उपभोक्ता सुरक्षा और उत्पाद गुणवत्ता बढ़ाने को अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का नया मानक जारी किया।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि प्रल्हाद जोशी ने अगरबत्ती के लिए एक नया इंडियन स्टैंडर्ड नई दिल?ली के भारत मंडपम में नेशनल कंज्यूमर डे-2025 के मौके पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का भारतीय मानक आईएस 19412:2025 जारी किया।

मंत्रालय ने कहा कि अगरबत्ती के लिए जारी आईएस 19412:2025 स्पेसिफिकेशन नाम का यह स्टैंडर्ड भारतीय मानक ब्यूरो ने विकसित किया है, जिसका मकसद कंज्यूमर सेफ्टी, घर के अंदर की हवा की क्वालिटी और प्रोडक्ट की क्वालिटी को बेहतर बनाना है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के

मुताबिक नए अधिसूचित मानक में अगरबत्तियों में कुछ कीटनाशक रसायनों और कृत्रिम सुगंधित पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, जो मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसके लिए भारतीय मानक आईएस 19412:2025 में अगरबत्तियों में उपयोग के लिए प्रतिबंधित पदार्थों की सूची दी गई है। इसमें एलेथ्रिन, परमेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कुछ कीटनाशक रसायन , साथ ही बेंजाइल साइनाइड, एथिल एक्रिलेट और डाइफेनिलामाइन जैसे कृत्रिम सुगंधित पदार्थ शामिल हैं। इनमें से कई पदार्थ मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पारिस्थितिकी की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं। इस मानक के अनुरूप उत्पाद बीआईएस मानक चिह्न प्राप्त करने के पात्र होंगे, जिससे उपभोक्ता सोच-समझकर निर्णय ले सकेंगे। अगरबंती के लिए जारी आईएस 19412:2025 की अधिसूचना से उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ने, नैतिक और टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ावा मिलने, पारंपरिक आजीविका की रक्षा होने और भारतीय अगरबत्ती उत्पादों की वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ने की उम्मीद है। यह मानक बीआईएस की सुगंध एवं स्वाद अनुभागीय समिति (पीसीडी 18) द्वारा हितधारक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत विश्व में अगरबत्ती का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। इस उद्योग का वार्षिक अनुमानित मूल्य करीब 8,000 करोड़ रुपये है। इसमें लगभग 1,200 करोड़ रुपये का निर्यात 150 से अधिक देशों को किया जाता है। यह क्षेत्र कारीगरों, लघु एवं मध्यम उद्यमों और सूक्ष्म उद्यमियों के एक बड़े समूह विशेष रूप से महिलाओं के लिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर हो गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 19 दिसंबर को समाप्त हफ्ते के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.368 अरब डॉलर बढ़कर 693.318 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में 1.69 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी, यह बढ़कर 688.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआाई के जारी आंकड़ों के मुताबिक 19 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 1.64 अरब डॉलर बढ़कर 559.43 अरब डॉलर हो गईं।

रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.62 अरब डॉलर बढ़कर 110.36 अरब डॉलर पर पहंच गया। आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 08 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.74 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी इस हफ्ते 9.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.78 अरब डॉलर हो गई।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये की कमजोरी, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और चुनिंदा सेक्टर्स में हुई मुनाफा वसूली की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर भी बनाया, लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, कमोडिटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में रुक-रुक कर खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज जम कर बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, ऑयल एंड गैस तथा टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 473.94 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.06 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,379 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,745 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,455 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,869 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,106 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,763 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

मुंबई। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। वहीं चांदी में आज सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,39,260 रुपये से लेकर 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,660 रुपये से लेकर 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में मामूली उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,39,410 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई हैइन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों की गति और तेज की जाएगी: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार जीवन तथा कारोबार में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में सुधारों की गति और भी तेज होगी। श्री मोदी ने शुक्रवार को यह प्रतिबद्धता जताते हुए एक्स पर सूचनाओं की एक श्रृंखला भी प्रस्तुत की है जिसमें दिखाया गया है कि उनकी सरकार ने इस दिशा में किस प्रकार से कार्य किया है। इसमें आयकर और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी, श्रम कानूनों में सुधार और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के साथ साथ सूक्ष्म , लघु और मझोले उद्यमों की परिभाषा में निवेश और कारोबार की सीमा बढ़ाने जैसे फैसलों का संदर्भ दिया है। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में लिखाः ' हमारी सरकार जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और नीचे दिए गए लेख में हमने इस दिशा में किए गए कार्यों के उदाहरण दिए हैं। आने वाले समय में हमारी सुधार यात्रा और भी अधिक उत्साह के साथ जारी रहेगी।' उनके इस पोस्ट के साथ जारी निर्णयों की सूची के साथ कहा गया है कि इस सुधार की असली परीक्षा यह है कि क्या यह लोगों के तनाव को कम करता है।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की संख्या 10.35 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2025 के दौरान स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने, ईंधन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और तेल एवं गैस क्षेत्र में सुधारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। उज्ज्वला योजना से देशभर में स्वच्छ रसोई ईंधन की सुविधा का विस?तार जारी है। इस साल की एक बड़ी बात प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का विस्तार है, जिसके तहत एक दिसंबर तक स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक पहुंच पाने वाले लाभार्थियों की संख्या बढ़कर करीब 10.35 करोड़ हो गई।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान राष्ट्रव्यापी बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान के माध्यम से उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूत किया गया। डिजिटल भुगतान, ईवी चार्जिंग और बहु-ईंधन ऊर्जा स्टेशनों के साथ ईंधन खुदरा अवसंरचना को सुदृढ़ किया गया। सरकार ने लगभग सभी लोगों तक कवरेज पहुंचाने के लिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी। एलिजिबिलिटी प्रोसेस को भी एक सिंगल डेप्रिवेशन डिक्लेरेशन के ज़रिए आसान बनाया गया, जिससे एक्सेस तेज़ और ज़?यादा समावेशी हो गया। अपना घर पहल ट्रक चालकों के लिए सुविधाओं और सड़क सुरक्षा को मजबूत करती है। 25,400 किमी से अधिक का गैस पाइपलाइन नेटवर्क एक राष्ट्र-एक गैस ग्रिड को गति प्रदान कर रहा है। तेल क्षेत्र संशोधन अधिनियम और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियमों से अपस्ट्रीम क्षेत्र में परिवर्तनकारी सुधार किए गए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तेल और प्राकृतिक गैस की खोज एवं उत्पादन, शोधन, वितरण एवं विपणन साथ ही इनके आयात, निर्यात एवं संरक्षण के लिए उत्तरदायी है। तेल और गैस भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण स्रोत बने हुए हैं। मंत्रालय ने वर्ष 2025 के दौरान सस्ती ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करने, घरेलू उत्पादन बढ़ाने, बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया। पेट्रोलियम मंत्रालय की यह पहल ऊर्जा उपलब्धता, ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। पात्रता प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए पहले की मल्टी प्वाइंट स्व-घोषणा प्रणाली के स्थान पर एकल अभाव घोषणा पत्र लागू किया गया, जिससे ईंधन की उपलब्धता तेज और अधिक समावेशी हो गई। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थियों के लिए 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपये की लक्षित सब्सिडी के जरिए एलपीजी की सामर्थ्य को बढ़ावा दिया गया। इसमें प्रति वर्ष 9 बार (रिफिल) यानी फिर से भरने की सुविधा है। इस पहल से एलपीजी की खपत में लगातार वृद्धि हुई। प्रति व्यक्ति औसत खपत वर्ष 2019-20 में लगभग तीन रिफिल से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.47 रिफिल हो गई और वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आनुपातिक स्तर पर लगभग 4.85 रिफिल प्रति वर्ष तक पहुंच गई, जो स्वच्छ रसोई ईंधन को निरंतर अपनाने का संकेत है।आकड़ों के अनुसार सब्सिडी के लक्षित वितरण और पारदर्शिता में सुधार के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण को गति दी गई। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण ने 01 दिसंबर 2025 तक 71 फीसदी पीएमयूवाई उपभोक्ताओं और 62 फीसदी गैर-पीएमयूवाई उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाई। उपभोक्ताओं को सरल मोबाइल-आधारित प्रक्रियाओं के माध्यम से निःशुल्क प्रमाणीकरण पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए नवंबर 2025 में एक विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरूआत की गई थी। देशव्यापी बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान से उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूत किया गया।

संक्षिप्त

गंभीर बने रहेंगे टेस्ट फॉर्मेट के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद टीम इंडिया को घरेलू टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने 2-0 से हरा दिया। एक साल में दो बार टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम का क्लीन स्वीप होना, बेहद हैरान करने वाला था। भारतीय टीम की हार के बाद गौतम गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे हैं और उन्हें टेस्ट फॉर्मेट की कोचिंग से हटाए जाने की बात चलने लगी है।

बीसीसीआई ने हालांकि इन खबरों को आधारहीन बताया है। पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही थी कि बीसीसीआई गौतम गंभीर को टेस्ट फॉर्मेट की कोचिंग से हटाना चाहती है और इसके लिए बोर्ड ने भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और मौजूदा समय में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण से अनौपचारिक रूप से बातचीत भी की है।

एसए20: पार्ल रॉयल्स के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका क्रिकेट लीग (एसए20) 2025-26 का तीसरा मुकाबला पार्ल में सनराइजर्स ईस्टर्न कैप और पार्ल रॉयल्स के बीच खेला गया। मैच पार्ल रॉयल्स के लिए बेहद निराशाजनक रहा। हार के साथ ही टीम के नाम टूर्नामेंट इतिहास में सबसे कम स्कोर पर आउट होने का रिकॉर्ड जुड़ गया।

सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। जॉर्डन हर्मनन के 28 गेंद पर 62, क्विंटन डि कॉक के 24 गेंद पर 42, और मैथ्यू ब्रिट्ज्के के 23 गेंद पर 31 रनों की मदद से 4 विकेट पर 186 रन बनाए। पॉर्ल के लिए ओटनील बार्टमैन ने 2 विकेट लिए। पार्ल रॉयल्स को जीत के लिए 187 रन का लक्ष्य मिला था।

विश्व रैपिड शतरंज: हम्पी संयुक्त शीर्ष पर

दोहा, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी ने अपने धैर्य और दृढ़ता का शानदार नमूना पेश करते हुए यहां फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त बनाए रखी, जबकि भारत के स्टार खिलाड़ी डी गुकेश और अर्जुन एरिगैसी भी ओपन वर्ग में मुकाबले में बने रहे। महिला वर्ग में अब जबकि तीन राउंड का खेल होना बाकी है तब हम्पी चीन की झू जिनर के साथ अधिकतम आठ अंकों में से 6.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। इन दोनों से पीछे छह अंकों के साथ 10 खिलाड़ी हैं, जिनमें भारत की द्रोणावल्ली हरिका भी शामिल हैं। ओपन वर्ग में 13 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिसमें नौ राउंड के बाद क्लासिकल प्रारूप के विश्व चैंपियन गुकेश और एरिगैसी 6.5 अंकों के साथ खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। यह भारतीय जोड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज व्लादिस्लाव आर्टेमिएव और हैंस नीमन (प्रत्येक 7.5 अंक) से एक अंक पीछे है।

दो दिन में मैच खत्म हो जाने पर क्रिकेट जगत सदमे में

मेलबर्न, एजेंसी। 2017-18 एशेज के बोर-ड्रॉ का डर मेलबर्न क्रिकेट क्लब के लिए बॉक्सिंग डे पिच बनाने का मुख्य कारण था, जो तेज गेंदबाजी के पक्ष में बहुत ज्यादा झुकी हुई थी, और जिसके कारण चौथा एशेज टेस्ट तीसरे दिन तक नहीं पहुंच पाया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने वादा किया है कि उनका संगठन देश भर में टेस्ट विकेटों के मैनेजमेंट की सीजन के आखिर में समीक्षा करेगा, क्योंकि एडमिनिस्ट्रेटर सीम-फ्रेंडली सतहों की पसंद को टीमों द्वारा अब इस्तेमाल की जा रही आक्रामक बल्लेबाजी रणनीति के साथ बैलेंस करने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रीनबर्ग को उम्मीद है कि इस हफ्ते क्रिकेट के खराब दिनों से होने वाले वित्तीय नुकसान से सीए को 10 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से ज़्यादा का नुकसान होगा।

ब्रेट ली ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फ्रेम में शामिल

मेरे लिए 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार विकेट लेने से ज्यादा मायने रखती है : ब्रेट ली

रिकॉर्ड

- **ब्रेट ली 2003 और 2007 में वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं।**

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज ब्रेट ली तेज गेंदबाजी के प्रति इतने जुनूनी थे कि उन्होंने नौ साल की उम्र में ही 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल करने का लक्ष्य बना लिया था और जब तक उन्होंने यह जादुई आंकड़ा हासिल नहीं कर लिया तब तक उनके लिए कोई भी व्यक्तिगत उपलब्धि या सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के विकेट उखाड़ना कोई मायने नहीं रखता था।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए 49 वर्षीय ली ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन अपने इस सपने को साकार करने के लिए समर्पित कर दिया था। इसके लिए उन्होंने अपनी मां हेलेन को श्रेय दिया जो एक फर्राटा धाविका थीं और इस तरह से उनके पास रफ्तार का सौदागर बनने के लिए आवश्यक आनुवंशिक गुण थे।

क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार ली ने कहा, ''वह (160 किमी प्रति घंटा) मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है। निश्चित तौर पर टीम सर्वोपरि होती है तथा विश्व कप (2003) जीतना, लगातार 16 टेस्ट जीतना। यह सर्वोच्च उपलब्धि है। इसके लिए ही तो खेल खेला जाता है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन व्यक्तिगत उपलब्धियों की बात करें तो मेरे लिए विकेट लेना उतना महत्वपूर्ण नहीं था, क्योंकि मैंने बहुत कम उम्र में ही 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल करने और उससे आगे निकलने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जब आप किसी चीज को हासिल करने का सपना देखते है। अपना जीवन उसे हासिल करने के लिए समर्पित कर देते हैं। फिर जब वह सपना साकार हो जाता है तो यह बहुत खास होता है।

ली ने अपने दो दशक लंबे करियर का अंत सभी प्रारूपों में 718 अंतरराष्ट्रीय विकेटों के साथ किया। उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में गिना जाता है क्योंकि उन्होंने दुनिया भर के शीर्ष बल्लेबाजों में खौफ पैदा किया था।

ली ने कहा कि उनकी शारीरिक बनावट और एथलेटिक क्षमता उन्हें तेज गेंदबाज बनने के लिए स्वाभाविक रूप से कुशल बनाती थी। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए रन अप सबसे महत्वपूर्ण था। उसके बाद सामने के पैर को मजबूती से जमाए रखना। यह ऐसी चीज है जो आपको जन्म से मिलती है। मुझे यह गुण स्वाभाविक रूप से मिला था और इसलिए इसका मुझे फायदा मिला।''

ली ने कहा, ''इसके बाद आती है सामने वाली बांह। बायीं बांह का अचानक नीचे आना जिससे मेरी गति बनती थी। मेरी बायीं बांह जितनी तेजी से नीचे आती थी, मेरी दाहिनी बांह भी उतनी ही तेजी से उसका अनुसरण करती थी।'' उन्होंने एक बार कहा था कि नौ साल की उम्र से ही वे तेज गेंदबाजी करना चाहते थे।

ली ने अपने करियर में दो बार 160 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति हासिल की। पहली बार 2003 में दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप में, जहां उन्होंने सेमीफाइनल में श्रीलंका के मार्वन अटापट्टू को 160.1 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली गेंद से आउट किया था।

ली ने कहा, ''उस समय हम पर थोड़ा दबाव था (212 रन का बचाव करते हुए) और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। मेरे लिए यह जरूरी था कि मैं अच्छी लेंथ पर जितनी तेजी से हो सके गेंदबाजी करूं। स्कोरबोर्ड पर जब मैंने देखा कि मेरी गति 160 किमी प्रति घंटा से ऊपर हो गई है तो वह बहुत ही खास पल था।''

इसके बाद उन्होंने पांच मार्च 2005 को नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे के दौरान 160.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अपनी सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा, ''इसे आप विडंबना ही कह सकते हैं कि मैंने खुद को सबसे फिट तब महसूस किया जब मैंने नेपियर में कीवी टीम के खिलाफ अपनी सबसे तेज गेंद (160.8 किमी प्रति घंटा) फेंकी थी, लेकिन वह एक ऐसा समय था जब मैं टेस्ट टीम से 18 महीने बाहर रहा था।

क्रिकेट इतिहास की दूसरी सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है ब्रेट ली के नाम

सिडनी, एजेंसी। ब्रेट ली को ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। करियर के दौरान अपनी रफ्तार और सटीक लाइन लेंथ के लिए मशहूर ली को मिला यह सम्मान ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान को दर्शाता है। ब्रेट ली को शोएब अख्तर के साथ क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज गेंदबाज माना जाता है। ब्रेट ली के नाम क्रिकेट इतिहास की दूसरी सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है। 2003 में ली ने 161.1 किलोमीटर की रफ्तार से श्रीलंका के मार्वन अट्टापट्टू को गेंद फेंकी थी। अट्टापट्टू उस गेंद पर आउट हो गए थे। शोएब अख्तर के नाम क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है। अख्तर ने 2003 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 161.3 किलोमीटर की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। ली 2003 और 2007 में वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं। 2008 में मशहूर एलन बॉर्डर मेडल मिलने के बाद उन्हें ऑस्ट्रेलियन टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुना गया था। ली बिग बैश लीग और आईपीएल के साथ ही कई अन्य टी20 लीग में भी खेल चुके हैं। 49 साल के ली के करियर पर गौर करें तो 1999 में टेस्ट क्रिकेट से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले इस तेज गेंदबाज ने 2012 तक 76 टेस्ट मैचों की 150 पारियों में 310 विकेट लिए, 221 वनडे की 217 पारियों में 380 विकेट लिए, वहीं 25 टी20 में 28 विकेट उनके नाम दर्ज हैं। ली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शेन वॉर्न, ग्लेन मैकग्राथ और मिचेल स्टार्क के बाद ऑस्ट्रेलिया के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह निचले क्रम के उपयोगी बल्लेबाज भी थे। टेस्ट में 5 अर्धशतक की मदद से 1,451 और वनडे में 3 अर्धशतक की मदद से 1,176 रन उनके नाम हैं।

सूर्या करिश्मा, ऋत्विक संजीवी ने जीते एकल खिताब

विजयवाड़ा, एजेंसी। सूर्या करिश्मा तामिरी ने स्थानीय दर्शकों के जबरदस्त समर्थन के बीच तन्वी पात्री को हराकर जीत दर्ज की, जबकि ऋत्विक संजीवी एस ने भरत राघव को हराकर रविवार को सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब जीते।

आज यहां खेले गये मैच 19 साल की सूर्या करिश्मा ने महिला एकल के फाइनल में तन्वी को 17-21, 21-12, 21-14 से हराया, जबकि ऋत्विक ने पुरुष एकल के फाइनल मुकाबले में भरत को 21-16, 22-20 से हराया।

तन्वी ने पहले गेम के बीच में ही मैच को नियंत्रित कर दिया और उस समय ऐसा लगा कि उसने अपनी विरोधी को इतना परेशान कर दिया था कि वह बिना वजह गलतियां करने लगी। दूसरे गेम में 6-5 पर ऐसी ही एक गलती हुई जब सूर्या करिश्मा ने सर्विस रिटर्न को नेट में मार दिया। लेकिन सर्विस जज ने इसे हाइट के लिए फॉल्ट करार दिया और इससे आखिरकार चैंपियन को राहत मिली। इसके बाद उसने लगातार सात पॉइंट जीतकर दूसरे गेम पर कंट्रोल कर लिया।

निर्णायक गेम में, सूर्या करिश्मा ने शुरुआत में तन्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और युवा खिलाड़ी पर थकान दिखने लगी। हालांकि तन्वी ने अपनी विरोधी के साथ तालमेल बनाए रखने का प्रयास किया, लेकिन वह थक गई थी। सूर्या करिश्मा ने 15-14 से आगे लगातार छह अंक लेकर मैच खत्म कर दिया। पुरुष एकल फाइनल में, ऋत्विक ने भरत राघव की चुनौती से पार पाने के लिए अपने बेहतर डिफेंस और धैर्य पर भरोसा किया।

पहला गेम बिना किसी परेशानी के जीतने के बाद, ऋत्विक दूसरे गेम में दबाव में आ गए क्योंकि उनके विरोधी ने 9-5 की बढ़त बना ली थी। दो गलत फैसलों ने भरत को वापसी करने और गेम पॉइंट हासिल करने का मौका दिया। अपनी काबिलियत से, ऋत्विक ने अपना धैर्य बनाए रखा और अपनी गेम प्लान पर टिके रहे और 39 मिनट में मैच खत्म कर दिया।

मेलबर्न टेस्ट 2 दिन में समाप्त होने पर क्यूरेटर ने जतायी हैरानी

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड के मुख्य पिच क्यूरेटर मैट पेज ने दो दिन में टेस्ट खत्म होने पर निराशा जताई है। पेज ने कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट दो दिन में खत्म होता देख मैं हैरान हूं। मैट पेज ने रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड से बाहर पत्रकारों से बात करते हुए पिच तैयार करते समय आई चुनौतियों के बारे में बताया और नतीजे पर अपनी निराशा जताई।

उन्होंने कहा, "हम साफ तौर पर बहुत निराश हैं। हम इससे सीखेंगे और बेहतर होंगे। हम यह पक्का करेंगे कि अगले साल ऐसा न हो। पहले दिन जो कुछ भी हुआ उसे देखकर मैं शॉक में था। एक दिन में 20 विकेट, मैं पहले कभी ऐसे टेस्ट मैच में शामिल नहीं हुआ, और उम्मीद है कि फिर कभी ऐसे टेस्ट मैच में शामिल नहीं होऊंगा।

उन्होंने कहा, "दो दिनों तक सब कुछ होते देखना एक रोलरकोस्टर राइड जैसा था। लेकिन हम इससे सीखेंगे, हम इसमें बेहतर होंगे, ठीक वैसे ही जैसे हम पिछले कुछ सालों में करते आए हैं। मुझे कोई शक नहीं है कि हम पहले से ज्यादा बड़े, बेहतर और मजबूत होकर वापस आएंगे।"

मेलबर्न क्रिकेट क्लब के चीफ स्टुअर्ट फॉक्स ने बॉक्सिंग डे टेस्ट पर निराशा जाहिर करते हुए कहा कि पिच साफ तौर पर बॉलर्स के पक्ष में थी और बैटर्स के लिए कुछ भी नहीं था।

स्टुअर्ट फॉक्स ने कहा, "पिच की खराबी के बावजूद हम पेज और उनकी टीम के साथ खड़े हैं। हम आठ साल पहले मैट को लाए थे क्योंकि उन्हें देश के सबसे अच्छे क्यूरेटरों में माना जाता है। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने और उनकी टीम ने इसे ठीक करने के लिए बहुत मेहनत की। आप देख सकते हैं कि वह आज निराश हैं।

मैरी कॉम ने कंबाला को एक अनोखी खेल परंपरा बताया

प्रतिक्रिया

- **कंबाला देश के किसी भी अन्य खेल से अलग है**

मंगलुरु, एजेंसी। ओलंपिक बॉक्सिंग लीजेंड मैरी कॉम ने रविवार को कंबाला को एक अनोखी खेल परंपरा बताते हुए मंगलुरु कंबाला के नौवें एडिशन में हिस्सा लिया, जिससे तटीय कर्नाटक की इस पारंपरिक भैंस दौड़ को राष्ट्रीय पहचान मिली।

दक्षिण कन्नड़ के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा के नेतृत्व में बंगराकुलुरु के गोल्डफिंच सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों दर्शक पहुंचे। लगभग 170 जोड़ी रेसिंग भैंसों ने अलग-अलग कैटेगरी में हिस्सा लिया, जिससे तुलुनाडु की सबसे महत्वपूर्ण स्वदेशी खेल परंपराओं में से एक के रूप में कंबाला की स्थिति और मजबूत हुई। सभा को संबोधित करते हुए, मैरी कॉम ने तुलु भाषा में क्षेत्र के लोगों का अभिवादन किया, और कहा मंथेरेगला नमस्कार, जिस पर जोरदार तालियां बजीं।

आयोजकों को निमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए, उन्होंने कहा कि मणिपुर के एक छोटे से गांव से आने के कारण, उन्हें सामुदायिक जीवन से जुड़ी परंपराओं से गहरा जुड़ाव महसूस होता है।

उन्होंने कहा कि कंबाला देश के किसी भी अन्य खेल से अलग है और आधुनिक चुनौतियों के बावजूद सदियों पुरानी परंपरा को बनाए रखने के लिए

किसानों, भैंस मालिकों और प्रतिभागियों की प्रशंसा की। शाम को हुए औपचारिक उद्घाटन के दौरान, मैरी कॉम ने कंबाला उत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। कीचड़ वाला ट्रैक उत्साह का केंद्र बन गया क्योंकि कुशल जॉकी के मार्गदर्शन में भैंसों की जोड़ियों ने खेतों में दौड़ लगाई, जिससे दक्षिण कन्नड़, उडुपी और पड़ोसी क्षेत्रों के दर्शक रोमांचित हो गए। इससे पहले, कैप्टन चौटा ने मंगलुरु और तुलुनाडु के सांस्कृतिक और सभ्यतागत महत्व पर प्रकाश डाला, और इस क्षेत्र को सनातन संस्कृति का पालना बताया। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के बारे में गलत सूचनाओं का मुकाबला करने की आवश्यकता पर जोर दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप मंगलुरु 2.0 और विकसित मंगलुरु बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। नौवें एडिशन की एक मुख्य बात 150 छात्राओं द्वारा सफेद कपड़े पहनकर 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन था, जो इस देशभक्ति गीत के 150 साल पूरे होने का प्रतीक था और इसने कंबाला मैदान को राष्ट्रीय गौरव से भर दिया।

भारतीय हॉकी | **सात साल के अंतराल के बाद जनवरी में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की वापसी हुई**

एशिया कप जीत भारतीय हॉकी में सबसे बड़ी उपलब्धि, लीग दर्शकों में 48 प्रतिशत का इजाफा

नयी दिल्ली, नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2025 भारतीय हॉकी के लिए मिला-जुला रहा, साल की शुरुआत अच्छी रही, सात साल के अंतराल के बाद जनवरी में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की वापसी हुई, इसमें मुख्य आकर्षण रहा चार फ्रेंचाइजी वाली महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की शुरुआत। इस लीग को टीवी और ऑनलाइन पर अनुमानन चार करोड़ आठ लाख दर्शक मिले जो 2017 सीजन की तुलना में 48 प्रतिशत अधिक है। एशिया कप का खिताब जीतना भारतीय हॉकी सबसे बड़ी उपलब्धि रहीं।

साल का सबसे बड़ा पल साफ तौर पर राजगीर में भारतीय पुरुष टीम की एशिया कप 2025 जीत थी। यह भारत की चौथी एशिया कप जीत थी, इससे पहले वे 2003, 2007, 2017 में चैंपियन बन चुके हैं। इस टूर्नामेंट में सिर्फ दक्षिण

कोरिया ही ज़्यादा सफल रहा है, जिसने इसे पांच बार जीता है। कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में जीत का मतलब यह भी था कि भारत अगले साल अगस्त में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर गया, जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड मिलकर करेंगे।

एचआईएल 2025-26 सीजन का प्रसारण भी विभिन्न प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा, जिसमें दूरदर्शन स्पोर्ट्स, सोनी स्पोर्ट्स 3 (हिंदी) और सोनी स्पोर्ट्स 1 पर लाइव प्रसारण शामिल है। जबकि लाइव स्ट्रीमिंग प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म, एचआईएल यूट्यूब चैनल और वेब पर की जाएगी।

हालांकि, इस साल की 'छोटी नीलामी' से पहले, यूपी रुद्र, टीम गोनासिका और महिला टीम ओडिशा वॉरियर्स (2024-25 सीजन की विजेता) सभी ने नाम वापस ले लिया। यूपी रुद्र ने अपने फैसले के पीछे 'वित्तीय अस्थिरता' बताया है, जबकि टीम गोनासिका और ओडिशा वॉरियर्स ने नाम वापस लेने के लिए ?निजी कारणों? का हवाला दिया।

रांची रॉयल्स लीग की सबसे नई फ्रेंचाइजी है, जो 2026 एचआईएल सीजन के लिए टीम गोनासिका (पुरुष) और ओडिशा वॉरियर्स (महिला) की जगह लेगी। आगामी सीजन में यूपी रुद्र की जगह लेने के लिए एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीम का गठन किया गया है। यह काम चलाऊ व्यवस्था की गई है, लेकिन जब तक लीग फ्रेंचाइजी मालिकों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं होगी, तब तक यह टिकाऊ नहीं होगी।

हालांकि, नवंबर में मलेशिया में हुए 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में भारत को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, वे बेल्जियम से 0-1 से हारकर दूसरे स्थान पर रहे। भारत ने सुल्तान अजलान शाह कप पांच बार जीता है- 1985, 1991, 1995, 2009, 2010, जबकि चार बार उपविजेता रहा- 2008, 2016, 2019, 2025। वे 10 बार के विजेता ऑस्ट्रेलिया के बाद इस प्रतियोगिता में दूसरी सबसे सफल टीम हैं।

मुख्य कोच क्रेग फल्टन की नजरें बड़ी तस्वीर पर हैं, क्योंकि उन्होंने सुल्तान अजलान शाह कप और दक्षिण अफ्रीका के छोटे दौरे का इस्तेमाल नए खिलाड़ियों को आजमाने और आने वाले वर्ष में होने वाले बड़े टूर्नामेंट्स को ध्यान में रखते हुए नई रणनीतियों के लिए किया। 2026 भारतीय हॉकी के लिए एक अहम साल होगा क्योंकि इस दौरान विश्व कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट खेले जाएंगे। इन टूर्नामेंट्स में सफलता देश में हॉकी को आगे बढ़ाएगी, जबकि खराब प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक के बाद मिली सकारात्मक गति को खत्म कर देगा।

सबसे बड़ी चिंता महिला राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को लेकर होगी - खराब नतीजों की एक श्रृंखला के बाद, टीम एफआईएच प्रो लीग से एफआईएच नेशंस लीग में डिमोट हो गई।

टीम महिला एशिया कप का फाइनल चीन से 1-4 से हार गई, जिससे बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले 2026 एफआईएच महिला विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफिकेशन से चूक गई। टीम को अब विश्व कप क्वालिफायर पर निर्भर रहना होगा, जो आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होंगे। इससे पहले दिसंबर में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने लगभग 20 महीने के कार्यकाल के बाद भाई-भतीजावाद के आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया था। महिला टीम के पास एचआईएल के बाद विश्व कप क्वालिफायर आने तक नए कोच के तहत तैयारी करने के लिए बहुत कम समय होगा।

छुहारा या खजूर, कौन है सेहत के लिए सबसे फायदेमंद? आयुर्वेदिक डॉक्टर ने खोल दिया राज!

सेहतमंद रहने के लिए अक्सर लोग अपनी डाइट में तरह-तरह के ड्राई फ्रूट्स शामिल करते हैं। हर ड्राई फ्रूट के अपने फायदे होते हैं और हर किसी की प्रकृति भी अलग होती है। इसलिए कोई भी ड्राई फ्रूट तभी पूरा फायदा करता है, जब इसे अपनी जरूरतों के अनुसार सही समय और मात्रा में खाया जाए। उदाहरण के लिए खजूर और छुहारा, दोनों ही बड़े पॉपुलर ड्राई फ्रूट हैं और अक्सर लोग इन्हें एक जैसा ही समझते हैं। जबकि आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ रॉबिन शर्मा बताते हैं कि छुहारा और खजूर, दोनों की प्रकृति काफी अलग है। अगर सही मौसम में और अपनी जरूरत के मुताबिक आप इनमें से सही ड्राई फ्रूट नहीं खा रहे हैं, तो फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। आइए विस्तार में जानते हैं।

अलग-अलग होती है दोनों की प्रकृति

डॉ रॉबिन कहते हैं कि खजूर और छुहारा, दोनों की प्रकृति यानी नेचर एकदम अलग-अलग होता है। खजूर ठंडी तासीर का होता है और वात,पित्त प्रकृति वाली के लिए लाभदायक होता है। इसलिए इसे गर्मियों में खाना फायदेमंद रहता है। वहीं छुहारे की तासीर गर्म होती है और ये वात, कफ प्रकृति वाले लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसी वजह से इसे सर्दियों में खाना ज्यादा सही माना जाता है।

किन लोगों को खाना चाहिए खजूर?

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक खजूर थकावट और कमजोरी को दूर करने में काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा ये पेशाब की रुकावट को भी कम करता है। खजूर में एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ये हार्ट हेल्थ, ब्लड प्रेशर और नर्व फंक्शन को बेहतर करने में भी काफी मदद करता है। हालांकि इसमें नेचुरल शुगर काफी ज्यादा होती है, इसलिए डायबिटीज वालों को कम मात्रा में इसका सेवन करना चाहिए।

छुहारा खाने से क्या फायदे मिलेंगे?

रॉबिन बताते हैं कि छुहारा शारीरिक कमजोरी को दूर करता है और पौरुषत्व में वृद्धि करता है। पुरुषों के लिए दूध के साथ छुहारा लेना बहुत फायदेमंद होता है। इसे खाने से पेशाब कम आता है। साथ ही इसमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है और ये इंस्टेंट एनर्जी के लिए परफेक्ट है। ये पाचन और कब्ज में भी हल्की राहत देने का काम करता है।

सर्दियों में कुछ ही दिन मिलती है ये सब्जी, खाएं जरूर क्योंकि इसमें कई लाजवाब फायदे

सर्दियों की शुरुआत होते ही भरतपुर की सब्जी मंडियां रतालू की वजह से फिर से जीवंत हो उठी हैं। ठंड के मौसम में मिलने वाली यह मौसमी सब्ज़ी स्वाद, पौष्टिकता और शरीर को गर्म रखने के गुणों के कारण लोगों की पहली पसंद बन गई है। साथ ही, इसकी खेती से किसानों को भी अच्छा मूल्य मिल रहा है।

रतालू : सर्दियों की खास सब्जी

रतालू सालभर नहीं मिलती और केवल ठंड के मौसम में खेतों से सीधे बाजार तक आती है। इसी वजह से इसका इंतजार हर घर में रहता है। ठंड के साथ ही इसकी सप्लाई बढ़ती है और लोग इसे बड़ी मात्रा में खरीदते हैं। यह शरीर को प्राकृतिक रूप से गर्म रखने और ऊर्जा देने का काम करती है।

स्वाद और पोषण में बेमिसाल

फाइबर : पाचन को दुरुस्त रखता है।

आयरन : कमजोरी और थकान को दूर करता है।

विटामिन बी6 और पोटैशियम : शरीर को फिट रखने में मदद करते हैं।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉक्टर के अनुसार, रतालू बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है।

कहां होती है खेती और क्यों पसंद की जाती है?

भरतपुर और आस-पास के इलाकों जैसे रूपवास, कुम्हेर और बयाना में रतालू की खेती होती है। खेतों से सीधे मंडी पहुंचने के कारण यह ताजी और उच्च गुणवत्ता वाली सब्ज़ी मानी जाती है। किसानों के अनुसार इसकी बढ़ी हुई मांग उन्हें अच्छा मूल्य देती है।

कैसे खाएं रतालू: रतालू का हल्का मीठा और मुलायम स्वाद इसे हर उम्र के लोगों के लिए पसंदीदा बनाता है। इसे आप उबालकर, भूनकर, या मसालेदार सब्जी के रूप में पका सकते हैं।

आगामी दिनों में बढ़ती मांग : सर्दियों में रतालू की मांग और बढ़ने की संभावना है। इसकी उपलब्धता न सिर्फ ठंड का स्वागत कराती है, बल्कि लोगों की स्वाद और सेहत दोनों में रंग भरती है।

किन लोगो को रतालू नहीं खाना चाहिए या सावधानी से खाएं

पाचन समस्या वाले लोग : अगर किसी को अत्यधिक गैस, अपच या एसिडिटी की समस्या है, तो रतालू का सेवन सीमित मात्रा में करें। क्योंकि इसमें फाइबर और स्टार्च की मात्रा अधिक होती है।

डायबिटीज मरीज: रतालू में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। डायबिटीज के मरीज इसे सीमित मात्रा में ही खाएं और अपने ब्लड शुगर स्तर की निगरानी करें।

किडनी की समस्या वाले लोग : रतालू में पोटैशियम होता है। अगर किडनी की समस्या है और पोटैशियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी गई है, तो रतालू से बचें।

ज्यादा मोटापा या वजन बढ़ाने की समस्या वाले लोग: क्योंकि इसमें स्टार्च और कैलोरी होती है, अत : वजन नियंत्रित करने वाले लोग इसे संतुलित मात्रा में ही खाएं।

अत्यधिक ठंड लगने वाले लोग: आयुर्वेद के अनुसार, रतालू ठंडी प्रकृति की होती है। जिनको ठंड से ज्यादा परेशानी होती है, उन्हें इसे थोड़ी मात्रा में और गर्म मसालों के साथ खाना चाहिए।

जिम वालों के लिए कौन सा प्रोटीन सबसे बेस्ट! चिकन, अंडा या पनीर

जिम में घंटों पसीना बहाने के बावजूद अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि मसल्स ठीक से बन नहीं रहे। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि मसल्स ग्रोथ में वर्कआउट से ज्यादा अहम रोल डाइट का होता है, खासकर प्रोटीन का। प्रोटीन ही शरीर की मसल्स को रिपेयर करता है, उन्हें मजबूत बनाता है और तेजी से ग्रोथ देता है। लेकिन सवाल यह है कि इतनी सारी प्रोटीन वाली चीज़ों में से असल में बेस्ट क्या है अंडा, चिकन या पनीर? आइए समझते हैं किस फूड में कैसी प्रोटीन मिलती है और जिम लवर्स के लिए कौन सबसे बेहतर साबित होता है।

अंडा: कंप्लीट प्रोटीन का पावरहाउसअंडे को प्रोटीन का सबसे बेहतरीन और आसान स्रोत माना जाता है, क्योंकि इसमें सभी 9 जरूरी अमीनो एसिड मौजूद होते हैं, जो सीधे मसल्स की ग्रोथ और रिकवरी में मदद करते हैं। शरीर अंडे के प्रोटीन को बेहद तेजी से अवशोषित कर लेता है, जिससे वर्कआउट के बाद मांसपेशियों की हीलिंग जल्दी होती है। इसकी जर्दी में मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन क्च12 एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं और शरीर को पूरे दिन एक्टिव रखते हैं। चाहे आप उबला अंडा खाएं, ऑमलेट बनाएं या स्क्रैम्बल हर रूप में अंडा मसल्स बनाने के लिए सुपर फायदेमंद है।

चिकन और लीन मीट

नॉन-वेज डाइट लेने वालों के लिए चिकन और लीन मीट मसल्स बिल्डिंग के सबसे मजबूत और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत माने जाते हैं। 100 ग्राम चिकन में लगभग 25-30 ग्राम हाई-क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, जिसे शरीर बेहद आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसमें मौजूद मिनरल्स और आवश्यक अमीनो एसिड मसल्स को तेजी से रिपेयर करते हैं और ग्रोथ को बूस्ट करते हैं। इसके साथ ही मछली और मटन जैसे अन्य मीट भी बेहतरीन विकल्प हैं। इनमें न सिर्फ क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, बल्कि आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व भी होते हैं, जो रिकवरी को तेज करते हैं और शरीर को ज्यादा स्ट्रॉन्ग बनाते हैं।

पनीर

वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर किसी सुपरफूड से कम नहीं। इसमें मौजूद केसिन प्रोटीन धीरे-धीरे पचता है, जिससे शरीर को लंबे समय तक लगातार प्रोटीन मिलता रहता है। खासतौर पर रात के भोजन में पनीर शामिल करना बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह मसल ब्रेकडाउन को रोकने में मदद करता है। सब्जी, सलाद से लेकर पनीर टिक्का तक हर फॉर्म में यह शरीर को पोषण देता है। साथ ही, यह पेट भरने के साथ हेल्दी वेट गेन में भी सहयोगी साबित होता है।

क्या सप्लीमेंट्स की जरूरत पड़ती है?

सप्लीमेंट्स तभी लेने चाहिए जब आपकी नियमित डाइट आपकी प्रोटीन या न्यूट्रिशन की जरूरत पूरी न कर पाए। ऐसे में व्हे प्रोटीन या प्लांट-बेस्ड प्रोटीन अच्छे विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, सप्लीमेंट चुनते समय यह जरूर देखें कि उसमें कम केमिकल्स हों और अमीनो एसिड प्रोफाइल उच्च गुणवत्ता वाला हो, ताकि शरीर को अधिकतम लाभ मिल सके।

जामें प्रोटीन का असर कैसे बढ़ाएं

दिन भर थोड़ा-थोड़ा प्रोटीन खाएं। एक बार में बहुत ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर उसे पूरी तरह उपयोग नहीं कर पाता, और इसका फायदा भी कम हो जाता है। इसलिए बेहतर यही है कि दिन भर में छोटे-छोटे हिस्सों में प्रोटीन शामिल करें। इससे मसल्स को लगातार अमीनो एसिड मिलता रहता है और रिकवरी भी तेज होती है।

सही कॉम्बिनेशन बनाएं

सही फूड कॉम्बिनेशन मसल्स को पूरा अमीनो एसिड प्रोफाइल देने में मदद करता है। जैसे दाल+चावल, पनीर+सलाद या अंडा+ओट्स जैसे कॉम्बो शरीर में प्रोटीन की क्वालिटी को बेहतर बनाते हैं। ये संयोजन न सिर्फ डाइजेशन आसान करते हैं बल्कि मसल रिकवरी और स्ट्रेंथ बढ़ाने में भी कारगर साबित होते हैं।

वर्कआउट के 30-60 मिनट के अंदर प्रोटीन लें

वर्कआउट के बाद शरीर की मसल्स सबसे ज्यादा थकी हुई होती हैं और उसी समय उन्हें प्रोटीन की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। इसलिए एक्सरसाइज खत्म होने के 30-60 मिनट के भीतर प्रोटीन लेना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इस टाइम विंडो में लिया गया प्रोटीन तेजी से अवशोषित होता है, जिससे मसल रिकवरी दोगुनी तेजी से होती है, ह्यश्ह्वह्रद्दह्यद्गह्यह्य कम होती है और मसल ग्रोथ भी बेहतर तरीके से शुरू हो जाती है। यही वजह है कि फिटनेस एक्सपर्ट इसे गोल्डन विंडो कहते हैं।

पानी ज्यादा पिएं

जब आप हाई-प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो शरीर को प्रोटीन को पचाने और अवशोषित करने में अधिक पानी की जरूरत होती है। पर्याप्त पानी न मिलने पर पाचन धीमा हो सकता है, कब्ज या ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। इसलिए हाई-प्रोटीन भोजन के साथ पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीना बेहद जरूरी है। अच्छी हाइड्रेशन न सिर्फ पाचन को आसान बनाती है, बल्कि मसल रिकवरी, एनर्जी लेवल और किडनी फंक्शन को भी सपोर्ट करती है। दिनभर में थोड़ा-थोड़ा पानी पीने से शरीर में प्रोटीन का अवशोषण बेहतर होता है और डाइट का फायदा भी ज्यादा मिलता है।

तो जानें आखिर बेस्ट क्या है

नॉन-वेज खाने वालों के लिए : चिकन + अंडा सबसे तेज़ और असरदार मसल-बिल्डिंग प्रोटीन।

वेजिटेरियन के लिए : पनीर + दाल + दही/दूध मसल ग्रोथ का बेस्ट कॉम्बो।

जिन्हें फैट कम और प्रोटीन ज्यादा चाहिए : अंडा और चिकन सबसे उपयुक्त।

हर फूड में प्रोटीन है, लेकिन आपका लक्ष्य, आपकी बॉडी और आपकी डाइट तय करती है कि कौन सा प्रोटीन आपके लिए सबसे बेहतर है। सही प्रोटीन चुनेंगे, तभी सही मसल्स बनेंगे।

पानी गर्म रखने वाली बोतल से आ रही गंदी बदबू तो दूर करने का ये तरीका जान लें

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में पानी, चाय या किसी लिक्विड चीज को रखने के लिए थर्मोफ्लास्क वाली बोतल का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते है। जिससे की खाने-पीने का सामान देर तक गर्म बना रहे। लेकिन बोतल लगातार कई महीनों से बंद पड़ी होने की वजह से उसमे से बदबू कर रही है। और कई बार साफ करने के बाद भी ये बदबू पूरी तरह नहीं जा रही। तो इन ट्रिक्स को ट्राई करें। जिनकी मदद से बोतल से आ रही सारी बदबू साफ हो जाएगी और दोबारा से यूज करने लायक बन जाएगी।

चावल और नमक से करें सफाई

पानी गर्म रखने वाली बोतल यानी थर्मोफ्लास्क की बोतल से बदबू आ रही है और वो साबुन से धुलाई के बाद भी नहीं जा रही। तो बस ये आसान सी ट्रिक ट्राई कर लो। जिसकी मदद से ये बदबू एक बार में ही गायब हो जाएगी। बस इसके लिए बोतल में करीब एक चम्मच चावल के दाने डाल दें। साथ ही

एक चम्मच सेंधा नमक भी डाल दें। अब इसमे एक कप के करीब पानी डालें। और, जोर से हिलाएं। इसे करीब पांच मिनट हिलाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर पानी से अच्छी तरह से साफ कर दें। ऐसा करने से बोतल की तली में लगी सफेदी और गंदगी भी अच्छी तरह से साफ हो जाएगी।

नींबू और नमक

अगर बोतल की गंदी बदबू जा ही नहीं रही है तो ये नुस्खा आजमाएं। बोतल में गर्म पानी करीब आधा कप डाल दें। साथ ही उसमे नींबू का रस निचोड़ दें और साथ ही एक चम्मच सेंधा नमक डाल दें। सारी चीजों को शेक करें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर करीब आधे घंटे के लिए बोतल में नींबू का पानी और नमक छोड़ दें। फिर आधे घंटे बाद सफाई करेंगे तो बोतल की सारी गंदगी साफ हो जाएगी और साथ ही बदबू भी खत्म हो जाएगी। नींबू की वजह से फ्रेशनेस आने लगेगी।

चाय की पत्ती से बदबू होगी दूर

थर्मोफ्लास्क की बोतल में बदबू आने का कारण अक्सर चाय ही होती है। दूध वाली चाय को जब बोतल में रखा जाता है तो उसकी बदबू भर जाती है। लेकिन चाय की मदद से ही इसकी बदबू को दूर किया जा सकता है। बस गर्म पानी से बोतल भर दें। फिर इसमे थोड़ी सी चाय की पत्ती या फिर टी बैग डाल दें। करीब दो से तीन घंटे के बोतल से सारी बदबू दूर हो जाएगी। बस चाय हटाकर बोतल को अच्छी तरह से धो दें। सारी बदबू दूर हो जाएगी।

सिंगर-रैपर यो यो हनी सिंह गाने से विवादों में

बॉलीवुड सिंगर और रैपर यो यो हनी सिंह अपने 2 साल पुराने गाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। यह गाना नागन टाइटल से रिलीज हुआ था। जिसे अब तक 1.40 करोड़ लोग देख चुके हैं। इस गाने में हनी सिंह बिकिनी पहने युवतियों के साथ डांस करते हुए दिख रहे हैं।

जालंधर के भाजपा नेता ने यह गाना देखा तो अब पंजाब के DGP गौरव यादव को शिकायत भेजी है। जिसमें उन्होंने हनी सिंह के खिलाफ FIR की मांग की है। इसके अलावा इस गाने को तुरंत यूट्यूब समेत सभी प्लेटफॉर्म से हटाने की मांग की है।

उनका कहना है कि उन्होंने कल ही ये गाना देखा। जो बिना किसी एज लिमिट के चल रहा है। जो बच्चों व किशोरों के लिए नुकसानदेह है। इसके अलावा पंजाबी सभ्याचार की भी इस गाने की वजह से बदनामी हो रही है।

गीत में नग्नता और भद्दा डांस: DGP को दी गई शिकायत में अरविंद शर्मा ने कहा कि नागिन गीत के वीडियो में नग्नता, भद्दे डांस सहित आपत्तिजनक सीन हैं, जो पंजाबी संस्कृति के खिलाफ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मनोरंजन के नाम पर पंजाबी संगीत और पहचान को बदनाम किया जा रहा है। पंजाब की संस्कृति सम्मान मर्यादा और महिलाओं के प्रति आदर के लिए जानी जाती है, लेकिन इस तरह के गाने समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं।

गीत बिना एज लिमिट यूट्यूब पर चल रहा: अरविंद शर्मा ने कंप्लेंट लेटर में लिखा है कि यह गाना यूट्यूब पर बिना किसी एज लिमिट कैटेगरी के चल रहा है, जिससे बच्चों और किशोरों पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने इसे गंभीर जनहित का मामला बताया। उन्होंने शिकायत में कहा कि हनी सिंह और अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

बिकिनी गर्ल्स के साथ नाच रहे, अश्लीलता फैलाने को लेकर पंजाब DGP से कंप्लेंट

'नागिन-7' में नजर आएंगी ईशा सिंह

बोलीं- मुझे सपनों से ज्यादा मिला, लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता

टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह की 'नागिन 7' कलर्स चैनल पर शुरू होने जा रहा है। बिग बॉस 18 से निकलकर नागिन फ्रैंचाइजी में एंट्री करने वाली ईशा सिंह ने अपनी जर्नी, फैमिली सपोर्ट, प्रियंका और नमिक जैसे को-स्टार्स से बॉन्डिंग, मुंबई-भोपाल के फर्क और नेगेटिविटी से दूर रहने की सीख शेयर कीं। पेश है बातचीत के कुछ प्रमुख अंश..

सवाल: नागिन इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी है। बिग बॉस 18 में रहते हुए ही इसकी बात पता चल गई थी। उस वक्त तो बता नहीं सकती थीं। पहली बार जब पता चला, तो क्या फीलिंग हुई?

जवाब: कलर्स मेरे लिए घर जैसा है। इतना बड़ा फ्रेंचाइजी, ऊपर से एकता मैम का शो और बालाजी टेलीफिल्म्स,सब कुछ परफेक्ट। ऑफर आया तो सोचा क्यों न ट्राई करें, कैरेक्टर बिल्कुल अलग था। नागिन शूटिंग ने नए मौके खोले।

सवाल: फैंस सोच रहे हैं कि आप खतरों के खिलाड़ी करेंगी?

जवाब: पिछले साल खतरों के खिलाड़ी में बहुत बुरा अनुभव हुआ था। अभी कोई प्लान नहीं है, लेकिन कभी-कभी 'नेवर' कहकर भी कर लिया जाता है। बिग बॉस से पहले भी मैंने मना किया था, लेकिन कर लिया। हो सकता है अगले साल सांप-बिच्छू वाले स्टंट्स कर रही हूं।

सवाल: बहुत शानदार शुरुआत हुई है। प्रियंका भी बिग बॉस में रह चुकी हैं, नामिक पॉल भी हैं, ये कमाल के कलाकार हैं। इनके साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी रही? शूटिंग का आपका अनुभव कैसा रहा?

जवाब: बहुत अच्छा रहा। सिर्फ ये दो नहीं, बाकी सारे कलाकार भी बहुत अच्छे लोग थे। प्रियंका तो मेरी बहन जैसी लगने लगी है, शो में भी सिस्टर-सिस्टर का बॉन्ड है और ऑफ-स्क्रीन भी। वो फैमिली जैसी हैं, बहुत खूबसूरत इंसान हैं, प्यारी लड़की। हम दोनों बहुत अटैच्ड हैं। इस शो से मुझे कई अच्छे दोस्त मिले, और नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

सवाल: आप कमाल लग रही हैं। प्रियंका का लुक भी शानदार है, क्योंकि उन्हें डबल रोल निभाना है। पेरेंट्स, भाई और रुद्राक्ष का रिएक्शन कैसा रहा?

जवाब: अभी उनका रिएक्शन देखना बाकी है। मैंने सिर्फ फर्स्ट एपिसोड की कुछ क्लिप्स देखी हैं, लेकिन वो लोग देख चुके हैं। इंतजार कर रही हूं कि उन्हें कैसा लगा। रुद्राक्ष तो हमेशा मेरा मजाक उड़ाता है, बिग बॉस में भी उड़ाया था। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव है और ऑनेस्ट फीडबैक देता है। कैसी लग रही हो, वैसी लग रही हो। उसका रिएक्शन बहुत मायने रखता है।

धुरंधर को प्रोपेगेंडा कहने वालों को आदित्य धर का जवाब

बिना नाम लिए ध्रुव राठी पर कसा तंज, फिल्म ने 900 करोड़ का आंकड़ा पार किया

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' ने रिलीज के महज 19 दिनों के अंदर ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म की सफलता पर आदित्य धर ने अपनी खुशी जाहिर की है।

आदित्य ने अपने इंस्टाग्राम पर कई स्टोरी री शेयर की हैं, जिनमें फिल्म और उनके काम की तारीफ हो रही है। साथ ही, आदित्य ने बिना नाम लिया यूट्यूबर ध्रुव राठी समेत उन सबको निशाने पर लिया है, जिन्होंने उनकी फिल्म को प्रोपेगेंडा बताया था।

दरअसल, आदित्य ने एक पोस्ट को इंस्टाग्राम स्टोरी में रीशेयर कर लिखा- 'भारतीय सिनेमा में इतिहास फिर से लिखा जा रहा है। उन पुरुषों और महिलाओं द्वारा जिनके दिलों में आग है और अपने देश के लिए प्यार है। धुरंधर की बॉक्स ऑफिस सफलता का सबसे अच्छा पहलू यह है कि ये ऑर्गेनिक है। रिलीज वीक में 'कॉर्पोरेट बुकिंग' का शोर मचाने वाले सभी लोग अब अचानक चुप हो गए हैं।' पोस्ट में आगे लिखा गया- 'हाल ही में एक वीडियो मेकर ने फिल्म की आलोचना करने की कोशिश की लेकिन वो खुद आलोचना की लहर में बह गया। धुरंधर आजकल क्रेज में है। ये एक ऐसी सुनामी है, जो अपने रास्ते में आने वाली किसी भी दूसरी रिलीज को बहा ले जाएगी। एक सुनामी जो 2026 तक चलेगी।' बता दें कि ध्रुव राठी ने धुरंधर को प्रोपेगेंडा फिल्म बताते हुए इसके ऊपर एक वीडियो में बनाया था। वीडियो का टाइटल रियलिटी ऑफ धुरंधर था। उन्होंने कहा कि फिल्म को फिक्शनल कहा जा रहा है, जबकि इसमें कई इवेंट्स की असल फोटोज और वीडियोज इस्तेमाल की गई हैं।

साथ ही ध्रुव ने ये भी कहा कि फिल्म के जरिए आदित्य धर ने भारत पर लगने वाले पाकिस्तान के कई आरोपों को सही साबित कर दिया है। जबकि भारत सरकार कई बार ये सफाई दे चुकी है कि वो पाकिस्तान में जासूस नहीं भेजता।

सोशल मीडिया

मेरी बॉडी अब किस शेप-साइज में, मुझे फर्क नहीं पड़ता

कियारा आडवाणी मां बनने के पांच महीने बाद काम पर लौट चुकी हैं। हाल ही में उन्हें वोग मैगजीन के लिए फोटोशूट किया और इंटरव्यू दिया है। एक्ट्रेस ने वोग मैगजीन को दिए इंटरव्यू में अपनी आखिरी रिलीज फिल्म वॉर-2 की बिकिनी सीन पर बात की है। इसके अलावा उन्हें मेंटल हेल्थ और भी अलग-अलग मुद्दों पर बात की। इंटरव्यू में कियारा ने बताया कि आजकल वो अपनी बेटी सरायाह की खिलखिलाहट देख अपनी सारी थकान भूल जाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे पलों और मदरहुड ने उनकी बॉडी के साथ उनके रिश्ते को बदल दिया है। मदरहुड की तुलना में एक-दो किलो वजन कम करना महत्वहीन लगता है, क्योंकि उसने ही उन्हें अपने शरीर का महत्व सिखाया है। 'वॉर-2' की बिकिनी सीन पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने फिल्म में बिकिनी पहनने के लिए बहुत डिस्पिलिन के साथ ट्रेनिंग ली थी। लेकिन फिल्म तब रिलीज हुई जब उन्होंने अभी-अभी अपनी बेटी को जन्म दिया था और उनकी बॉडी बिल्कुल अलग दिख रही थी। कियारा कहती हैं-'डिलीवरी के बाद मेरे मन में एक ख्याल आया कि मुझे वजन कम करना चाहिए। मैंने यह पहले भी किया है। मैं इसे फिर से करूंगी। फिर मुझे एहसास हुआ कि यह सबसे खूबसूरत शरीर पाने के बारे में नहीं है।'अब जब मैं अपनी बॉडी को देखती हूं तो सोचती हूं- वाह, तुमने एक बच्चे को जन्म दिया। इसकी कोई तुलना नहीं हो सकती है।

बता दें कि कियारा ने फिल्म 'वॉर-2' के गाने 'आवन जावन' के लिए बिकिनी पहनी थी। कियारा का ये सीन सोशल मीडिया पर काफी वायरल रहा था। कियारा ने 15 जुलाई को बेटी को सरायाह को जन्म दिया था और उसके एक महीने बाद 14 अगस्त को उनकी फिल्म वॉर-2 रिलीज हुई थी।

"न्यू मॉम कियारा आडवाणी बोलीं- वॉर-2 में अपना बिकिनी सीन देख परेशान हो गई थी

ऋतिक ने बेटों और गर्लफ्रेंड के साथ डांस किया

ऋतिक रोशन के कजन ईशान रोशन 23 दिसंबर को शादी के बंधन में बंध गए। इस मौके पर एक्टर अपने दोनों बेटों रेहान और ह्रदान रोशन के साथ मौजूद रहे। इस दौरान उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी साथ नजर आईं। कजन के रिसेप्शन पार्टी में ऋतिक दोनों बेटों और गर्लफ्रेंड के साथ डांस फ्लोर पर धमाल मचाते दिखे। रिसेप्शन फंक्शन के लिए ऋतिक ने ब्लैक कलर का सूट पहना हुआ था। वहीं, रेहान क्रीम कलर के कुर्ता-पजामा में नजर आए, जबकि ह्रदान ने ब्लैक सूट में पिता से ट्विनिंग की थी।

दोनों बेटों के साथ मीडिया के लिए पोज करते ऋतिक। दोनों बेटों के साथ मीडिया के लिए पोज करते ऋतिक। ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा आजाद शादी के हर फंक्शन में मौजूद रहीं।

पैपराजी के सवाल से असहज हुईं ईशा देओल

वेटरन एक्टर धर्मेंद्र के निधन को आज एक महीना हो चुका है लेकिन एक्टर का परिवार अब भी इस दुख से उबरने की कोशिश कर रहा है। हाल ही में उनकी बेटी ईशा देओल को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। एयरपोर्ट पर वो ऑल ब्लैक लुक में नजर आईं। उनके चेहरे पर उदासी साफ नजर आ रही थी और वो वहां मौजूद पैपराजी से किसी भी तरह की बातचीत से बचती दिखीं। सामने आए वीडियो में नजर आता है कि जैसे ही ईशा सिक्योरिटी चेक-इन काउंटर की ओर बढ़ती हैं, पैपराजी ने उनसे धीरे चलने और कैमरों के लिए पोज देने को कहते हैं। पैपराजी की रिक्वेस्ट को वो मान गईं और उन्होंने उनके लिए पोज दिया। जब एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, कैसे हो आप? तो ईशा इस सवाल से थोड़ी हैरान दिखीं। उन्होंने बिना कुछ बोले हाथ से इशारा किया कि ये किस तरह का सवाल है? फिर वो पैपराजी को हाथ जोड़कर नमस्ते करती हैं और आगे बढ़ जाती हैं।

बता दें कि लगभग एक हफ्ते पहले ईशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी में पिता के निधन के बाद काम पर और सोशल मीडिया पर लौटने को लेकर अपना दर्द बयां किया था।

उन्होंने अपनी वर्क कमिटमेंट से जुड़ी कुछ ग्लैमरस फोटो शेयर कर लिखा था-'यह फोटो नवंबर में मैगजीन के लिए पब्लिश होनी थी क्योंकि मैंने उनके कवर के लिए फोटोशूट किया था। मैं कुछ और चेंजेस भी शेयर करूंगी, जिन्हें आप सभी इस सीजन के लिए देख सकते हैं। खूब सारा प्यार।'

इसके अलावा उन्होंने अपनी स्टोरी में लिखा- मैंने काम के कुछ कमिटमेंट्स काफी समय से रोक रखी हैं, जिन्हें मैं अब आने वाले दिनों में आप सभी के साथ पोस्ट के जरिए शेयर करूंगी। प्लीज मुझे एक इंसान के तौर पर और सबसे जरूरी, एक बेटी के तौर पर समझें, जो अभी भी अपने सबसे प्यारे पिता को खोने के दुख से गुजर रही है। यह एक ऐसा नुकसान है जिससे मैं कभी उबर नहीं पाऊंगी।' ईशा आगे लिखती हैं- 'अगर चीजें मेरे हाथ में होती तो मैं कुछ समय के लिए इस प्लेटफॉर्म पर नहीं लौटती और बस ब्रेक लेना चाहती। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती। इसलिए प्लीज दयालु और समझदार रहिए। हमेशा प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009